खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 13 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-223

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिकों को किया परेशान, बुनियादी सुविधाओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच, पाकिस्तान ने एक बार फिर वियना कन्वेंशन का उल्लंघन करते हुए इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के कर्मचारियों और उनके परिवारों को परेशान करना शुरू कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने जानबूझकर भारतीय राजनयिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं जैसे पानी, गैस और अखबारों की आपूर्ति रोक दी है। भारत ने इस कदम को एक 'जानबूझकर और पूर्व-निर्धारित' कार्रवाई बताया है।

गैस की आपूर्ति बंद: इस्लामाबाद में भारतीय कर्मचारियों के घरों में गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। जिन दुकानदारों से पहले गैस सिलेंडर मिलते थे, उन्हें भी भारतीय स्टाफ को कुछ भी बेचने से मना किया गया है।

पानी की समस्या: पीने के पानी की नियमित आपूर्ति रोक दी गई है और सभी स्थानीय वाटर वेंडर्स को उच्चायोग को पानी न देने का निर्देश दिया गया है।

अखबारों पर रोक: भारतीय राजनयिकों को अखबारों की सप्लाई भी रोक दी गई है, जिससे उन्हें स्थानीय खबरों तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है।

भारत ने पाकिस्तान के इस कदम को वियना कन्वेंशन का सीधा उल्लंघन बताया है। यह कन्वेंशन यह सुनिश्चित करता है कि एक देश में दूसरे देश के राजनयिकों को सुरक्षा और उनके काम करने के लिए आवश्यक सुविधाएं मिलें। पाकिस्तान की इस हरकत से राजनयिकों की रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो गई है।

सरकारी अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी खडख ने यह कदम भारत के हाल के दो बड़े फैसलों के जवाब में उठाया है: ऑपरेशन सिंदूर की सफलता: इस ऑपरेशन में भारत ने कथित तौर पर पाकिस्तान में कुछ आतंकवादी ठिकानों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया था। सिंधु जल संधि को स्थगित करना: हाल ही में भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था, जिससे पाकिस्तान में बेचैनी बढ़ गई है।

ऐसा माना जा रहा है कि इन दोनों घटनाओं के बाद पाकिस्तान ने यह 'छोटी सोच वाली बदले की कार्रवाई' की है। यह पहली बार नहीं है; 2019 में पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक के दौरान भी भारतीय राजनयिकों को इसी तरह परेशान किया गया था।

भारत ने चेतावनी दी है कि इस तरह की घटनाएं दोनों देशों के बीच संबंधों को और भी खराब कर सकती हैं। यह देखना बाकी है कि क्या भारत भी पाकिस्तान के राजनयिकों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा।

नितिन गडकरी को इस वर्ष का आबासाहेब वीर सामाजिक पुरस्कार दिया जायेगा

सतारा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को किसान वीर सहकारी चीनी मिल (केवीसीएसएफ), सतारा, महाराष्ट्र की ओर से इस वर्ष के प्रतिष्ठित आबासाहेब वीर सामाजिक पुरस्कार के लिए चुना गया है। केवीसीएसएफ के उपाध्यक्ष प्रमोद शिंदे ने यहां जारी एक बयान में कहा कि यह पुरस्कार सामाजिक, आर्थिक, ग्रामीण और राष्ट्रीय क्षेत्रों के विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। इस वर्ष, श्री गडकरी को सड़क और राजमार्ग क्षेत्र में उनके योगदान के लिए चुना गया है।

श्री शिंदे ने कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह की तिथि बाद में घोषित की जायेगी।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

चंडीगढ़,12 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को राजस्थान से पाँच लोगों को गिरफ्तार करके आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। यह नेटवर्क पाकिस्तान स्थित बीकेआई के कार्यकर्ता हरविंदर रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था। टोंक और जयपुर ज़िलों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हुई गोलीबारी में पाँच आरोपियों में से एक घायल हो गया। आतंकवादी स्वतंत्रता दिवस के दौरान शहीद भगत सिंह नगर और पंजाब के अन्य स्थानों पर हमले की योजना बना रहे थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस ऑपरेशन की जानकारी दी। पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस, जालंधर ने एसबीएसनगर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में पाकिस्तान स्थित बीकेआई के एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह नेटवर्क विदेशी हैंडलर मन्नू अगवान, गोपी नवाशहरिया और जीशान अख्तर द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो पाक स्थित बीकेआई के ऑपरेटिव हरविंदर रिंदा के निर्देश पर चलाया जा रहा था। डीजीपी यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि राजस्थान के टोंक और जयपुर जिलों से पाँच आतंकियों को गिरफ्तार किया गया और आगे की योजनाबद्ध हमलों को सफलतापूर्वक टाला गया। इस मॉड्यूल ने हाल ही में एसबीएस नगर में एक शराब की दुकान के अंदर हमले की योजना बनाई थी और उसे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐसे ही हमले करने का काम सौंपा गया था। मामले में नवाशहर पुलिस स्टेशन में विस्फोटक पदार्थ नियंत्रण अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तार आरोपियों को विदेश में रहने वाले जीशान अख्तर और बीकेआई के सरगना मन्नू अगवान से सीधे निर्देश मिल रहे थे, जो पाकिस्तान स्थित बीकेआई के सदस्य हरविंदर रिंदा के साथ मिलकर काम कर रहा है।

सहारा समूह पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, नौ ठिकानों पर की छापेमारी

कोलकाता, 12 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता जोनल कार्यालय ने 11 अगस्त को सहारा समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई की। ईडी ने गाजियाबाद, लखनऊ, श्रीगंगानगर और मुंबई में कुल 9 ठिकानों पर छापेमारी की। ये ठिकाने सहारा समूह से जुड़ी विभिन्न जमीन और शेयर लेन-देन से संबंधित संस्थाओं के थे।

ईडी ने यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की। इसकी शुरुआत ओडिशा, बिहार और राजस्थान पुलिस की ओर से दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर हुई थी। ये एफआईआर हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (एचआईसीसीएसएल) और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और 120बी के तहत दर्ज की गई थीं।

सहारा समूह की विभिन्न कंपनियों के खिलाफ अब तक 500 से अधिक एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें से 300 से ज्यादा पीएमएलए के तहत निर्धारित अपराधों से जुड़ी हैं।

आरोप है कि सहारा समूह ने जबरन पुनर्निवेश और मैच्योरिटी भुगतान रोककर निवेशकों को बड़े पैमाने पर धोखा दिया। ईडी की जांच में सामने आया कि सहारा समूह ने एचआईसीसीए-सएल, एससीसीएसएल, एसयूएमसीएस, एसएमसीएसएल, एसआईसीसीएल, एसआईआरईसीएल, एसए-चआईसीएल और अन्य संस्थाओं के जरिए एक पोंजी स्कीम चलाई।

इसमें निवेशकों और एजेंटों को ऊंचे रिटर्न और कमीशन का लालच देकर पैसे जमा कराए गए। इन फंड्स को बिना किसी नियामक नियंत्रण और निवेशकों की जानकारी के मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया गया। निवेश की मैच्योरिटी पर भुगतान नहीं किया गया, बल्कि दबाव डालकर या गलत जानकारी देकर फिर से निवेश करा दिया गया।

खातों में हेरफेर कर इन गैर-भुगतानों को छिपाया गया। वित्तीय क्षमता न होने के बावजूद समूह ने नए निवेश लेना जारी रखा और इन पैसों का एक हिस्सा संदिग्ध शेयर लेन-देन, बेनामी संपत्ति बनाने और निजी खर्चों में इस्तेमाल किया।

समूह की संपत्तियां भी आंशिक नकद भुगतान पर बेची गईं, जिससे निवेशकों के वैध दावे और भी प्रभावित हुए। छापेमारी के दौरान ईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए और संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए।

इससे पहले, ईडी इस मामले में तीन अस्थायी कुर्की आदेश जारी कर चुकी है। अंबी वैली में लगभग 1,460 करोड़ रुपए की 707 एकड़ जमीन, सहारा प्राइम सिटी लिमिटेड में लगभग 1,538 करोड़ रुपए की 1,023 एकड़ जमीन, और चांदनी रॉय (पत्नी: सीमांत रॉय) की 14.75 करोड़ रुपए की चल संपत्ति शामिल हैं।

ईडी पहले ही सहारा समूह के चेयरमैन कोर मैनेजमेंट ऑफिस के कार्यकारी निदेशक अनिल वैलापरमपिल अब्राहम और लंबे समय से जुड़े प्रॉपर्टी ब्रोकर जितेंद्र प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में जांच जारी है और आगे और खुलासे होने की संभावना है।

दिव्यांगों के लिए सरकारी योजनाओं के साथ सामाजिक करुणा भी आवश्यक : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिव्यांगों के लिए उपयोगी और सर्वसमावेशी योजनाएं शामिल हैं, किंतु केवल नीति बनाने से बदलाव संभव नहीं होता। इसके लिए समाज में संवेदनशीलता और करुणा का भाव आवश्यक है, तभी सभी को संसाधन, अवसर और सम्मान प्राप्त हो सकता है। दीपस्तंभ फाउंडेशन का 'मनोबल' प्रकल्प इसी भावना का आदर्श उदाहरण है। वे सोमवार को नई दिल्ली में 'मनोबल' प्रकल्प के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे।

दिव्यांग, अनाथ, ट्रांसजेंडर और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आवासीय उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने वाला 'मनोबल' प्रकल्प, जळगांव और पुणे के बाद अब नई दिल्ली में भी शुरू हो गया है। नई दिल्ली के कस्तूरबा गांधी मार्ग स्थित नवनिर्मित महाराष्ट्र सदन के भव्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री धर्मेंद्र प्रधान के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों की राज्य मंत्री श्रीमती रक्षाताई खडसे, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल, नवनियुक्त राज्यसभा सांसद एडवोकेट उज्ज्वल निकम, भाजपा के केंद्रीय संगठन मंत्री वी. सतीश, आईसीसीआर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, पूर्व विदेश सचिव डॉ. ज्ञानेश्वर मुले, वरिष्ठ पत्रकार श्री उदय निरगुडकर और दीपस्तंभ फाउंडेशन के संस्थापक-निदेशक श्री यजुर्वेंद्र महाजन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'दिव्यांग' शब्द को लोकप्रिय बनाकर विकलांगता को सम्मान देने का उल्लेख करते हुए श्री प्रधान ने कहा कि देश के 26.10 करोड़ स्कूली विद्यार्थियों में 2.1 करोड़ दिव्यांग हैं, और उनके लिए सतत कार्य किया जा रहा है। किंतु वास्तविक समानता तभी स्थापित होगी जब दिव्यांग, अनाथ और ट्रांसजेंडर समुदाय को समान अवसर, संसाधन और सम्मान मिले। 'मनोबल' प्रकल्प इसी सोच से प्रेरित है। यह सामाजिक संकल्प और राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय प्रयास का प्रतीक है। दिल्ली में इसका विस्तार सर्वसमावेशिता, समानता और अवसर के एक नए युग की शुरुआत है।

कार्यक्रम में रक्षाताई खडसे ने कहा कि समाज के इन सबसे जरूरतमंद विद्यार्थियों के विकास की जिम्मेदारी सरकार, प्रशासन और नागरिकों- सभी की है। दीपस्तंभ का कार्य इस दिशा में प्रेरणादायक और अनुकरणीय है तथा सभी को इसमें सहभागी होना चाहिए। राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले दस वर्षों में दिव्यांगों को मुख्यधारा में लाने के लिए उल्लेखनीय कार्य हुआ है। सरकारी विभागों, राज्य सरकारों, निजी संस्थानों और समाज की दृष्टि में परिवर्तन आया है, जिससे संवेदनशीलता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि 'मनोबल' में विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट शिक्षा और प्रशिक्षण मिलता है, बल्कि पारिवारिक स्नेह और आत्मसम्मान का भी वातावरण प्राप्त होता है, जिससे उनका आत्मविश्वास और स्वाभिमान बढ़ता है।

यजुर्वेंद्र महाजन ने अपने प्रस्ताविक भाषण में कहा कि अगले 25 वर्षों में हमारा लक्ष्य दिव्यांग, अनाथ और ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उच्च शिक्षा और करियर के लिए मुख्यधारा में अवसर उपलब्ध कराना है। प्रतिष्ठा और अवसर की समानता तभी स्थापित होगी जब इन विद्यार्थियों को दया नहीं, बल्कि मित्रता और अवसर मिलें। उन्हें सुरक्षित घर, निस्वार्थ प्रेम और समाज में समान स्थान की आवश्यकता है।

इस अवसर पर एनएचपीसी, डोनाल्डसन फिल्ट्रेशन, परफेटी जैसी कंपनियों और दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए सम्मान किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद एडवोकेट उज्ज्वल निकम का भी सत्कार हुआ। दीपस्तंभ की छात्रा मौली अडकुर ने हार्मोनियम पर 'सारे जहाँ से अच्छा' की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन दिव्यांग विद्यार्थी सलमान और निशिता ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मुबशीर ने किया।

समारोह में 'मनोबल' में अध्ययनरत और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं व उच्च शिक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों का भी विशेष सम्मान किया गया। इनमें मनु गर्ग (आईएएस), रवि राज (आईआरएस), अश्विनी परकाले (आईएपीओएस), श्रीतेज पटेल (आईआरएमएस), संपदा वांगे, प्रणित गुप्ता (आईआईएम उदयपुर), तुषार चौगुले (कार्यकारी अभियंता), माउली अडकुर, कविता देसले (एमपीएससी), राकेश गुहा (बैंक), विशाल शेलार (साइक्लिंग में स्वर्ण पदक), वीणा (पीए-सआई), प्रतीक जिंदल (आईडीबीआई बैंक) शामिल हैं।

अब सिर्फ 18 जिलों तक सीमित नक्सलवाद! हिंसा में 81% की ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा को एक लिखित उत्तर में वामपंथी उग्रवादियों द्वारा की जाने वाली हिंसा में कमी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंसा की घटनाएँ और परिणामस्वरूप नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतें, 2010 के उच्च स्तर से 2024 में क्रमशः 81 प्रतिशत और 85 प्रतिशत कम हो गई हैं। गृह राज्य मंत्री राय ने एक लिखित उत्तर में कहा कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा की घटनाएँ और परिणामस्वरूप नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतें, 2010 के उच्च स्तर से 2024 में क्रमशः 81 प्रतिशत और 85 प्रतिशत कम हो गई हैं।

कांग्रेस सांसद कल्याण वैजनाथराव काले द्वारा नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा प्रदान करने के सरकार के प्रयासों के बारे में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में, राय ने राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015 के दृढ़ कार्यान्वयन के कारण आदिवासी क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में कमी पर प्रकाश डाला। गृह राज्य मंत्री राय ने कहा, राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना 2015 के दृढ़ कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप हिंसा में लगातार कमी आई है और भौगोलिक विस्तार में कमी आई है।

वामपंथी उग्रवाद, जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती रहा है, पर हाल के दिनों में काफी हद तक अंकुश लगा है और यह अब कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित रह गया है। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या भी 2013 के 126 से घटकर अप्रैल 2025 में 18 रह गई है।

उन्होंने कहा कि हिंसा का खामियाजा आदिवासी लोगों को भुगतना पड़ा है, जबकि उनका दावा है कि उन्हें पुलिस मुखबिर बताकर मार डाला गया और प्रताड़ित किया गया। गृह राज्य मंत्री ने कहा, समाज के गरीब और हाशिए पर पड़े तबके, खासकर आदिवासी, इस हिंसा का सबसे ज़्यादा शिकार हुए हैं, क्योंकि वामपंथी उग्रवादियों द्वारा मारे गए ज़्यादातर नागरिक आदिवासी हैं, जिन्हें अक्सर 'पुलिस मुखबिर' बताकर क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किया जाता है और फिर मार डाला जाता है। नक्सलबाड़ी आंदोलन की विडंबना की ओर इशारा करते हुए, राय ने दावा किया कि आदिवासी, माओवादियों द्वारा भारतीय राज्य के विरुद्ध घोषित जनयुद्ध के सबसे बड़े शिकार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र पिछड़ेपन के दुष्चक्र और वामपंथी उग्रवाद के प्रभाव से उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

पाक सेना प्रमुख की धमकी को अमेरिका के समक्ष मजबूती से उठाए केंद्र सरकार : ओवैसी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भारत के खिलाफ धमकियों की निंदा की। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष उठाने की मांग की। असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख की धमकियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत के खिलाफ धमकियां और भाषा निंदनीय हैं। उन्होंने अमेरिकी धरती से ऐसा किया, जिससे यह और भी बदतर हो जाता है। सरकार को इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और केवल विदेश मंत्रालय के बयान के जरिए ही नहीं, बल्कि सरकार को अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए और अमेरिका के समक्ष इस मुद्दे को मजबूती से उठाना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है और अमेरिकी धरती का यह दुरुपयोग भारत और भारतीयों दोनों को अस्वीकार्य है। पाकिस्तान की सैन्य योजनाओं को समझते हुए, हमें अपने सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार द्वारा रक्षा के लिए कम बजटीय आवंटन अब और नहीं चल सकता। हमें बेहतर तैयारी करने की आवश्यकता है। बता दें, आसिम मुनीर ने शनिवार को फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों के साथ एक निजी रात्रिभोज के दौरान ये धमकियां दी थीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुनीर ने कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। पाकिस्तानी सेना प्रमुख के नवीनतम बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हमारा ध्यान पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा अमेरिका की यात्रा के दौरान कथित तौर पर की गई टिप्पणियों की ओर आकर्षित हुआ है। परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की आदत है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ऐसी टिप्पणियों में निहित गैर जिम्मेदारी पर अपने निष्कर्ष निकाल सकता है। ऐसे बयान पाकिस्तान में परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर गहरी शंकाओं को और पुष्ट करते हैं, जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 13 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-223

एसआईआर विवाद पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई अहम टिप्पणियां कीं, जिनमें यह भी शामिल है कि आधार कार्ड को नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता, इसकी जाँच-परख आवश्यक है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव आयोग का यह कहना सही है कि आधार कार्ड को अंतिम प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में भारी गड़बड़ियां हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि एक छोटे से विधानसभा क्षेत्र में 12 जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल एस. ने कोर्ट को बताया कि 65 लाख नाम हटाए गए हैं, जो एक 'सामूहिक बहिष्करण' है।

चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने इन आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक ड्राफ्ट रोल है और इतने बड़े अभ्यास में कुछ छोटी-मोटी गलतियाँ हो सकती हैं, लेकिन यह कहना सही नहीं है कि मृत लोग जीवित हैं।

जस्टिस जॉयमाला बागची ने कहा कि अगर ड्राफ्ट रोल से पहले की तैयारी के कदम सही से फॉलो नहीं किए गए हैं, तो यह एक गंभीर मामला है। कोर्ट ने कहा कि गलत तरीके से हटाए गए लोगों के नामों को सुधारा जाएगा।कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि क्या उनके आरोप सिर्फ 'कल्पना मात्र' हैं या उनका कोई जमीनी आधार है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अगर 7.9 करोड़ में से 7.24 करोड़ मतदाताओं ने जवाब दिया है, तो यह 'करोड़ों लोगों के गायब होने' के आरोप को खारिज करता है।

सिब्बल ने बताया कि बिहार के बहुत से लोगों के पास वो दस्तावेज नहीं हैं, जो इस प्रक्रिया में मांगे जा रहे हैं, जैसे कि जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट। इस पर जस्टिस कांत ने कहा कि नागरिकता साबित करने के लिए कुछ तो होना ही चाहिए।

अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में संशोधन की पूरी व्यवस्था को उलट रहा है। उन्होंने कहा कि संशोधन की आड़ में वे नागरिकता साबित करने का बोझ नागरिकों पर डाल रहे हैं, जो कि कानून के खिलाफ है। अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने कभी भी यह नहीं बताया कि किन 65 लाख लोगों को हटाया गया और क्यों। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ ने 'अनुशंसित/अनुशंसित नहीं' की सूची बनाई है, और 10-12% मतदाताओं को बिना किसी आधार के 'अनुशंसित नहीं' कर दिया गया है।

आधार, पैन और वोटर आईडी नागरिकता का सबूत नहीं : बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

अगर आप सोचते हैं कि आधार, पैन या वोटर आईडी कार्ड होने से आप स्वतः ही भारतीय नागरिक बन जाते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई के दौरान साफ किया है कि ये दस्तावेज नागरिकता का प्रमाण नहीं हो सकते।

यह टिप्पणी बांग्लादेश के एक नागरिक की जमानत याचिका से जुड़े मामले में की गई, जिसने इन दस्तावेजों के आधार पर खुद को भारतीय साबित करने की कोशिश की थी।

जस्टिस अमित बोरकर की बेंच ने बांग्लादेशी नागरिक अब्दुल रऊफ सरदार को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम 1955 का हवाला देते हुए कहा कि अधिनियम में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि कौन व्यक्ति भारतीय नागरिक हो सकता है और नागरिकता कैसे प्राप्त की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि महज आधार, पैन और वोटर आईडी कार्ड होना किसी व्यक्ति को नागरिकता का पात्र नहीं बनाता।

नागरिकता अधिनियम का दिया हवाला

सुनवाई के दौरान, अब्दुल के वकील ने कोर्ट के सामने उसके पास मौजूद भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड का जिक्र किया।

वकील ने तर्क दिया कि ये सभी दस्तावेज एक भारतीय नागरिक होने के लिए पर्याप्त हैं। हालांकि, कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि ये दस्तावेज नागरिकता के लिए कानूनी प्रमाण नहीं हैं।

इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए, इन कार्डों के अलावा, अन्य कानूनी सबूतों की आवश्यकता होती है।

सीएजी की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

3.69 लाख करोड़ के उपकर फंड का हस्तांतरण नहीं

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है कि केंद्र सरकार ने 2023-24 तक 3.69 लाख करोड़ का उपकर संग्रह उन विशिष्ट फंडों में ट्रांसफर नहीं किया, जिनके लिए इसे जमा किया गया था। उपकर एक अतिरिक्त कर होता है जो किसी खास उद्देश्य के लिए लगाया जाता है। यह कमी 1974 में लगाए गए उपकरों के समय से चली आ रही है, जो कई सरकारों की अनदेखी को दर्शाती है।

12 अगस्त, 2025 को संसद में पेश की गई 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, सीएजी को निवेशक शिक्षा और संरक्षण, राष्ट्रीय राजमार्गों के मुद्रीकरण, तेल उद्योग के विकास, और स्वास्थ्य व शिक्षा से जुड़े फंडों में बड़े अंतर मिले हैं।

सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में बताया, 31 मार्च 2024 तक, हमारी जांच में पाया गया कि निर्दिष्ट आरक्षित फंडों में 3,69,307 करोड़ का कम हस्तांतरण हुआ है।

हस्तांतरण में इस कमी का सबसे बड़ा कारण तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) था। 1974 में, तेल उद्योग के विकास के लिए कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर उपकर लगाया गया था।

सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, 1974-75 से 2023-24 तक, सरकार ने कच्चे तेल पर 2,94,850.56 करोड़ का उपकर जमा किया।

लेकिन, इसमें से ओआईडीबी को केवल 902.40 करोड़ ही ट्रांसफर किए गए, और 1991-92 के बाद से कोई भी फंड ट्रांसफर नहीं हुआ।

इसका मतलब है कि सरकार ने 2.9 लाख करोड़ रुपये जमा किए, लेकिन संबंधित फंड में केवल 0.3% ही ट्रांसफर किया गया।

सीएजी को दिए गए जवाब में वित्त मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने 2024-25 से 'तेल उद्योग विकास कोष' का गठन करने का फैसला किया है। 2024-25 में 17,730 करोड़ और 2025-26 में 19,376 करोड़ ट्रांसफर करने का बजट रखा गया है।

स्वास्थ्य और शिक्षा उपकर भी उन फंडों में से है जहाँ पर्याप्त हस्तांतरण नहीं हुआ है।

2004 से शिक्षा उपकर और 2018 से स्वास्थ्य व शिक्षा उपकर लगाया गया था।

इनसे होने वाली कमाई को प्रारंभिक शिक्षा कोष (पीएसके), माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा कोष (एमयूए के), और प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा निधि (पीएमएसएसएन) में ट्रांसफर किया जाना था।

सीएजी के विश्लेषण में पाया गया कि 2018-19 से 2023-24 तक, केंद्र सरकार ने इन फंडों में कुल 37,537 करोड़ ट्रांसफर नहीं किए। हालाँकि, वित्त मंत्रालय ने कहा कि उसने इस अवधि के दौरान इन फंडों में 3.66 लाख करोड़ ट्रांसफर किए थे, जो उपकर से प्राप्त राशि से अधिक था। लेकिन, सीएजी ने सरकारी वित्तीय खातों का हवाला देते हुए बताया कि असल में केवल 2.65 लाख करोड़ ही ट्रांसफर किए गए थे।

इसके अलावा, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में 2,505.5 करोड़ और राष्ट्रीय राजमार्ग मुद्रीकरण निधि में 5,968.1 करोड़ की कमी पाई गई।

ओड़ीशा, पंजाब, आंध्र प्रदेश में 4 नयी सेमीकंडक्टर कारखाना परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र ने चार नए सेमीकंडक्टर कारखाने स्थापित करने के लिए कुल 4600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंगलवार को मंजूरी दी।भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत स्वीकृत ये परियोजनाएं सिकसेम, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज (एएसआईपी) टेक्नोलॉजीज की ओर से रखी गयी हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि इनमें से दो सेमीकंडक्टर कारखाने ओड़ीशा और एक-एक पंजाब और आंध्र प्रदेश में स्थापित किए जाएंगे। सिकसेम और 3डी ग्लास की स्थापना ओडिशा में, सीडीआईएल की परियोजना पंजाब में और एएसआईपी आंध्र प्रदेश में स्थापित की जाएगी।

श्री वैष्णव ने कहा, भारत सेमीकंडक्टर मिशन: भारत के कंपाउंड सेमीकंडक्टर और उन्नत पैकेजिंग क्षेत्र में आगे बढ़ने के साथ गति और बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में गति बढ़ रही है और छह स्वीकृत परियोजनाएँ पहले से ही कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।उन्होंने बताया कि इन चार परियोजनाओं में लगभग 4,600 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधाएँ स्थापित होंगी । इनमें 2034 कुशल पेशेवरों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इससे देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा इस तरह उस क्षेत्र में रोज़गार सृजित होंगे।

आज इन चार और स्वीकृतियों के साथ, भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत छह राज्यों में 10 सेमीकंडक्टर कारखानों में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये का संचयी निवेश होगा। ▶10पर

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की कोई योजना नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया में चल रहे दावों के विपरीत, केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उसकी कोई योजना नहीं है। यह मुद्दा संसद में उठा, जब उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस संबंध में सवाल पूछा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा, सरकार का गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का कोई इरादा नहीं है।

सरकार ने इस मुद्दे पर संवैधानिक कारणों का हवाला दिया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246(3) के अनुसार, विधायी शक्तियों के बंटवारे के तहत पशुओं का संरक्षण राज्य सूची का विषय है। इसका मतलब है कि इस पर कानून बनाने का अधिकार सिर्फ राज्य विधानसभाओं के पास है, केंद्र सरकार के पास नहीं। इसलिए, केंद्र सरकार सीधे कानून बनाकर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित नहीं कर सकती। इसके अलावा, राज्यों में पशुपालन की स्थिति, सांस्कृतिक मान्यताएं और आर्थिक जरूरतें अलग-अलग हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई फैसला लेने से राज्यों के अधिकारों से टकराव हो सकता है। वर्तमान में, भारत का राष्ट्रीय पशु रॉयल बंगाल टाइगर है। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर फिलहाल नहीं लगेगी रोक

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों को फिलहाल के लिए बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि ऐसे वाहनों के मालिकों के खिलाफ फिलहाल कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने यह निर्देश दिया। यह फैसला दिल्ली सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आग्रह पर आया, जिन्होंने कोर्ट से कहा कि इन वाहनों के मालिकों पर कोई जबरदस्ती कार्रवाई न की जाए। कोर्ट ने इस

मामले में नोटिस जारी करते हुए चार हफ्तों के भीतर जवाब मांगा है। इसी बीच, अदालत ने आदेश दिया कि 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कदम न उठाया जाए। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी जिसमें कहा गया था कि इन वाहनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है। सरकार का तर्क था कि प्रतिबंध के कारण लोगों के पास अपने पुराने वाहन बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं ▶10पर

एससी ने उम्रकैद की सजा पूरी कर चुके कैदियों की तत्काल रिहाई का आदेश दिया

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा काट रहे कैदियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मंगलवार को, कोर्ट ने उन सभी कैदियों की तत्काल रिहाई का आदेश दिया है, जिनकी उम्रकैद की सजा किसी निश्चित समय-सीमा (जैसे 20 साल) के लिए तय की गई थी और वे अपनी सजा पूरी कर चुके हैं।

यह फैसला नीतीश कटारा हत्याकांड के आरोपी सुखदेव पहलवान की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। ▶10पर

न्यायमूर्ति वर्मा पर महाभियोग को लेकर बिरला ने गठित की तीन सदस्यीय जांच समिति

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

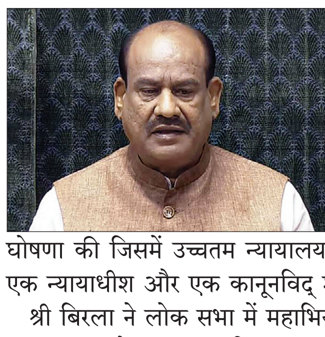

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की जिसमें उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के एक-एक न्यायाधीश और एक कानूनविद् शामिल हैं।

श्री बिरला ने लोक सभा में महाभियोग प्रस्ताव को लेकर सदन को अवगत कराते हुए कहा कि इस समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनीन्द्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। समिति से जांच रिपोर्ट मिलने तक यह प्रस्ताव लंबित रहेगा।

उन्होंने समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा से पहले कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए एक प्रस्ताव है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्मा को उनके कदाचार के लिए उनको हटाने का प्रस्ताव मिला था। ▶10पर

पीएम मोदी ने 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत की खगोल विज्ञान विरासत को सराहा

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

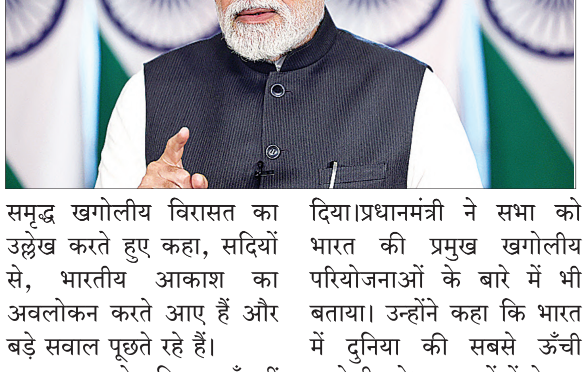

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 18वें अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड के दौरान देश को संबोधित किया। उन्होंने इस आयोजन को परंपरा का नवाचार से, आध्यात्मिकता का विज्ञान से, जिज्ञासा का रचनात्मकता से मिलन बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 64 देशों से आए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, 64 देशों के 300 से अधिक होनहार सितारों से जुड़कर खुशी हो रही है। मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। उन्होंने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि भारत में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड का आयोजन होना परंपरा, नवाचार, आध्यात्मिकता और विज्ञान का संगम है। मोदी ने भारत की समृद्ध खगोलीय विरासत का उल्लेख करते हुए कहा, सदियों से, भारतीय आकाश का अवलोकन करते आए हैं और बड़े सवाल पूछते रहे हैं।

उदाहरण के लिए, पाँचवीं शताब्दी में, आर्यभट्ट ने शून्य का आविष्कार किया था। वह यह कहने वाले पहले व्यक्ति भी थे कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है। सचमुच, उन्होंने शून्य से शुरुआत की और इतिहास रच दिया।प्रधानमंत्री ने सभा को भारत की प्रमुख खगोलीय परियोजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया की सबसे ऊँची खगोलीय वेधशालाओं में से एक लद्दाख में है, जो समुद्र तल से 4,500 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। उन्होंने पुणे में स्थित जाइंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप का भी जिक्र किया, जो दुनिया के सबसे संवेदनशील रेडियो टेलीस्कोप में से एक है और पल्सर और आकाशगंगाओं के रहस्यों को सुलझाने में मदद कर रहा है। मोदी ने बताया कि भारत स्क्वायर किलोमीटर ऐरे और लीगो इंडिया जैसी वैश्विक मेगा-साइंस परियोजनाओं में योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा, हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाले पहले देश थे।

न्होंने सूर्य का अध्ययन करने के लिए भेजे गए आदित्य-एल1 मिशन का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन शुभ्रांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ऐतिहासिक मिशन को पूरा करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह सभी भारतीयों के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण था और आप जैसे युवा खोजकर्ताओं के लिए प्रेरणा है।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जन स्वास्थ्य में नए युग का सूत्रपात : मोदी

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है।

श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल रोग मुक्त बनाने के लक्ष्य से जुड़ी ऐतिहासिक पहल पर मंगलवार को केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए यह बात कही।

दरअसल श्री नड्डा ने सिकल सेल रोग के बारे में सोशल मीडिया पर अपना लेख पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पीएमओ इंडिया के हैंडल से इसकी प्रतिक्रिया में एक पोस्ट में कहा गया है, भारत का राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है।

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2047 तक सिकल सेल रोग मुक्त भारत के लक्ष्य से जुड़ी इस ऐतिहासिक पहल पर लेख लिखा है, उनके विचारों को अवश्य पढ़ा जाना चाहिए!

इवेंट में सबके सामने नरगिस ने वैजयंतीमाला को खंभा कहा था!

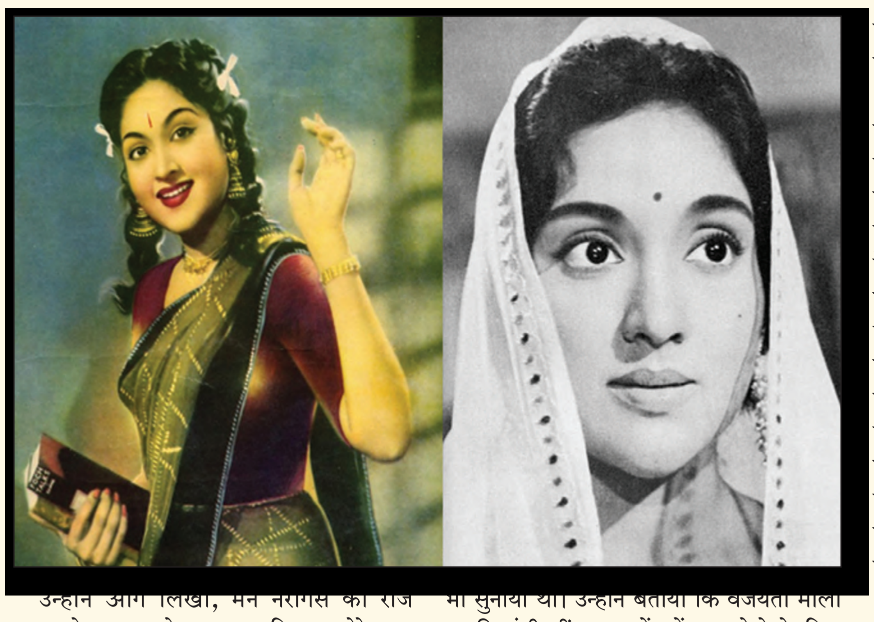

भारतीय सिनेमा की चमकती हुई कई कहानियों के बीच कुछ ऐसे किस्से भी होते हैं जो पर्दे के पीछे छुपे संघर्ष, जादुई कहानी और सच्चाई को उजागर करते हैं। वैजयंतीमाला, जो 50-60 के दशक की सबसे लोकप्रिय एक्ट्रेस में से एक थीं, केवल अपनी अदाकारी और नृत्य कला के लिए ही नहीं बल्कि अपनी सादगी के लिए भी जानी जाती हैं। जिस समय उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा था, उस वक्त सुरैया, नरगिस और राज कपूर जैसे टॉप स्टार्स का बोलबाला हुआ करता था। ऐसे में अपनी पहचान बनाना बिल्कुल भी आसान नहीं था। एक्ट्रेस ने अपनी आत्मकथा 'बॉन्डिंग: एक मेमोयर' में नरगिस से अपनी एक मुलाकात का जिक्र किया, जो दिल्ली के एक इवेंट में हुई थी। अपनी आत्मकथा में वैजयंतीमाला बाली ने लिखा, राज कपूर, नरगिस, सुरैया और अन्य कई कलाकार इस इवेंट में मौजूद थे। पहली बार, मैं फिल्म बिरादरी का हिस्सा बनी थी और उनके साथ बातचीत की। हे भगवान! इतने महान सितारों के बीच देखा जाना अविश्वसनीय था। इस दौरान मेरा सामना कुछ कड़वे सच से भी हुआ। लोगों से बातचीत के बाद हमें ग्रुप फोटोग्राफ के लिए पोज देना था। बहुत सारे लोग दौड़ते हुए आए और मुझसे ऑटोग्राफ मांगने लगे।

उन्होंने आगे लिखा, मैंने नरगिस को राज कपूर से यह कहते हुए सुना कि वह मेरे पास जाएं और मुझे ऑटोग्राफ न देने के लिए कहें। उन्होंने उनकी बात मानी और सीधा मेरे पास उनका संदेश लेकर आ गए। मैंने सिर्फ सिर हिला दिया, लेकिन मैं इस व्यवहार से काफी हैरान थी। यह राज और नरगिस के साथ मेरी पहली मुलाकात थी।''

यह किस्सा अन्नू कपूर ने अपने एक शो में सुनाया था। उन्होंने बताया कि वैजयंती माला काफी लंबी थीं। जब इवेंट में ग्रुप फोटो के लिए सभी खड़े थे, तभी नरगिस ने वैजयंती माला को देखकर कहा, वैजयंती बहुत लंबी है, एकदम खंभे, पेड़ की तरह है। ये सुनकर उनकी आंखों में आंसू आ गए और उस ग्रुप फोटोग्राफ में वह अपने घुटने मोड़कर खड़ी हो गईं। वह घर गईं तो काफी उदास थीं। तब उनकी मां ने उन्हें समझाया कि तुम किसी की बात पर ध्यान न दो, अपना काम ईमानदारी से करती जाओ। तुम्हारा काम ही उन लोगों को तुम्हारा जवाब होगा।

और ऐसा हुआ भी। 13 अगस्त 1936 को मद्रास (अब चेन्नई) में जन्मी वैजयंतीमाला ने नागिन, देवदास, मधुमती,संगम, और साधना जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया और दर्शकों के बीच अपनी खास जगह बनाई। देवदास में उन्होंने चंद्रमुखी का किरदार निभाया, जिसे करने से नरगिस, बीना रॉय, और मीना कुमारी तक ने मना कर दिया था। इस किरदार के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें लगा कि यह अवॉर्ड सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए नहीं बल्कि लीड एक्ट्रेस के लिए होना चाहिए। उनके फिल्मी करियर में उन्हें पांच फिल्मफेयर अवॉर्ड और 1968 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वैजयंतीमाला ने फिल्मों में सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि कोरियोग्राफर और प्रोड्यूसर के तौर पर भी अपना योगदान दिया। 1982 में उन्होंने तमिल फिल्म 'कथोदुथन नान पेसुवेन' का सह-निर्माण किया। इसके अलावा, उन्होंने 1984 में राजनीति में भी कदम रखा और सांसद बनीं। बाद में उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा और तमिलनाडु की राजनीति में सक्रिय रहीं।

जन्माष्टमी से पहले श्रेया घोषाल का ओ कान्हा रे गीत रिलीज

15-16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी है, जिसकी दुनिया भर में धूम है। इस बीच प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल ने अपना नया गीत 'ओ कान्हा रे' जारी कर दिया है। गायिका ने बताया कि यह गीत राधा और कृष्ण के बीच के पवित्र बंधन को समर्पित है। श्रेया की मधुर और भावपूर्ण आवाज में यह गीत भक्ति, प्रेम और कान्हा के शरारत का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

गीत के बोल सावेरी वर्मा ने लिखे हैं, जबकि संगीत श्रेयस पौराणिक ने दिया है। गीत में एक गोपी की शिकायतें, प्रेम, भक्ति और कृष्ण की शरारत को खूबसूरत तरीके से पेश किया गया है। श्रेया की आवाज में प्रेम और विरह की भावनाओं दोनों का पुट है। यह गीत लोक परंपरा में रचा-बसा है, जिसमें आधुनिक संगीत का हल्का स्पर्श भी है, जो इसे और भी खास बनाता है।

श्रेया ने गीत के बारे में बताया, मैं फिल्मी और नॉन-फिल्मी म्यूजिक पर काम कर रही थी, लेकिन मुझे एक भक्ति गीत बनाने की इच्छा हुई। जन्माष्टमी के लिए मैंने राधा-कृष्ण को समर्पित यह गीत बनाया। यह मेरी संगीतमय पुष्पांजलि है, जिसे मैं भगवान कृष्ण के चरणों में अर्पित करना चाहती थी। कृष्ण मेरे लिए प्रेम और भक्ति का प्रतीक हैं। उनकी कहानियां मेरे दिल को सुकून देती हैं और मुझे नई ऊर्जा प्रदान करती हैं।उन्होंने आगे कहा कि यह गीत उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी संगीतमय यात्रा के साथ-साथ एक मां के रूप में उनकी भावनाओं को भी दिखाता है। वह अपने बच्चे के साथ कृष्ण की कहानियों को साझा करती हैं।'ओ कान्हा रे' प्रेम, विरह, भक्ति और शरारत का सुंदर मिश्रण है। श्रेया ने अपने प्रशंसकों से कहा, आपका प्यार मेरे लिए अनमोल है। इस जन्माष्टमी, आइए राधा-कृष्ण के अनंत प्रेम को संगीत, नृत्य और उत्सव के साथ मनाएं।गीत का ऑडियो सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है, जबकि इसका म्यूजिक वीडियो मंगलवार को देर से रिलीज होगा।

गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल के 5 साल पूरे, शरण शर्मा बोले- कहानी बेहद खास

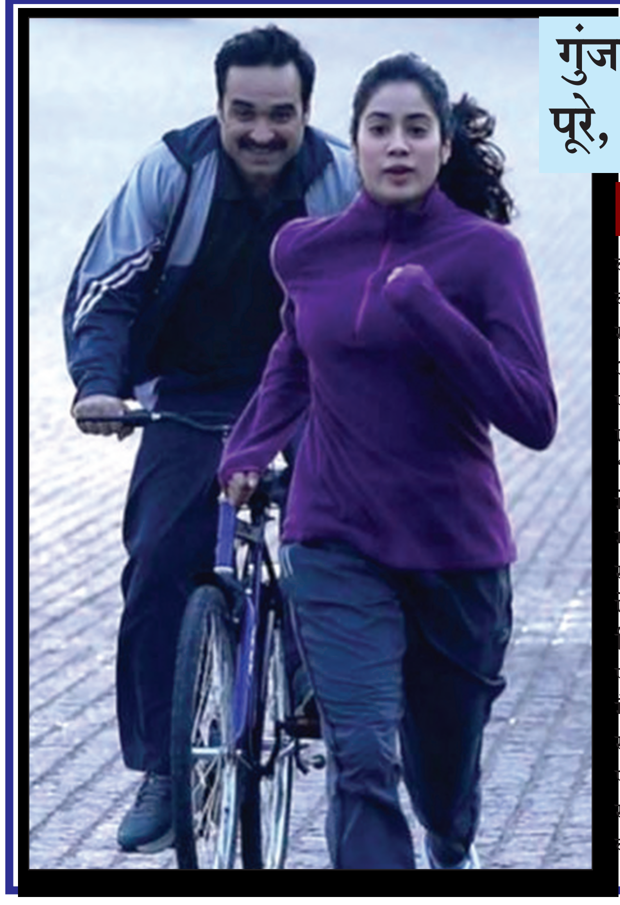

फिल्म 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' को रिलीज हुए 5 साल पूरे हो गए हैं। निर्देशक शरण शर्मा ने फिल्म अपने दिल के करीब बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी एक सीन की तस्वीर को पोस्ट करते हुए बताया कि यह कहानी हमेशा उनके लिए खास रहेगी। निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर को शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री जान्हवी कपूर दौड़ती नजर आ रही हैं, जबकि अभिनेता पंकज त्रिपाठी साइकिल पर उनके पीछे हैं। यह तस्वीर फिल्म का एक यादगार सीन है। शरण ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' के 5 साल पूरे... यह कहानी मेरे दिल में हमेशा खास रहेगी। इसकी यादें मुझे खुशी देती हैं। मासूमियत भरे पल, मेहनती और ईमानदार कलाकारों और क्रू का साथ, जो बिना किसी अहंकार के पैशन के साथ काम कर रहे थे। ऐसा लगता था जैसे कोई स्टूडेंट फिल्म बना रहा हो। हमें ऐसे निर्माताओं का साथ मिला, जिन्हें हमारी कहानी और हम पर पूरा भरोसा था। इस सफर का हिस्सा रहे सभी लोगों का मैं हमेशा आभारी रहूंगा।'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' साल 2020 में रिलीज हुई थी। यह न केवल एक महिला पायलट की उपलब्धियों को दिखाती है, बल्कि जेंडर संबंधित भेदभाव को तोड़ने और सपनों को पूरा करने की कहानी को भी खूबसूरती से बयां करती है।

बागी 4 के धमाकेदार टीज़र में सोनम बाजवा ने मर्दों को दी बराबरी की टक्कर

बागी 4 का टीज़र आ चुका है, और भले ही एक्शन धमाकेदार हो, लेकिन टीज़र में जिसने सबका दिल और ध्यान खींचा है, वो हैं सोनम बाजवा।

पहली बार एक्शन-ज़ोन में कदम रखते हुए, सोनम पूरे पावरहाउस अंदाज़ में नज़र आ रही हैं - टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त और हरनाज़ संधू जैसे सितारों के साथ हाई-वोल्टेज वाइब में बराबरी से खड़ी। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि बागी फ्रेंचाइज़ी में पहली बार कोई हीरोइन इतनी ज़बरदस्त और हिंसक अवतार में दिख रही है - मर्दों के साथ मुक्का दर मुक्का, लात दर लात मिलाकर।

हाउसफुल 5 से बॉलीवुड डेब्यू और पंजाबी फिल्म गोड्डे गोड्डे चा की नेशनल अवॉर्ड-विजेता सफलता के बाद, सोनम ने साबित कर दिया है कि मसाला एंटरटेनर्स से लेकर दमदार महिला-केंद्रित फिल्मों तक - हर जॉनर में चमक सकती हैं। अब बागी 4 के साथ, वो एक्शन सिनेमा में धमाकेदार एंट्री मार रही हैं और टीज़र के हर फ्रेम पर कब्ज़ा कर रही हैं। फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि 5 सितंबर को थिएटर्स में उनका ये नया अवतार देखने को मिले।

नोरा फतेही का ओ मामा! टेटेमा का बीटीएस में झलकती है नोरा फतेही की परफेक्शन, पावर और पैशन की झलक

नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनकी वैश्विक लोकप्रियता का कोई मुकाबला नहीं। उनकी हालिया रिलीज़, 'ओ मामा! टेटेमा,' जो तंज़ानियाई सुपरस्टार रेवान्नी के साथ किया गया एक जबरदस्त इंडो-अफ्रीकन कोलैबोरेशन-दुनियाभर में यूट्यूब के ट्रेंडिंग चार्ट्स पर छाया हुआ है। गाने का हर फ्रेम एक विज़ुअल ट्रीट है। ट्राइबल-प्रेरित फैशन को मॉडर्न हाई-फैशन ट्विस्ट के साथ पहनकर, नोरा फतेही स्क्रीन पर शक्ति, आकर्षण और रहस्य की मिसाल बनकर उभरती हैं। सिनेमैटोग्राफी में मिट्टी के रंग, शानदार लोकेशन्स और भव्य सेट डिज़ाइन्स हर सीन को एक कलाकृति बना देते हैं।

प्रसिद्ध कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह परफॉर्मेंस अफ्रीकी बीट्स, भारतीय अंदाज़ और नोरा के हाई-एनर्जी मूव्स का ऐसा मेल है, जो इस गाने की ग्लोबल आत्मा को दर्शाता है। पर्दे के पीछे की मेहनत, कठिन रिहर्सल और परफेक्ट कोरियोग्राफी यह दिखाते हैं कि इन ऊर्जा से भरपूर डांस मूव्स को तैयार करने में कितनी बारीकी और समर्पण लगा है। टी-सीरीज़ द्वारा प्रोड्यूस किया गया यह हाई-एनर्जी ट्रैक हिंदी, इंग्लिश और स्वाहिली का जीवंत फ्यूज़न है।

नोरा ने न सिर्फ इसमें परफॉर्म किया है, बल्कि इस गाने को लिखा और गाया भी है-श्रेया घोषाल की सोलफुल आवाज़ और रेवान्नी की अफ्रीकी बोंगो एनर्जी के साथ। उनकी आवाज़ और लेखनी इस गाने को एक नया, आकर्षक आयाम देती है, जो उनकी स्क्रीन पर मौजूद एनर्जी से पूरी तरह मेल खाता है, और प्रशंसकों को बार-बार सुनने पर मजबूर कर देता है।

'ओह मामा! टेटेमा' इस समय कनाडा, कतर, और यूके में 1 पर ट्रेंड कर रहा है, और यूएई, कुवैत, सऊदी अरब, मोरक्को समेत कई देशों में टॉप रैंकिंग में है। यह सिर्फ एक हिट गाना नहीं, बल्कि यह इस बात का सबूत है कि नोरा फतेही आज एक सच्ची ग्लोबल म्यूज़िक फोर्स हैं-जो संस्कृतियों के बीच की दूरियों को मिटा रही हैं और पूरी दुनिया को अपना दीवाना बना रही हैं।

घर-परिवार की सुख समृद्धि और सौभाग्य की कामना का पर्व है ऊब छठ

भाद्रपद महीने की कृष्ण पक्ष की छठ (षष्ठी तिथि) ऊब छठ होती है। ऊब छठ को चन्दन षष्ठी, चानन छठ और चंद्र छठ के नाम से भी जाना जाता है। वहीं देश की कई राज्यों में इस दिन को हलषष्ठी के रूप में मनाई जाती है।माना जाता है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम का जन्म हुआ था और उनका शस्त्र हल था इसलिए इस दिन को हलषष्ठी भी कहा जाता है। वहीं कई जगह इस दिन को चंदन षष्ठी के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार षष्ठी तिथि 14अगस्त को है और इसी दिन ऊब छठ पर्व होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि भगवान कृष्ण के बड़े भ्राता बलराम का जन्म दिवस (चंद्र षष्ठी पर्व) 14 अगस्त को ऊब छठ के रूप में मनाया जाएगा। सुहागिनें घर-परिवार की सुख समृद्धि और सौभाग्य की कामना के लिए सूर्यास्त बाद चंदनयुक्त जल सेवन कर व्रत का संकल्प लेंगी। संकल्प के बाद निरंतर चन्द्रोदय तक खड़े रहकर उपासना एवं पौराणिक कथाओं का श्रवण करेंगी। ऊब छठ का व्रत और पूजा विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए तथा कुंआरी लड़कियां अच्छे पति कामना में करती है। भाद्र पद महीने की कृष्ण पक्ष की छठ (षष्ठी तिथि) ऊब छठ होती है। ऊब छठ के दिन मंदिर में भगवान की पूजा की जाती है। चाँद निकलने पर चाँद को अर्ध्य दिया जाता है। उसके बाद ही व्रत खोला जाता है। सूर्यास्त के बाद से लेकर चाँद के उदय होने तक खड़े रहते है। इसीलिए इसको ऊब छठ कहते है।

महिलाएं और युवतियाँ पूरे दिन उपवास रखती है। शाम को दुबारा नहाती है और नए कपड़े पहनती है। मंदिर जाती है। वहाँ भजन करती है। चन्दन घिसकर टीका लगाती है। कुछ लोग लक्ष्मी जी और और गणेश जी की पूजा करते है। कुछ अपने इष्ट की। भगवान को कुमकुम और चन्दन से तिलक करके अक्षत अर्पित करते है। सिक्का , फूल , फल , सुपारी चढ़ाते है। दीपक , अगरबत्ती जलाते है। फिर हाथ में चन्दन लेते है। कुछ लोग चन्दन मुँह में रखते है। इसके बाद ऊब छट व्रत की कहानी सुनते है और गणेशजी की कहानी सुनते है। इसके बाद पानी भी नहीं पीते जब तक चाँद न दिख जाये। इसके अलावा बैठते नहीं है। खड़े रहते है। चाँद दिखने पर चाँद को अर्घ्य दिया जाता है। चाँद को जल के छींटे देकर कुमकुम , चन्दन , मोली , अक्षत चढ़ाएं। भोग अर्पित करें। जल कलश से जल चढ़ायें। एक ही जगह खड़े होकर परिक्रमा करें। अर्ध्य देने के बाद व्रत खोला जाता है। लोग व्रत खोलते समय अपने रिवाज के अनुसार नमक वाला या बिना नमक का खाना खाते है।

षष्ठी तिथि

पंचांग के अनुसार, षष्ठी तिथि 14 अगस्त को सुबह 4:23 बजे शुरू होगी और 15 अगस्त को सुबह 2:07 बजे खत्म होगी। कोई भी व्रत उदया तिथि के आधार पर रखा जाता है, इसलिए हलषष्ठी 14 अगस्त को मनाई जाएगी। यह त्योहार रक्षाबंधन के 6 दिन बाद और जन्माष्टमी से पहले आता है।

पूजन सामग्री

कुमकुम, चावल, चन्दन, सुपारी, पान, कपूर, फल, सिक्का, सफ़ेद फूल, अगरबत्ती, दीपक।

पूजा विधि

स्त्रियां इस दिन पूरे दिन का उपवास रखती है। शाम को दुबारा स्नान कर स्वच्छ और नए कपड़े पहनती है। कुछ लोग लक्ष्मी जी और और गणेश जी की पूजा करते है और कुछ अपने इष्ट की। चन्दन घिसकर भगवान को चन्दन से तिलक करके अक्षत अर्पित करते है। सिक्का, फूल, फल, सुपारी चढ़ाते है। दीपक, अगरबत्ती जलाते है। फिर हाथ में चन्दन लेते है। कुछ लोग चन्दन मुँह में भी रखते है। इसके बाद ऊब छट व्रत और गणेशजी की कहानी सुनते है। मंदिर जाकर भजन करती है। इसके बाद व्रती जब तक चंद्रमा जी न दिख जाये, जल भी ग्रहण नही करती और ना ही नीचे बैठती है। ऊब छठ के व्रत का नियम है कि जब तक चांद नहीं दिखेगा तब तक महिलाओं को खड़े रहना पड़ता है। व्रती मंदिरों में ठाकुरजी के दर्शन कर पूजा अर्चना करके परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करती हैं और खड़े रहकर पौराणिक कथाओं का श्रवण करती हैं। चंद्रोदय पर चाँद को अर्ध्य देकर पूजा-अर्चना की जाती है। चाँद को जल के छींटे देकर कुमकुम, चन्दन, मोली, अक्षत और भोग अर्पित करते हैं। कलश से जल चढ़ायें। एक ही जगह खड़े होकर परिक्रमा करें। अर्ध्य देने के बाद व्रत का पालना करती है। लोग व्रत खोलते समय अपने मान्यता के अनुसार नमक वाला या बिना नमक का खाना खाते है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ऊब छठ व्रत कथा

ऊब छठ का व्रत और पूजा करते समय ऊब छठ व्रत कथा सुनते है, जिससे व्रत का पूरा फल प्राप्त हो सके।

किसी गांव में एक साहूकार और इसकी पत्नी रहते थे। साहूकार की पत्नी रजस्वला होने पर भी सभी प्रकार के काम कर लेती थी। रसोई में जाना, पानी भरना, खाना बनाना, सब जगह हाथ लगा देती थी। उनके एक पुत्र था। पुत्र की शादी के बाद साहूकार और उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई।

अगले जन्म में साहूकार एक बैल के रूप में और उसकी पत्नी कुतिया बनी। ये दोनों अपने पुत्र के यहाँ ही थे। बैल से खेतों में हल जुताया जाता था और कुतिया घर की रखवाली करती थी। श्राद्ध के दिन पुत्र ने बहुत से पकवान बनवाये। खीर भी बन रही थी। अचानक कही से एक चील जिसके मुँह में एक मरा हुआ साँप था, उड़ती हुई वहाँ आई। वो सांप चील के मुँह से छूटकर खीर में गिर गया। कुतिया ने यह देख लिया। उसने सोचा इस खीर को खाने से कई लोग मर सकते है। उसने खीर में मुँह अड़ा दिया ताकि उस खीर को लोग ना खाये। पुत्र की पत्नी ने कुतिया को खीर में मुँह अड़ाते हुए देखा तो गुस्से में एक मोटे डंडे से उसकी पीठ पर मारा। तेज चोट की वजह से कुतिया की पीठ की हड्डी टूट गई। उसे बहुत दर्द हो रहा था। रात को वह बैल से बात कर रही थी।

उसने कहा तुम्हारे लिए श्राद्ध हुआ तुमने पेट भर भोजन किया होगा। मुझे तो खाना भी नहीं मिला, मार पड़ी सो अलग। बैल ने कहा - मुझे भी भोजन नहीं मिला, दिन भर खेत पर ही काम करता रहा। ये सब बातें बहु ने सुन ली और उसने अपने पति को बताया। उसने एक पंडित को बुलाकर इस घटना का जिक्र किया। पंडित में अपनी ज्योतिष विद्या से पता करके बताया की कुतिया उसकी माँ और बैल उसके पिता है। उनको ऐसी योनि मिलने का कारण माँ द्वारा रजस्वला होने पर भी सब जगह हाथ लगाना, खाना बनाना, पानी भरना था। उसे बड़ा दुःख हुआ और माता पिता के उद्धार का उपाय पूछा। पंडित ने बताया यदि उसकी कुँवारी कन्या भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्टी यानि ऊब छठ का व्रत करे। शाम को नहा कर पूजा करे उसके बाद बैठे नहीं। चाँद निकलने पर अर्ध्य दे। अर्ध्य देने पर जो पानी गिरे वह बैल और कुतिया को छूए तो उनका मोक्ष हो जायेगा।

जैसा पंडित ने बताया था कन्या ने ऊब छठ का व्रत किया, पूजा की। चाँद निकलने पर चाँद को अर्ध्य दिया। अर्ध्य का पानी जमीन पर गिरकर बहते हुए बैल और कुतिया पर गिरे ऐसी व्यवस्था की। पानी उन पर गिरने से दोनों को मोक्ष प्राप्त हुआ और उन्हें इस योनि से छुटकारा मिल गया। हे! ऊब छठ माता, जैसे इनका किया वैसे सभी का उद्धार करना। कहानी लिखने वाले और पढ़ने वाले का भला करना। बोलो छठ माता की. जय !!!

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी शिवपुराण कथा के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचने वाले कथाकार

पंडित प्रदीप मिश्रा, एक प्रसिद्ध कथावाचक हैं जिन्होंने अपनी सरल और सुलभ शैली में शिवपुराण कथा सुनाकर लाखों लोगों के बीच एक विशेष पहचान बनाई है। वे मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के सीहोर से आते हैं और उनके कथा आयोजनों में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं। उनकी कथाओं में धार्मिक उपदेशों के साथ-साथ जीवन से जुड़ी व्यावहारिक बातों का भी समावेश होता है, जो लोगों को काफी आकर्षित करता है।

प्रारंभिक जीवन और आध्यात्मिक यात्रा

पंडित प्रदीप मिश्रा का जन्म मध्य प्रदेश के सीहोर में हुआ था। उनका बचपन से ही धर्म और आध्यात्मिकता के प्रति गहरा रुझान था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सीहोर में पूरी की, लेकिन उनकी असली शिक्षा उनकी आध्यात्मिक यात्रा से शुरू हुई। उन्होंने विभिन्न धार्मिक ग्रंथों, विशेष रूप से शिवपुराण का गहन अध्ययन किया। इसी अध्ययन ने उन्हें एक कथावाचक के रूप में अपना जीवन समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

शिवपुराण कथा और रुद्राक्ष महोत्सव

पंडित प्रदीप मिश्रा को विशेष रूप से शिवपुराण कथा के लिए जाना जाता है। उनकी कथाओं का मुख्य केंद्र भगवान शिव की महिमा और उनके जीवन से जुड़े प्रसंग होते हैं। वे कथा के दौरान अक्सर शिवजी से जुड़े छोटे-छोटे और प्रभावी उपाय बताते हैं, जिन्हें उनके भक्त सिहोर वाले बाबा के उपाय के नाम से जानते हैं। ये उपाय रुद्राक्ष, जल, और बेलपत्र जैसी सामान्य चीजों से जुड़े होते हैं और भक्तों का मानना है कि इनसे उनके जीवन की समस्याओं का समाधान होता है।

इसके अलावा, पंडित मिश्रा हर साल 'रुद्राक्ष महोत्सव' का आयोजन करते हैं। इस महोत्सव में वे भक्तों को सिद्ध किए गए रुद्राक्ष वितरित करते हैं। इस आयोजन में लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिससे कई बार व्यवस्था संभालना भी मुश्किल हो जाता है।

पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा कहने की सरल शैली है। वे कथाओं में बहुत ही साधारण भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे हर वर्ग के लोग उनकी बातों को आसानी से समझ पाते हैं। वे जटिल धार्मिक सिद्धांतों को भी कहानियों और उदाहरणों के माध्यम से सरल बनाकर पेश करते हैं। उनकी कथाओं में भक्ति और जीवन प्रबंधन का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है। पंडित प्रदीप मिश्रा आधुनिक युग के उन कथावाचकों में से हैं, जिन्होंने अपनी एक अलग शैली विकसित की है और शिव भक्ति की धारा को लाखों लोगों के घरों तक पहुँचाया है।

श्री शिव महापुराण कथा आज से

पं. प्रदीप मिश्राजी के मुखारविन्द से दि. 13 अगस्त से 17 अगस्त तक श्री शिव महापुराण कथा रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतडा परिवार (फाईनकैब) द्वारा हैदराबाद आयोजित की जा रही है । इस कथा का आयोजन शमशाबाद हाईवे पर स्थित पूरन सन्स् फार्म, गगन पहाड के विशाल प्रांगण में होगा । कथा अपराहन 1-00 बजे आरम्भ होगी एवं 4-00 बजे कथा को विराम दिया जाएगी ।

हलछठ पर संतान सुख और लंबी आयु का वरदान!

हम सभी ने श्रीकृष्ण जी के बड़े भाई बलराम जी के बारे में जरूर सुना होगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलराम जयंती मनाई जाती है, जिसे हलछठ भी कहा जाता है। इसे अलग-अलग जगहों पर पीन्नी छठ, खमर छठ, राधन छठ, चंदन छठ, तिनछठी, ललही छठ और हरछठ के नाम से जाना जाता है।

बलराम जयंती का पर्व रक्षा बंधन के ठीक 6 दिन बाद मनाया जाता है। बलराम जयंती हलछठ का पर्व-14 अगस्त 2025 गुरुवार को मनाया जाएगा। षष्ठी तिथि की शुरुआत 14 अगस्त 2025 को 4 बजकर 23 मिनट पर होगी। वही इसकी समाप्ति 15 अगस्त 2025 को सुबह 2 बजकर 7 मिनट पर होगी।

बलराम जयंती भगवान बलराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य के रूप में मनाई जाती है। पुराणों के मुताबिक श्रावण मास की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को भगवान विष्णु के शेषनाग स्वरूप ने पृथ्वी बलराम के रूप में जन्म लिया था। वे भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई थे। इसके साथ ही धर्म, शक्ति, मर्यादा और वीरता के प्रतीक माने जाते हैं।

बलराम जयंती का महत्व

बलराम जयंती का महत्व मात्र भगवान बलराम के जन्म के रूप में ही नहीं, अपितु इसे शक्ति, धर्म और कर्तव्यनिष्ठा का पर्व भी माना जाता है। मान्यताओं के मुताबिक इस दिन जो भी महिलाएं व्रत करती है, उन्हें संतान सुख की प्राप्ति होती है।

जिन दंपत्तियों को संतान नहीं है, उनके लिए ये व्रत अत्यंत लाभदायक मानी जाती है। साथ ही किसी बालक को कोई रोग-कष्ट हो तो, उस स्थिति में रखने से लाभ मिलता है।

बलराम जयंती पूजा विधि

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए।

संभव हो तो महुआ का दातुन और स्नानादि करना चाहिए।

इसके बाद पूजा स्थल को साफ करें।

पूजा स्थल के पास की दीवार को गोबर से लीपें और भैंस के घी में सिंदूर मिलाकर हलषष्ठी माता का चित्र बनाएं।

इसके बाद पूजा घर के पास मिट्टी का छोटा सा तालाब बनाकर उसे पानी से भर लें।

पलाश की टहनी, कुश और झरबेरी के झाड़ को गांठ बांधकर हरछठ बना लें।

अब इसके बाद चौकी पर मिट्टी से बने गौरी, गणेश, शिव और कार्तिकेय की प्रतिमा स्थापित करें।

पूजा खत्म होने के बाद प्रसाद का वितरण करें।

हलषष्ठी देवी को प्रसाद में भुना हुआ महुआ, धान का लावा, भुना हुआ चना, गेंहू, अरहर अर्पित करना चाहिए।

बलराम जयंती मनाने के लाभ

बलराम जयंती पर विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने से संतान की आयु लंबी होती है।यह व्रत विशेष रूप से माताएं अपने बच्चों की आरोग्यता और उन्नति के लिए की जाती है। मान्यताओं के मुताबिक इस दिन बलराम जी का ध्यान करने से बल, धैर्य और आत्मविश्वास की प्राप्ति होती है।

दांपत्य जीवन में सुख की कामना के लिए भी ये व्रत काफी लाभदायक माना जाता है।

बलराम जयंती का व्रत कैसे करें?

बलराम जयंती के दिन सुबह उठकर स्नान करने के बाद साफ कपड़े।

इसके बाद पूजा घर को गंगाजल से शुद्ध करें और बलराम जी की प्रतिमा को स्थापित करें।

पूजा में फल, हल, मसूल, फूल, अक्षत, रोली, दूर्वा, तुलसी आदि का प्रयोग करें।

बलराम जी को सफेद वस्तुएं अर्पित करना बेहद शुभ मानी जाती है। उन्हें भोग में दूध,दही,मक्खन और चने अर्पित करें। इसके बाद व्रत कथा सुनें और बलराम जी की आरती करें।

व्रत के नियम - बलराम जयंती व्रत के दिन व्रती को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

सात्विक भोजन ग्रहण करें और तामसिक वस्तुओं से दूरी बना लें।

पूजा से पहले और बाद में किसी का अपमान नहीं करें और नहीं ही झूठ बोलें।

दिनभर भगवान बलराम के नाम का जाप करें और उनकी कथाओं को सुनें।

शाम को फिर पूजा करके फलाहार ग्रहण करें।

कुंडली में सूर्य कमजोर होने पर क्या होता है? जानें इसके लक्षण और उपाय!

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सभी नवग्रहों में सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। किसी भी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य जिस घर और जिस स्थिति में होता है, उसके अनुसार ही उसके जीवन पर असर डालता है। कहते हैं कि जिसकी कुंडली में सूर्य बलवान है, उसे समाज में यश और कीर्ति की प्राप्ति होती है। सूर्य के कमजोर होने पर इसके विपरित परिणाम दिखाई देते हैं।सूर्य के कमजोर होने के कई लक्षण दिखाई देते हैं, जो व्यक्ति के जीवन के अलग-अलग पहलुओं नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

सूर्य कमजोर कब होता है?

ज्योतिष के मुताबिक, कुंडली में सूर्य को कमजोर तब माना जाता है, जब वह तुला राशि में नीच का हो या किसी अशुभ ग्रह के साथ युति में हो। इसके अलावा, सूर्य का 6, 8 या 12वें भाव में होना भी इसके कमजोर होने का कारण बनता है। सूर्य के कमजोर होने पर व्यक्ति के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

आत्मविश्वास की कमी:- सूर्य कमजोर होने पर आत्मविश्वास की कमी दिखाई देती है और उन्हें हर काम में डर लगता है।

निर्णय लेने में कठिनाई:- सूर्य कमजोर होने पर व्यक्ति को निर्णय लेने में बहुत मुश्किल होती है।

स्वास्थ्य समस्याएं:- कमजोर सूर्य होने पर सिरदर्द, हृदय रोग, नेत्र रोग और पेट से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

करियर में बाधाएं:- सूर्य कमजोर होने पर सफलता मिलने कठिनाई होती है और नौकरी या व्यवसाय में समस्याएं आती हैं।

पिता के साथ मतभेद:- कमजोर सूर्य वाले व्यक्ति के पिता के साथ संबंध अच्छे नहीं होते हैं और पिता से सहयोग भी नहीं मिलता है।

सम्मान में कमी:- सूर्य कमजोर होने पर व्यक्ति को समाज में सम्मान नहीं मिल पाता है और अक्सर अपमानित होना पड़ता है।

मानसिक परेशानियां:- कमजोर सूर्य होने पर नकारात्मक विचार, गुस्सा और ईर्ष्या जैसी मानसिक परेशानियों हो सकती हैं।

शारीरिक कमजोरी:- कमजोर सूर्य के कारण थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।

त्वचा और बालों की समस्याएं:- कमजोर सूर्य की वजह से त्वचा और बालों में भी समस्याएं हो सकती हैं।

दुर्घटनाओं का खतरा:- कमजोर सूर्य के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

सूर्य कमजोर हो तो क्या करें?

कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कई उपाय बताए गए हैं। सूर्य को मजबूत करने के लिए सूर्य को नियमित रूप से जल चढ़ाएं, सूर्य नमस्कार करें, गायत्री मंत्र का जाप करें, सूर्य देव की पूजा करें, गरीबों को दान करें, पिता का सम्मान करें, रविवार का व्रत करें, आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें और दान-पुण्य आदि करना चाहिए।

संपादकीय

सेना प्रमुखों के खुलासे

भारतीय वायुसेना के एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने खुलासा किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान और एक बड़ा विमान मार गिराए थे। उन्हें करीब 300 किमी. की दूरी से निशाना बनाया गया। यह भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। हमारी सेना ने कमोबेश 2 कमांड एवं कंट्रोल केंद्रों और 6 रडार को भी नष्ट किया था। ये मुरीद और चकलाला में स्थित थे। जैकबाबाद एयरबेस पर हमला कर एफ-16 हैंगर और जो विमान अंदर मौजूद थे, उन्हें भी नष्ट किया। रनवे को तोड़ दिया गया। सुक्कूर में यूएवी हैंगर को भी नष्ट किया। भोलारी में एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम को भी तबाह किया। हमारे पास 5 लड़ाकू विमान मार गिराने के पुख्ता सबूत हैं। एयर चीफ मार्शल ने यह भी खुलासा किया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर वायुसेना ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र पर हमला करने का फैसला लिया, लिहाजा हवाई अड्डे और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया। इन भवनों में ही योजनाएं बनती हैं और उनका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह और थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने ऑपरेशन की सफलता का श्रेय सरकार की स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिया। सेना को खुली छूट दी गई कि समय और जगह के मद्देनजर हमला वे ही तय करें। हम तीनों सेना प्रमुखों ने मिल कर रणनीति तय की। यदि कोई सीमाएं थीं, तो वे हमारी खुद की बनाई हुई थीं। वायुसेना प्रमुख के बाद थलसेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने चेतावनी के तौर पर आगाह किया कि अगला युद्ध जल्द ही हो सकता है। हमें तैयार रहना होगा। यह सिर्फ सेना की ही लड़ाई नहीं होगी, बल्कि पूरे देश को मिल कर लडना होगा। जनरल ने यह भी बताया कि इस समय दुनिया में 56 संघर्ष चल रहे हैं, जिनमें 92 देश शामिल हैं। युद्ध सामान्य तौर पर नहीं होगा, बल्कि दुश्मन एक से अधिक होंगे। बहरहाल 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीन लंबे महीनों के बाद ऐसे बयान चौंकाते हैं। संसद सत्र अभी जारी है। इस मुद्दे पर सदन में लंबी बहस हो चुकी है, जिसका आगाज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। उन्होंने 56 मिनट के भाषण में लगभग यही ब्योरे संसद के सामने रखे थे, जो अब वायुसेना चीफ मार्शल ने सार्वजनिक रूप से रखे हैं। सदन में गृहमंत्री अमित शाह ने भी इस मुद्दे पर लंबा वक्तव्य दिया था, हालांकि उनका फोकस आतंकवाद पर था। प्रधानमंत्री मोदी ने 102 मिनट के लंबे भाषण में आतंकियों के अड्डे मिट्टी में मिलाने, 100 से अधिक आतंकियों को ढेर करने, पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह करने और पाकिस्तान द्वारा भारत पर करीब 1000 मिसाइल और ड्रोन के हमले करने की कोशिशें और उन्हें हवा में ही चूर-चूर करने के खुलासे किए थे। तो फिर वायुसेना प्रमुख के इन खुलासों का औचित्य क्या है? हम न तो सेना को अपमानित कर रहे हैं, न सवाल कर रहे हैं और न ही आलोचना कर रहे हैं। सेना देश के लिए सम्मानित और गौरवमय है, लेकिन कुछ जिज्ञासाएं हैं, क्योंकि भारत में सेना प्रमुखों के ऐसे खुलासों की परंपरा नहीं है। युद्ध के दौरान भी प्रवक्ता के तौर पर डीजीएमओ ही ब्रीफ करते हैं। युद्धविराम के तीन माह बाद अचानक ही कोई सेना प्रमुख संघर्ष के खुलासे नहीं करता। शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के आदेश के बिना सेना प्रमुख ऐसे खुलासे नहीं कर सकते, हम अनुभव के आधार पर कह रहे हैं। जो भी बोला जाना है, वह प्रधानमंत्री कहें अथवा रक्षा मंत्री कहें। क्योंकि अभी संसद सत्र जारी है। संसद के बाहर इतने महत्वपूर्ण खुलासे किए जाते हैं, तो वह संसद का अपमान भी है, क्योंकि हमारे देश में संसद ही सुप्रीम है।

> 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान और एक बड़ा विमान मार गिराए थे। उन्हें करीब 300 किमी. की दूरी से निशाना बनाया गया। यह भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। हमारी सेना ने कमोबेश 2 कमांड एवं कंट्रोल केंद्रों और 6 रडार को भी नष्ट किया था। ये मुरीद और चकलाला में स्थित थे। जैकबाबाद एयरबेस पर हमला कर एफ-16 हैंगर और जो विमान अंदर मौजूद थे, उन्हें भी नष्ट किया। रनवे को तोड़ दिया गया। सुक्कूर में यूएवी हैंगर को भी नष्ट किया। भोलारी में एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम को भी तबाह किया। हमारे पास 5 लड़ाकू विमान मार गिराने के पुख्ता सबूत हैं। एयर चीफ मार्शल ने यह भी खुलासा किया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर वायुसेना ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र पर हमला करने का फैसला लिया, लिहाजा हवाई अड्डे और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया। इन भवनों में ही योजनाएं बनती हैं और उनका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह और थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने ऑपरेशन की सफलता का श्रेय सरकार की स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिया।

भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और समावेशी ऑनलाइन मार्केट की अवधारणा प्रस्तुत की थी

सार्वजनिक मार्केट प्लेस की पारदर्शी दशक यात्रा

उमेश चतुर्वेदी

> प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में इस पोर्टल पर महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, मध्यम और लघु उद्योग, शिल्पकारों, स्थानीय कारीगरों और दिव्यांगजनों समेत पूरे देश के विक्रेताओं और सेवाप्रदाताओं के सशक्तीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

नौ अगस्त की तारीख हमारे इतिहास में अगस्त क्रांति के लिए प्रसिद्ध है। भारत से अंग्रेजी राज को उखाड़ फेंकने वाले निर्णायक 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरूआत इसी दिन हुई। यह तारीख इतिहास में एक और वजह से भी महत्वपूर्ण बन गई है। इसी दिन साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक और सरकारी खरीद में पारदर्शिता की शुरूआत के लिए सरकारी मार्केट प्लेस यानी बाजार की शुरूआत जीईएम यानी गवर्नमेंट इलेक्ट्रॉनिक मार्केट प्लेस शुरू किया। जीईएम का मूल मंत्र है, पारदर्शी, समावेशी और कुशल शासन की आधारशिला। इस ऑनलाइन सार्वजनिक और पारदर्शी बाजार ने नौ साल की आधिकारिक यात्रा पूरी कर ली है और एक दशक की यात्रा के लिए आगे बढ़ चुका है। प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में इस पोर्टल पर महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, मध्यम और लघु उद्योग, शिल्पकारों, स्थानीय कारीगरों और दिव्यांगजनों समेत पूरे देश के विक्रेताओं और सेवाप्रदाताओं के सशक्तीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस पोर्टल या ऑनलाइन बाजार पर विक्रेताओं के लिए जमानती राशि रखने का प्रावधान है। लेकिन अब इस प्रावधान को खत्म कर दिया गया है। मिहिर कुमार के अनुसार, इसकी वजह से विशेषकर छोटे निर्माताओं और कारोबारियों को ज्यादा फायदा होना है। सार्वजनिक और सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। इसी भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और समावेशी ऑनलाइन मार्केट की अवधारणा प्रस्तुत की थी। जीईएम उसी अवधारणा का विस्तार है। इसके कामकाज शुरू करने के बाद केंद्र सरकार के सभी दफ्तरों के लिए इसी पोर्टल के जरिए खरीद अनिवार्य कर दिया गया। अब जीईएम प्रबंधन का जोर राज्य सरकारों की खरीद को भी इसी के जरिए जरूरी बनाने पर है। अपने दसवें साल में राज्यों पर फोकस करने की दिशा में जीईएम प्रबंधन ने तैयारी की है। जीईएम को उम्मीद है कि उनके जरिए हो रही सार्वजनिक खरीद में जिस तरह सार्वजनिक क्षेत्र को बचत हो रही है, उसकी वजह से राज्य सरकारें भी इसकी ओर आकर्षित होंगी। वैसे राज्यों की ओर से इसके जरिए खरीद होने भी लगी है।

हालांकि उसकी मात्रा अभी कम है। जीईएम के जरिए होने वाली खरीद में अब तक एनटीपीसी को जहां करीब दो हजार करोड़ की बचत हुई है, वहीं बैंक ऑफ बड़ोदा को 34 करोड़। इसी तरह भारतीय नौसेना ने भी पंद्रह करोड़ की बचत की है। जीईएम के अधिकारी तो इसे स्वीकार नहीं करते, लेकिन जाहिर है कि यह बचत जहां खरीद में घपले की कमी से हुई है, वहीं सार्वजनिक मार्केट प्लेस पर उपलब्ध ढेरों और गुणवत्तापूर्ण सामानों में मूल्यों को लेकर हुई प्रतिद्वंद्विता की वजह से हुई है। जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार के अनुसार, इस ऑनलाइन मार्केट प्लेस ने सिर्फ खुद के दम पर साल 2024-25 में 5.4 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यापारिक मूल्य सार्वजनिक खरीद को न केवल सुव्यवस्थित किया है, बल्कि शासन में पहुंच, समानता और सशक्तीकरण को फिर से पारिभाषित किया है। जीईएम ने अपने स्थापना के दसवें वर्ष का सूत्र वाक्य, सुगमता, पहुंच और समावेशन विषयों पर केन्द्रित किया है। मिहिर कुमार का कहना है कि उसका यह सूत्र वाक्य सार्वजनिक खरीद को अधिक सुलभ और न्यायसंगत बनाने की दिशा में उनके संगठन की प्रतिबद्धता और पारदर्शी कामकाज को प्रदर्शित करता है। मिहिर कुमार यह भी कहते हैं कि वैसे तो ऑनलाइन खरीद के कई पोर्टल हैं। लेकिन वे सभी कारोबारी पोर्टल हैं, जबकि जीईएम मार्केट प्लेस है। वह खुद कारोबार नहीं करता, बल्कि पारदर्शी कारोबार का मंच उपलब्ध कराता है। जिसमें खरीददार और विक्रेता, दोनों का फायदा है। जीईएम की कामयाबी ही कही जाएगी कि इसके जरिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा खरीदादारी हो चुकी है। जिनके जरिए 4.81 लाख करोड़ की खरीददारी हुई है। इस मार्केट प्लेस पर मौजूदा वित्त वर्ष में 11हजार से ज्यादा प्रोडक्ट, 344 से ज्यादा सर्विस श्रेणी, 20 लाख से ज्यादा ऑर्डर मिल चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पोर्टल पर सबकुछ ऑटोमेशन में सॉफ्टवेयर संचालित है, कोई मैनुअल हस्तक्षेप नहीं है। हालांकि जीईएम के अधिकारी मानते हैं कि इसमें और सुधार की गुंजाइश है और वह लगातार होती रहेगी। ताकि खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बरकरार रहे। यह ठीक है कि अब विक्रेताओं के लिए जमानती राशि की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। इसके साथ ही जीईएम ने कई और सुधार शुरू किये हैं। इसमें विक्रेता के मूल्यांकन शुल्क को तार्किक बनाना और लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कमी करना भी सामिल है। वेंडर चार्ज भी पहले की तुलना में 68 प्रतिशत से लेकर 92 प्रतिशत तक कम किए जा चुके हैं। इन सबकी वजह से यहां मिलने वाले 97 प्रतिशत ऑर्डरों को छूट मिल गई है। मिहिर कुमार कहते हैं कि उनकी कोशिश, विक्रेताओं को सशक्त बनाना, मध्यम और लघु उद्योगो बढ़ावा देने की है। इस दिशा में पहली बार विक्रेताओं और छोटे उद्यमों के लिए मजबूत सहायता द्वारा समर्थन दिया जा रहा है। जीईएम की कोशिश ना सिर्फ बड़े, बल्कि दूर-दराज के इलाकों में स्थित कारीगरों, निर्माताओं, उद्यमियों और कारोबारियों को समावेशी मंच उपलब्ध कराना भी है। जीईएम के अधिकारी कहते हैं कि उनका ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि आदिवासी कारीगरों से लेकर तकनीक-संचालित स्टार्टअप तक हर उद्यम तक सार्वजनिक खरीद के अवसरों आसानी से पहुंच सकें। इस दिशा में इसके दिल्ली मुख्यालय में छह अगस्त को जीईएम विक्रेता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जीईएम के मंच पर देश के हर वर्ग के उद्यमियों, कारोबारियों और निर्माताओं को साथ लाने की कोशिश हुई। कागज रहित, वास्तविक समय के लेन-देन को सक्षम बनाने से लेकर स्वास्थ्य, खनन और बीमा में करोड़ों रुपये के अनुबंधों को सुगम बनाने तक, जीईएम ने नीति निर्माण और जमीनी स्तर की भागीदारी के बीच की खाई को पाटने की सफल कोशिश की है। दसवें वर्ष में दाखिल होते हुए इसके अधिकारियों ने अनूठी शपथ ली है। उनका कहना है कि वे सार्वजनिक खरीद को नागरिक-केंद्रित, डेटा-संचालित और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि सार्वजनिक खरीद में इन विशेषताओं के बावजूद कुछ अतिरिक्त की चाहत रखने वाले भ्रष्टाचारी तत्व अब भी कुछ ना कुछ राह निकाल लेते हैं। जिस पर काबू पाने के लिए जीईएम के इंजीनियर लगातार सक्रिय रहते हैं। फिर भी उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने एक दशक की यात्रा में यह सार्वजनिक ऑनलाइन बाजार पारदर्शिता की नई मिसाल कायम करेगा।

देश दुनिया से

सरकार की दृढ़ता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयातों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे कुल टैरिफ अब 50 प्रतिशत हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना है कि यह कदम भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद के जवाब में उठाया गया है। इसके साथ ही भारत अमरीका के सबसे अधिक कर वाले व्यापारिक साझेदारों में से एक बन गया है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। इस वृद्धि से अमरीका को 40 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के भारतीय निर्यात प्रभावित होंगे, जिनमें ऑटो पाट्र्स, कपड़ा और परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात और रसायन, आभूषण और समुद्री खाद्य आदि शामिल हैं। कुछ क्षेत्रों को टैरिफ वृद्धि से छूट भी दी गई है, जिनमें शामिल हैं, फार्मास्युटिकल्स, तैयार इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे स्मार्टफोन और लैपटॉप, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा उत्पाद जैसे तेल, गैस और एलएनजी, तांबा इत्यादि। यदि अमरीकी टैरिफ प्रभाव डालेंगे भी, तब भी अमरीका को भारत का निर्यात अधिकतम 5.7 अरब डॉलर ही गिरेगा। लेकिन आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि 2022 और 2024 के बीच भारत को रूस से तेल आयात करके 33 अरब डॉलर का फायदा हुआ। यानी यदि नफा नुकसान देखें तो भारत को रूस से तेल आयात से इतना फायदा है कि उसे अमरीकी टैरिफ की परवाह करने की जरूरत नहीं। इस बीच ट्रंप ने चीन सहित रूसी तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर संभावित 'द्वितीयक प्रतिबंध' लगाने का भी संकेत दिया है। समझना होगा कि अमरीका का टैरिफ बढ़ाने का निर्णय डब्लूटीओ के नियमों का सीधा-सीधा उल्लंघन है। इससे पहले जुलाई 30, 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा, अनिर्दिष्ट 'दंड' लगाने की भी घोषणा की थी। उन्होंने यह कहा कि भारत रूस से प्रतिरक्षा हथियार और कच्चा तेल खरीद रहा है, इसलिए उसे दंड के रूप में ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वास्तविकता यह है कि भारत स्वाभाविक रूप से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए रक्षा उपकरण खरीदने और जहां से भी कच्चा तेल मिले, उसे सबसे सस्ते दामों पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि घरेलू मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बना रहे। इस बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि अगर अमरीका सोचता है कि वह इस तरह की धमकियां देकर हमारे देश को दबा सकता है, तो उसे अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है। आज का भारत एक दशक पहले जैसा भारत नहीं है। हम हथियार उत्पादन में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को दिखा दिया है कि हम सामरिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हैं। अमरीका को समझना होगा कि विश्व अब एकधुरवीय नहीं रह गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमरीका ने ऐसे समय में एक रणनीतिक साझेदार के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने का फैसला किया है जब अमरीका समेत पूरी दुनिया को चीन द्वारा व्यापार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के हथियारीकरण से उत्पन्न कहीं अधिक बड़ी चुनौती का सामूहिक रूप से जवाब देने की जरूरत है। दुर्लभ मृदा निर्यात पर बीजिंग के प्रतिबंधों ने दुनिया भर में विनिर्माण क्षमताओं को खतरे में डाल दिया है। यही समय है कि अमरीका और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देकर इस समस्या का समाधान करने के लिए हाथ मिलाएं। भारत सरकार वास्तव में बधाई की पात्र है कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के दौरान दबाव के बावजूद दृढ़ता से खड़ी है। पारस्परिक शुल्कों की धमकियों और 9 जुलाई और 31 जुलाई की समय सीमा चूक जाने के बावजूद, भारतीय वार्ताकारों ने आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कृषि उत्पादो, डेयरी आयात और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए हमारे बाजारों को जबरन खोलने के प्रयासों का सही ढंग से विरोध किया है। यह उल्लेखनीय है कि अमरीका दुनिया भर के देशों पर (डब्लयूटीओ के नियमों के विरुद्ध) दबाव बना रहा है कि वे अपने-अपने देशों में अमरीका से आने वाले सामानों पर शुल्क कम करें। हाल के दिनों में, जब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पारस्परिक टैरिफ लगाए जाने के बाद, भारत-अमरीका व्यापार वार्ता में तेजी आई थी और रिपोट्र्स में तेज गति से बातचीत के संकेत मिल रहे थे, ट्रंप का यह बयान कि भारत के साथ अभी भी कोई समझौता नहीं हुआ है, इस बात का प्रमाण है कि भारत अमरीका के दबाव का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है। भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर 2017 से ही चर्चा चल रही है। लेकिन अभी तक यह समझौता सिरे नहीं चढ़ पाया है, यहां तक कि सीमित स्तर पर भी नहीं। कई बार यह समझौता लगभग तय लग रहा था, लेकिन अचानक कुछ रुकावटें आ गईं और बातचीत ठंडे बस्ते में चली गई। आखिरी बार ऐसा 2020 में हुआ था। मीडिया में खबरें आ रही थीं कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने वाले हैं, लेकिन तब भी भारत ने दबाव का विरोध किया और संयुक्त राज्य अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को अपना भारत दौरा रद्द करना पड़ा। मौजूदा वार्ताओं में अमरीका मांग कर रहा है कि भारत उसकी जीएम फसलों के लिए बाजार पहुंच दे, चिकित्सा उपकरणों पर नियमों में ढील दी जाए और डेटा के मुक्त प्रवाह की अनुमति दी जाए। वास्तविकता यह है कि भारत अपने किसानों और कृषि सुरक्षा के मद्देनजर जीएम के आयात की अनुमति नहीं दे सकता और न ही अपने चिकित्सा उपकरण उद्योग के विरुद्ध अमरीका की नियमों में ढील को स्वीकार कर सकता है। संवेदनशील डेटा संप्रभु देश के नियंत्रण में ही रहना चाहिए, जो हमारे दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के साथ जुड़ा हुआ है। भारत ने इस्पात, ऑटोमोबाइल और दवा शुल्कों से छूट की वैध मांग की है और डेटा स्थानीयकरण की अपनी नीति का बचाव किया है। हमें समझना होगा कि व्यापार समझौता हो या न हो, अमरीका को भारतीय निर्यात पारस्परिक आर्थिक लाभ के आधार पर जारी रहेगा ही। हमें ऐसी रियायतों से बचना चाहिए जो हमारे किसानों, लघु उद्योगों या दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता को कमजोर करती हैं। हाल के वर्षों के अनुभव से पता चला है कि भारत अपने मूल हितों से समझौता किए बिना, वैश्विक व्यापार पैटर्न में बदलाव का लाभ उठा सकता है, जिसमें अमरीका-चीन तनाव के कारण उत्पन्न परिवर्तन भी शामिल हैं।

आप का नजरिया

इन दो महीनों के लिए

बरसात के ये महीने कैसे गुजारें, दरकते लम्हों से खुद को कैसे निकालें। खबरों की खबर यह है कि हिमाचल के हर रास्ते पर कहर है और विकास की हर मेहनत पर सुराख है। आपदा के नुकसान को चेहरे पर ओढ़े ये दो-ढाई महीने, अपने कठघरों में सजा देते हैं। यहां फेल क्या हो रहा है और उस विकास का क्या हो रहा जो हर सत्ता को मिशन रिपीट के चश्मे से देखता है। सूचियों में दो महीनों ने कई सरकारी आश्रय कंगाल कर दिए। असुरक्षित भवनों की श्रृंखला में कितने स्कूल, पंचायत घर और इमारतों के कबूतरखाने दिखाई दे रहे हैं। क्या आपदा के इन महीनों से सीखकर नीतियां अपने कान पकड़ेंगी। क्या नसीहतों में यह प्रदेश पर्यावरण सुरक्षा का मुजरिम बनता रहेगा या आने वाले खतरों के संदेश हमारी कसौटियां बदल देंगे। पहाड़ में साल के समय का व्यय हम कैसे करते हैं, यह सोचना पड़ेगा। विकास के लिए कितने महीने मिलते हैं और विकराल मौसम के कितने दिन कारावास में गुजरते हैं। ऐसे में क्या सरकारी मशीनरी को एक जैसी सुविधा साल भर मिल सकती है। हमने प्रदेश के कई बंटवारे कर लिए और इनमें सबसे ऊपर है सियासी आबंटन। यही सियासी आबंटन बजट और योजनाओं के करिश्मे में अपनी मिट्टी-अपनी जमीन खोजता रहता है। नई शब्दावली की ईदगाहें बनाई जाती हैं और नई रोशनी में विकास के दीप जलाए जाते हैं। जलशक्ति विभाग के उच्चतम मानदंड भी देखें तो जिस प्रदेश में पानी खूब बरस रहा है, वहां राजधानी समेत कई शहर प्यासे हैं। यह इसलिए क्योंकि जलशक्ति ने अपने कार्य को बारह महीनों में एक जैसा देखा, जबकि दो-ढाई महीनों की रंजिश में विकास के हर पैमाने को बदलना होगा। होना तो यह चाहिए कि हमारी योजनाओं का मंथन बरसात की फकीरी के साथ हो। हमारे कमोबेश सारे विभाग बरसात के पीछे छिप कर अपनी नालायकी छुपा लेते हैं। हम वर्षों से स्कूलों में यह तय नहीं कर पा रहे कि वहां ठंड का प्रकोप ज्यादा है या बरसात का कहर खतरनाक है। स्कूल शिक्षा विभाग की असमर्थता में मौसम भी शरमा जाए, लेकिन एक ही प्रदेश की कसरतें, शिक्षा के पीरियड को मौसम से नहीं बचा पा रही है। पीडब्ल्यूडी महकमा सडक़ को बरसात से अगर नहीं बचा सकता तो हमारे विकास को केवल साल के नुकसान में पढ़ लेना चाहिए। हर साल कितना विकास जाया होता है, तो इसे बचाने को नई निगाह चाहिए। हम नुकसान का एक बड़ा आंकड़ा तो सामने ले आते हैं, लेकिन कुछ बदलाव भी तो कर सकते हैं। बरसाती महीनों का कहर अगर पर्यावरण की खामियों में ही खोजना है, तो ये बारिश और बादल हिमाचल की देन नहीं। दूसरी ओर विकास अगर हिमाचली सरकारों की देन है, तो विनाश से बचने के लिए हमने क्या किया। अब तो हर साल बरसात के दौरान बचाव कार्यों की रूपरेखा में ऐसे इंतजाम और अधोसंरचना का भी सोचना होगा, जो पूरे प्रदेश में उपलब्ध हो। आपदा प्रबंधन के प्रशासनिक नजरिए को और व्यावहारिक बनाने के लिए हर गांव से शहर तक खुले मैदानों की व्यवस्था करनी होगी। सामुदायिक मैदानों का विकास किसी भी आपदा के समय आश्रय स्थल की भूमिका के अलावा प्रदेश के भूमि बैंक का एक नजरिया हो सकता। इन दो महीनों के लिए हर विभाग की अपनी एक राहत योजना होनी चाहिए, लेकिन एक विभाग जो हमारी आपदाओं में भी प्रदेश और जनता से अलग बना रहता है, उस वन एवं पर्यावरण संरक्षण विभाग को भी तो सामने आना होगा। पर्यावरण संरक्षण की दीवारों या वन भूमि की बाड़बंदी के बीच से निकलते नए नाले, पानी के बहाव का रुख मोड़ते तथा जंगल प्रबंधन की शून्यता के दुष्परिणामों से आहत जनता के लिए उसकी राहत क्या है। हमने तो जमीन को वन भूमि बना दिया, लेकिन बरसात के जख्मों के बीच पर्यावरण की वचनबद्धता की जवाबदेही भी तो तय हो। जो विभाग जंगलों में गिरे पेड़ों, सडक़ों में अड़े दरख्तों और बस्तियों के दामन में टूटते पेड़ों से हमें नहीं बचा सकता, वहां संरक्षण के मायने आखिर हैं क्या। इस विभाग का चरित्र, दायित्व और नाम बदलकर इसे मानव एवं वन तथा पर्यावरण संरक्षण महकमा बना देना चाहिए। पर्वतीय राज्यों के नुकसान की भरपाई क्यों न वनभूमि की जिम्मेदारी बने।

> विकास के लिए कितने महीने मिलते हैं और विकराल मौसम के कितने दिन कारावास में गुजरते हैं। ऐसे में क्या सरकारी मशीनरी को एक जैसी सुविधा साल भर मिल सकती है। हमने प्रदेश के कई बंटवारे कर लिए और इनमें सबसे ऊपर है सियासी आबंटन। यही सियासी आबंटन बजट और योजनाओं के करिश्मे में अपनी मिट्टी-अपनी जमीन खोजता रहता है। नई शब्दावली की ईदगाहें बनाई जाती हैं और नई रोशनी में विकास के दीप जलाए जाते हैं।

अमृत कलश

अन्नमय ज्ञान

श्वेतकेतु उद्दालक ऋषि का पुत्र था। वेदान्ती होने के नाते वह वेदान्त का अच्छा ज्ञाता था। वेद शास्त्री और ज्ञानी होकर वह अहंकार करने लगा। उसका अभिमान तोड़ने के लिए उसके पिता उद्दालक ने उसे कहा, 'पुत्र, पन्द्रह-सत्रह दिन तक उपवास रखो। इसके उपरान्त में तुम्हें समस्त ज्ञान का मूलमंत्र दूंगा।' श्वेतकेतु ने अपने पिता की आज्ञा का अक्षरशः पालन किया और दो सप्ताह तक निराहार रहे। सोलहवें दिन उद्दालक ने बुलाकर कहा, 'पुत्र, अब मुझे ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद के कुछ मंत्र सुनाओ।' पन्द्रह दिन निराहार रहने के कारण श्वेतकेतु इतना कमजोर हो गया कि उसे एक भी मंत्र याद नहीं रहा। फिर उसके पिता ने कहा, 'घर जाओ, अपना व्रत तोड़ो और भोजन से तृप्त होकर दो-चार दिन बाद मेरे पास आओ।' श्वेतकेतु ने वैसा ही किया। भूख शांत होते ही उसके स्मृति-कपाट खुल गए और उसने पिता के पास आकर मंत्र बोलने शुरू कर दिए। तब, ऋषि उद्दालक ने कहा, 'अन्न का करिश्मा देखा, वत्स! हमारा मन अन्नमय है, अन्न के अभाव में उसकी गति लोप हो जाती है। ज्ञान पर गर्व करने से पहले अन्न जुटाने का प्रयोजन करना ही पहला मूल मंत्र है।'

दृष्टि कोण

देश में जरूरी सद्भाव की सोच का सम्मान

ऐसा कम ही होता है कि कोई खेल प्रतियोगिता जिंदगी भर याद रखने योग्य आयोजन में बदल जाए, और एक ऐसी प्रासंगिकता और संदर्भ प्रदान कर दे जो जनता का मनोरंजन करने में उत्कृष्टता पाने के मूल उद्देश्य से परे निकल जाए। जॉर्ज ऑरवेल की सारगर्भित लेकिन गहन टिप्पणी : 'बिना गोलीबारी का युद्ध' अब एक घिसी-पिटी सूक्ति बन चुकी है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब प्रतिस्पर्धी दो देशों के बीच तनातनी हो और जिसमें तथाकथित 'राष्ट्रीय गौरव' दांव पर लगा हो। यदि हम आपको एक ऐसे युद्धक्षेत्र में नहीं हरा सकते, जिसमें हर तरफ खून-खराबा हो, तो ऐसी लड़ाई में हराना चाहेंगे जो आपकी शारीरिक क्षमताओं को चुनौती देने के लिए डिज़ाइन किए गए औजारों और उस खेल के विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण के दम पर लड़ी जाएगी। खेल और युद्ध के बीच इस काफी जायज एवं विचारोत्तेजक समरूपता की खोज करते वक्त, हम खेल के एक अन्य बहुत बुनियादी पहलू को भूल जाते हैं। वो यह कि एक टीम के रूप में काम करने के लिए, वह जो जीत का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर ले, आपको निजी कौशल के साथ-साथ टीम भावना की भी उतनी ही आवश्यकता होती है, बार-बार दोहराया जाने वाला यह शब्द वास्तव में जीत और हार के बीच अंतर बना देता है। सामंजस्य, सद्भाव, एकजुटता और एक इकाई के रूप में खेलना, ये शब्द उस कट्टर संशयवादी को गूढ़ लग सकते हैं, जो एक ऐसी दुनिया में रमा हुआ है, जिसको वह केवल अपनी, अपनी संस्कृति और धर्म के लिए ही बनी मानता है। हालांकि, वास्तविक दुनिया में, चाहे वह खेल का मैदान हो या जीवन का कोई भी क्षेत्र, हमारा वजूद इसलिए है क्योंकि हम साथ-साथ रहते हैं और एक-दूजे पर किसी पहचान विशेष का चिन्ह देखकर नहीं, बल्कि इंसान के तौर पर निर्भर हैं। एकजुटता, सामंजस्य और

सद्भाव की इस भावना को क्रिकेट जैसे खेल से ज्यादा बेहतर और कोई नहीं दर्शाता, और यह हमें हालिया भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली, जो खेल जगत का अस्तित्व कायम रहने तक याद रखी जाएगी। गोलीबारी विहीन इस 'युद्ध' में, जहां ऋषभ पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे वहीं क्रिस वोक्स ने स्वेटर के तले अपने उतरे हुए कंधे को बांधकर, एक हाथ में बल्ला पकड़कर खेलने की हिम्मत दिखाई। कहा जाए तो, यह दोनों अपनी-अपनी टीमों के लिए मर-मिटने को तैयार थे। अत्यधिक शारीरिक दमखम की मांग करने वाली इस 25 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में, एक शख्स, मोहम्मद सिराज, अपनी अद्भुत ऊर्जा, सहनशक्ति, लचीलेपन, दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास, अद्भुत कौशल एवं अपनी खेल कला पर नियंत्रण की वजह से सबसे अलग नज़र आए। जब भी भारत को स्थिति पर काबू बनाने की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को विकेटों की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को किसी जादू की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। तेज़ गेंदबाज़ी करने के लिए ताकत चाहिए होती है। और इस गति पर गेंद को स्विंग करने के लिए कौशल। लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सालों-साल के अभ्यास की ज़रूरत होती है। और इन 25 दिनों में, जब आपके साथी ड्रेसिंग रूम में अपना-अपना शरीर संभालने को मजबूर थे, कुछ की हड्डियां चटखी पड़ी हों और कुछ की मांसपेशियों में खिंचाव हो, तब सिराज 'वन मैन आर्मी' की तरह खड़े रहे, अपनी पीठ और अपने विरोधियों की इच्छाशक्ति को झुकाते हुए। दो श्रृंखलाओं को परिभाषित करने वाली छवियों का केंद्र बिंदु बनने के लिए कुछ असाधारण और अलग होना ज़रूरी है - एक निराशा भरी और दूसरी उत्साहजनक खुशी से लबरेज़। लॉर्ड्स के मैदान का वह दृश्य जब आउट होने के बाद सिराज घुटनों के बल बैठे हुए, नज़रें ज़मीन पर गड़ी हुई, हाथ में बल्ला, चेहरे पर मायूसी, और पीछे विकेट पर से गिल्ली उड़ी हुई। यह हार विनाशकारी थी और सिराज का वह अक्स इसका एक प्रतीक बना।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिलाझुला रहेगा कही काम बनेंगे कही दिक्कतें आंएगी मिश्रित परिणाम रहेंगे. आमदनी ठीक रहेगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर विराम लगाने में आप सफल नहीं हो पाएंगे. दिन–प्रतिदिन के कार्य सुचारू रूप से चलते रहेंगे. कुछ भी काम करने से पहले पर्याप्त पूछताछ करें. काम के लिए लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. गृहस्थी मे हल्का सा तनाव बनेगा लेकिन दिन बदलते ही शान्ति का अनुभव होगा स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन खुशहाल और बहतर रहेगा । छात्रों का पढाई के प्रति मन आकृष्ट होगा। जीवनसाथी के करियर में बदलाव आने से घर में खुशी का माहौल बनेगा.नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा.आप अपने काम में सफल भी होंगे.माता–पिता का सहयोग भी बना रहेगा.शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे.किसी अपने से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है.आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं.गाय को गेहूँ गुड खिलाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज काम का ओवरलोड रहेगा थकावट ज्यादा रहेगी परन्तु काम करने की ताकत और बातचीत बेहतर रहेगी. नए विचार दिमाग में आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए समय पहले से अच्छा हो सकता है. यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं. घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें. दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा.बच्चों के साथ कहीं यात्रा होगी मौसमी बिमारी से सावधानी जरुरी हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज नयी योजना को मूर्तरुप देना उचित होगा भविष्य मे लाभदायक होगी। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इए आज का दिन शुभ है, भाग्य आपका पक्ष लेगा और आपके रुके हुए कार्य प्रगति करेंगे. आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ अतिरिक्त प्रयासों के साथ एक पुराना दिया गया ऋण भी वापिस प्राप्त कर सकते हैं. कोई भी निवेश करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें. विरोधियों को आप परास्त करेंगे आप की ईच्छा शक्ति बलवान रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज छात्रों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे .आपको अपने काम पर पूरा फोकस रखना चाहिए. ऑफिस के किसी काम में आपको अधिक समय लग सकता है. कारोबार में आपको धन लाभ हो सकते हैं.किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा को बदल सकती है.आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं.किसी भी जरुरी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए, शिवमंत्र का जप करें चमेली का दीप प्रज्वलित करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ पुराने मामले सुलझ सकते है परन्तु पहल आप को ही करनी पडेगी. जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है. सरकारी क्षेत्र के अटके कार्य फिर से चल पड़ेंगे. खर्च थोड़ा संभल कर करें. आज आप काम में अधिक व्यस्त रहें. इससे आपको शारीरिक थकान रहेगी. शाम के वक्त पार्क मे ठहलने के लिए निकले बॉडी को रिलैक्स फील होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जांएगे अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए आज अच्छा दिन है. पारिवारिक आय में सुधार होगा और बच्चे प्रत्येक दिशा मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे. परिवार में कुछ सुखद घटनाएं घट सकती हैं. माता की संपत्ति के पक्ष में कानूनी मुद्दे कुछ गति प्राप्त कर सकते हैं. व्यापार में हालात सामान्य रहेंगे. आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है किसी नए व्यक्ति के साथ यात्रा का योग नही हैं भोजन करते समय मौन रहें आप के स्वास्थ्य के लिए जरुरी हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कार्यालय मे माहौल खुशनुमा रहेगा आज के कुछ जरूरी काम पूरे हो सकते हैं.आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा.जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है. आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी.आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं.आपका सामाजिक दायरा अचानक बहुत बढ़ जायेगा.आसपास के लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी. आप–को व्यवसाय में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है.दैनिक कार्यों से कुछ समय मिलेगा असहाय लोगों को जरुरत की वस्तु की सेवा करें आत्मीय शान्ति होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन और बुद्धि को स्वच्छ रखें ईष्ट मंत्र का जप करें गजब का उत्साह देखने को मिलेगा. अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना सबसे अच्छा होगा.अगर आप कलाकार हैं तो अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे. घर और काम पर दबाव रहेगा क्रोध और बेचैन बना सकता है. अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव न डालें. यह इसके लिए सही समय नहीं है. आज सुबह पौधों को जल सींचे तुलसी के पास दीप जलाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सुबह माता–पिता का आशीर्वाद लेकर निकले सफलता निकट होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. आप भौतिक सुखों पर व्यय कर सकते हैं. आपकी भाषा शैली काफ़ी प्रभावशाली रहेगी. आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे. परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा. इस अवधि में आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे. आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढेग़ी. व्यापार का विस्तार भी हो सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. जीवनसाथी के साथ आनंददायी समय बीतेगा, बच्चों पर अधिक दबाव मत बनाए कुछ छूट देना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप पीपल वृक्ष का रोपण करें वंशवृद्धि होगी । आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा.जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं.आपको किस्मत का पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा.अधिकारियों से आपको मदद मिलेगी.आप व्यापार में किसी से साझेदारी कर सकते हैं. परिवार वालों का हंसी–मजाक घर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा.गौशाला मे बच्चों के साथ जाए अपने हाथों से सेवा करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को बहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक तला हुआ अधिक मीठा भोजन का त्याग करना होगा । कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का साथ मिलेगा. शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी. आप को मित्रों के रुके हुए काम अपनी क्षमता पर पूरे करने पडेंगे रिश्ता और मजबूर होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अगस्त 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
तिथि : चतुर्थी प्रातः 06:38 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 10:33 तक
योग : धृति सायं 04:05 तक
करण : बालव प्रातः 06:38 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:58 , सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 10:33 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राइजिंग राजस्थान एमओयू समीक्षा बैठक

भूमि आवंटन सहित अन्य कार्यों में लाए तेजी : भजनलाल

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति, खनिज सम्पदा ऊर्जा क्षमता और निवेश अनुकूल नीतियों के कारण वैश्विक पटल पर बिजनेस फ्रेंडली स्टेट के रूप में नई पहचान बना रहा है। राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत राज्य में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। इनके धरातल पर मूर्त रूप लेने से प्रदेश में बुनियादी ढ़ांचे का विकास होने के साथ ही वृहद् स्तर पर रोजगार का सृजन होगा।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए निवेश समझौतों की ग्राउंड ब्रेकिंग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह समिट केवल एक आयोजन ही नहीं, बल्कि राज्य की सतत् विकास प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास निवेश, नवाचार और समावेशी विकास के क्षेत्र में प्रदेश के विकास को नई गति देना है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एमओयू से संबंधित भूमि आवंटन सहित अन्य कार्यों में भी तेजी लाते हुए सभी एमओयू को समयबद्ध रूप से धरातल पर मूर्तरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों द्वारा चाही गई लोकेशन पर जमीन उपलब्ध ना होने की स्थिति में उन्हें आस–पास के क्षेत्र में वैकल्पिक जमीन दिखाई जाए। श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए हर एक निवेश एमओयू महत्वपूर्ण है। जिलों में स्थानीय स्तर पर होने वाले कम राशि के एमओयू के क्रियान्वयन से कई लोगों को रोजगार मिलता है और ऐसे छोटे निवेश मिलकर बड़े निवेश का आधार बनते हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि ऐसे एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि निवेशकों से लगातार संपर्क में रहते हुए समय–समय पर कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक भी करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनन और पर्यटन क्षेत्र राजस्थान के विकास का इंजन है। हमें इन क्षेत्रों में प्रगति की और अधिक संभावनाओं को तलाशना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दिसम्बर माह में होने वाली राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले खनन, पेट्रोकेमिकल और पर्यटन को लेकर प्री–समिटों का आयोजन किया जाए। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में जमीन में मौजूद खनिज पदार्थों का पता लगाने के लिए व्यापक सर्वे करवाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन सेक्टर में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में महल, किले, हवेलियों की भव्यता और गौरवशाली इतिहास को देखने के लिए दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी धरोहर हैं और उनका संरक्षण करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि इन हवेलियों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित कर पर्यटन क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

बैठक में राजधानी जयपुर में दिसम्बर माह में प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव–2025 के आयोजन की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कॉन्क्लेव में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के दौरान हुए एमओयू की क्रियान्विति से प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों के बारे में निवेशकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय, गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट और मल्टीलेटरल आधार पर निवेश साझेदारी विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कॉन्क्लेव में युवा, महिला और किसानों पर आधारित सत्रों का भी विशेष रूप से आयोजन किया जाए। साथ ही एक जिला एक उत्पाद संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई जाए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे तथा विभिन्न जिला कलेक्टर्स वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

पेयजल परियोजनाओं को समय सीमा में करें पूरा, कार्यों में कोताही बरतने पर करें सख्त कार्रवाई: भजनलाल

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि आमजन को निर्बाध और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाए।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की वर्ष 2025–26 की बजट घोषणाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वृहद् जल परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इनसे प्रदेशभर में आमजन को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। श्री शर्मा ने लंबित परियोजनाओं की निविदाओं में गति लाते हुए कार्यादेश शीघ्र जारी करने के लिए निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल परियोजनाओं के कार्यों को विभिन्न चरणों में विभक्त कर उनका सतत् पर्यवेक्षण किया जाए। अधिकारी फील्ड में जाएं और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करें। अगर कॉन्ट्रेक्टर द्वारा तय समय सीमा में कार्य पूरा नहीं किया जाए तो जुर्माना भी लगाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में दीर्घकालिक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, वहां अन्य विकल्प तलाशते हुए पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा इस परियोजना से सबसे ज्यादा लाभ राजस्थान को होगा। उपभोक्ताओं को सुगमता से नल से जल मिल सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत अवैध कनेक्शन धारकों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के क्रियान्वयन के संबंध में भी व्यापक दिशा–निर्देश दिए। शर्मा ने पाइपलाइन बिछाने के लिए होने वाली रोड़ कटिंग और उसके पुनर्निर्माण के संबंध में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं स्वायत्त शासन विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया।

किराये के बैंक खातों से 4 करोड़ की ठगी, 5 आरोपी गिरफ्तार

अलवर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस का साइबर अपराधों के खिलाफ 'साइबर संग्राम' विशेष अभियान लगातार असर दिखा रहा है। अलवर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक खाते किराये पर देकर–लेकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि ऑनलाइन ठगी, सेक्सटोर्शन, जङ्द फ्रॉड जैसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. तेजपाल सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. प्रियंका, सहायक पुलिस अधीक्षक शिवानी, एवं वृत्ताधिकारी (ग्रामीण) के सुपरविजन में, थाना मालाखेड़ा प्रभारी हितेश शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

यह टीम संदिग्ध बैंक खाता धारकों (म्यूल अकाउंट) की जांच कर रही थी। जांच में पता चला कि आरोपी विभिन्न साइबर फ्रॉड गैंग को कमीशन पर अपने बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। इन खातों से लगभग 4 करोड़ रुपये का लेन–देन किया गया था। नरेश कुमार मीना (23) पुत्र बनवारी लाल मीना, निवासी कलसाड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर जगदेव मीना (25) पुत्र बल्लूराम मीना, निवासी निठारी, थाना मालाखेड़ा, अलवर, सतेन्द्र सैनी पुत्र विश्राम लाल सैनी, निवासी दल्ला की कोठी, बरखेड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर, नीरज कुमार पुत्र विश्राम सैनी, निवासी दल्ला की कोठी, बरखेड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर, हितेश उर्फ गब्बर (25) पुत्र राजेंद्र प्रसाद, निवासी बरखेड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर, आरोपियों ने अपने बैंक खाते साइबर ठगी करने वाले गिरोहों को कमीशन पर उपलब्ध कराए। इन खातों के माध्यम से फर्जी कॉल, जङ्द धोखाधड़ी, और अन्य ऑनलाइन ठगी से अर्जित रकम को घुमाया जाता था। पुलिस जांच में इन खातों से 4 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की रकम का लेन–देन सामने आया है।

देवस्थान विभाग बीओटी के तहत करेगा धर्मशालाओं का निर्माण

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिए देवस्थान विभाग और अधिक सुविधाओं को विकसित करेगा। इसके लिए विभाग की पूर्व में संचालित धर्मशालाओं व्यापक स्तर पर कार्ययोजना बना रहा है। इसके तहत पुरानी धर्मशालाओं में सुविधाएं तो विकसित की जाएंगी साथ ही प्रमुख धार्मिक स्थलों पर अत्याधुनिक नई धर्मशालाओं का भी निर्माण किया जाएगा। इसके लिए देवस्थान विभाग अपनी नीति में संशोधन करेगा। इस संबंध में शासन सचिवालय में मंगलवार को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में हुई विभाग की समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा के बाद सहमति हुई।

बैठक में पूर्व संचालित धर्मशालाओं के किराए में बढोतरी करने व बीओटी (बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर) के तहत नई धर्मशालाओं के निर्माण के लिए नई नीति बनाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा 2025–26 की क्रियान्विति को लेकर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मंत्री कुमावत ने अधिकारियों को प्रदेश व अन्य राज्यों के मंदिरों की मरम्मत कार्यों के लिए इसी माह में आवश्यक रूप से डीपीआर बनाने के आदेश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना–2025 की लॉटरी इसी माह में निकालने का निर्णय लिया गया। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इस बार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 10 अगस्त–2025 तक कुल एक लाख 84 हजार 495 वरिष्ठजनों ने एक लाख 15 हजार 302 आवेदन किए हैं। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी अब अगले सप्ताह जिला स्तर पर पात्र लोगों का चयन करेगी।

नूंह में तनाव की चिंगारी हिंसा में बदली

फिरोजपुर झिरका में दो पक्षों की झड़प, आगजनी पथराव में 10 घायल, पुलिस बल तैनात

नूंह, 12 अगस्त (एजेंसियां)। फिरोजपुर झिरका के गांव मुड़ाका में मंगलवार को मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुरू हुई कहासुनी कुछ ही घंटों में पथराव, आगजनी और तोड़फोड़ में बदल गई। इस दौरान छतों से पत्थर बरसाए गए, कांच की बोतलें फेंकी गईं और एक बाइक व कई दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। झड़प में करीब 10 लोग घायल हुए हैं। गांव के सरपंच रामसिंह सैनी के मुताबिक, गांव की ओर जाने वाली सड़क पर पास के ही गांव का रहने वाला युवक इसरा अपनी गाड़ी खड़ी किए हुए था। उसी रास्ते से गुजर रहे गांव निवासी समय सिंह ने गाड़ी हटाने को कहा। इस बात पर दोनों में बहस हो गई। आरोप है कि कार में सवार युवक ने गाड़ी में रखी कांच की बोतल समय सिंह के सिर पर दे मारी।

इसके बाद दोनों पक्षों के लोग जुट गए और मामला बिगड़ गया। छतों से पथराव शुरू हो गया, कांच की बोतलें फेंकी गईं और माहौल तनावपूर्ण हो गया। भीड़ ने एक बाइक को आग के हवाले कर दिया और कई दुकानों में आग लगा दी।

सरपंच रामसिंह का आरोप है कि भीड़ ने जानबूझकर इस झगड़े को हिंदू–मुस्लिम रंग देने का प्रयास किया। उनके मुताबिक, इन लोगों ने मेरे ऊपर भी पथराव किया और दुकानों में आगजनी की। स्थिति और बिगड़ सकती थी, लेकिन पुलिस समय पर पहुंची। फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने की कोशिश की। लेकिन हालात न थमने पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। अब गांव में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।गांव में अभी भी तनाव का माहौल है, और प्रशासन ने अपील की है कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें।

तेज़ होगी डिजिटल फसल सर्वे और किसान रजिस्ट्री की प्रक्रिया : डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा की वित्तायुक्त (राजस्व) डॉ. सुमिता मिश्रा ने विभागीय अधिकारियों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य सरकार की एग्रीस्टैक पहल के व्यापक क्रियान्वयन की योजना साझा की। इस योजना के अंतर्गत एग्रीस्टैक सेल का गठन किया जाएगा, जो इस पहल की निगरानी और समन्वय का कार्य करेगा।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार कृषि डेटा प्रबंधन को आधुनिक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह में डिजिटल फसल सर्वे का कार्य पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही किसान रजिस्ट्री तैयार की जाएगी, जिससे राज्य के सभी किसानों का सटीक डेटाबेस उपलब्ध होगा। एग्रीस्टैक पहल के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक जिले में मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे।

बैठक में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुख्य ज्ञान अधिकारी एवं सलाहकार, राजीव चावला ने एग्रीस्टैक को भारतीय कृषि में परिवर्तन लाने वाला राष्ट्रीय कार्यक्रम बताया।

हरियाणा में 4.25 लाख से अधिक रिक्तियां फिर भी बेरोजगारी से बढ़ रहे है नशा और अपराध : सैलजा

चंडीगढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने स्वीकार किया है कि 10 जुलाई 2025 तक हरियाणा में राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर 4.25 लाख से अधिक रिक्तियां उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने बताया कि राज्य में रोजगार सृजन के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, दीनदयाल अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और अन्य योजनाएं लागू हैं। पर भाजपा सरकार की रोजगार देने के बजाए रोजगार छीनने में लगी हुई है, यहीं वजह है कि प्रदेश में बेरोजगार और अपराध बढ़ रहे है, अगर सरकार ने रोजगार देने की दिशा में जल्द कदम न उठाया तो प्रदेश के युवाओं का भविष्य संकट में पड़ जाएगा।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में प्रश्न किया था कि क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार ने हरियाणा के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कोई योजना बनाई है, और यदि हां, तो योजनाओं का विवरण और उनके क्रियान्वयन की जानकारी दें? इस सवाल के जवाब में केंद्रीय श्रम और रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने जवाब देते हुए कहा है कि रोजगार सृजन के साथ–साथ युवाओं की रोजगार क्षमता को सुधारना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से कश्मीर की तिरंगा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज चंडीगढ़ से कश्मीर के ऐतिहासिक लाल चौक तक जाने वाली 'तिरंगा यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा मीडिया छात्र संघ द्वारा आयोजित की गई है और इसका उद्देश्य देश में एकता, भाईचारा और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। यह यात्रा 18 अगस्त को लाल चौक पर समाप्त होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर यात्रा में भाग ले रही 100 से अधिक छात्राओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब बेटियां किसी अभियान का नेतृत्व करती हैं, तो उसमें संवेदनशीलता और दृढ़ संकल्प कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने हाल ही में हुए

'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत की संप्रभुता की रक्षा के संकल्प का प्रमाण है, जिसका नेतृत्व विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी जैसी बेटियों ने किया।

नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज का भारत एक 'नया भारत' है, जो मजबूत, आत्मनिर्भर और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे गौरव और पूर्वजों के त्याग का प्रतीक है।

विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर सीएम योगी ने कहा

अगले 25 साल के यूपी के विजन का गवाह बनेगा यह सत्र

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के चालू मानसून सत्र को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बार का मानसून सत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें सरकार अगले 25 वर्षों की कार्ययोजना को सदन के पटल पर रखेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार विकसित यूपी का विजन लेकर आगे बढ़ रही है। इस विजन को नीति आयोग और विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार किया गया है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 13 और 14 अगस्त को लगातार 24 घंटे इस विजन पर सदन में चर्चा होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि

सर्वदलीय बैठक में सभी नेताओं के बीच इस पर सहमति बनी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चर्चा न केवल विधानसभा और विधान परिषद में होगी, बल्कि आम जनता की राय भी इस विजन डॉक्यूमेंट में शामिल की जाएगी। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि 2047 तक जब भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा, तब उत्तर प्रदेश भी विकसित उत्तर प्रदेश के रूप में तैयार होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रश्नकाल में जनप्रतिनिधि जनहित से जुड़े सवाल उठाएंगे, जबकि शून्यकाल में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार सभी सवालों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सभी दलों से सार्थक और रचनात्मक चर्चा की अपील की, ताकि समय का सदुपयोग हो और नकारात्मकता से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रस्तावों का स्वागत करेंगे जो सदन में चर्चा के लिए आएंगे। युवाओं के हित, यूपी के विकास और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न करने वालों को जनता स्वयं जवाब देगी।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका एजेंडा विकास के बजाय नकारात्मकता पर केंद्रित रहता है। उन्होंने कहा कि पहले जब हमने 36 घंटे की कार्यवाही को आगे बढ़ाया था, तब भी सपा ने इसका विरोध किया और असंसदीय शब्दों का उपयोग किया, जिसके लिए वे पहले से ही कुख्यात हैं। उन्होंने विपक्ष से सकारात्मक और विकासोन्मुखी चर्चा में भाग लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने यूपी विधानमंडल को देश का सबसे बड़ा विधानमंडल बताते हुए कहा कि यहां होने वाली चर्चाएं पूरे देश के लिए एक नजीर बनती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्ष में यूपी विधानमंडल ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा की है। इस बार भी 25 करोड़ की आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम महत्वपूर्ण एजेंडे के साथ सत्र में उपस्थित हुए हैं।

पुराने लखनऊ में भी चलेगी मेट्रो ट्रेन, परियोजना मंजूर

लखनऊ, अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने पुराने लखनऊ में मेट्रो रेल चलाने को मंजूरी दे दी है। इसका रूट 11 किलोमीटर लंबा होगा। निर्माण में 5,801 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह लखनऊ मेट्रो के फेज वन-बी परियोजना होगी। पुराने लखनऊ का मेट्रो रूट 11 किलोमीटर लंबा होगा और और इस रूट में अमीनाबाद, चौक, यहियागंज, पांडेयगंज, केजीएमयू, इमामबाड़ा और रूमी गेट स्टेशन होंगे।

लखनऊ मेट्रो 22 स्टेशनों के साथ 22.87 कि.मी. की दूरी तय करती है। यह दिल्ली मेट्रो, हैदराबाद मेट्रो, चेन्नई मेट्रो, नम्मा मेट्रो, नोएडा मेट्रो और कोलकाता मेट्रो के बाद भारत में सातवां सबसे लंबा परिचालन मेट्रो नेटवर्क है। लखनऊ में मेट्रो की रेड लाइन को उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के नाम से भी जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंशी पुलिया तक रेड लाइन की पूर्ण कमर्शियल सेवा मार्च 2019 में शुरू हुई। रेड मेट्रो लाइन में कुल 21 मेट्रो स्टेशन हैं, जिनमें से 17 एलिवेटेड हैं और जिनमें से 4 अंडरग्राउंड हैं। पूरब-पश्चिम कॉरिडोर लखनऊ मेट्रो फेज-2 परियोजना का हिस्सा है। इस रूट पर अप्रैल 2025 से निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इस रूट के पूरा होने और आम जनता के लिए चालू होने में करीब पांच साल लगेंगे। परियोजना के सुचारू निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए आधारभूत कार्य पहले ही किया जा चुका है। इसमें हवाई सर्वेक्षण, उपयोगिता और सीवर लाइनों की मैपिंग, मिट्टी परीक्षण आदि शामिल हैं। परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा अनुमोदित किया गया है। एक बार चालू होने के बाद, मेट्रो मार्ग मार्ग के साथ स्थित विभिन्न क्षेत्रों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाएगा।

उत्तर प्रदेश में नई औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति मंजूर

नीति का विस्तृत ड्राफ्ट जारी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति को हरी झंडी दे दी है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में उद्योगों को आसान और पारदर्शी भूमि आवंटन, आधुनिक सुविधाओं और बेहतर प्रबंधन के जरिए बढ़ावा देना है। प्रदेश पहले से ही जनसंख्या के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य है और अर्थव्यवस्था में दूसरे स्थान पर है। अब सरकार का फोकस है कि चतुर्मुखी औद्योगिक विकास के लिए निवेशकों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रक्रियाएं उपलब्ध कराई जाएं। सरकार का लक्ष्य है कि इस नीति के माध्यम से प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए।

नई नीति के तहत औद्योगिक आस्थानों में उपलब्ध भूमि, शेड और भूखंडों का आवंटन लीज/रेंट पर नीलामी या ई-ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। लीज/रेंट की अवधि आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग द्वारा तय की जाएगी, जबकि नीलामी पोर्टल का चयन भी आयुक्त एवं निदेशक के अधिकार क्षेत्र में होगा। इसके माध्यम से 20 प्रतिशत तक क्षेत्र का उपयोग व्यावसायिक/सेवा/आवासीय कार्यों के लिए किया जा सकेगा। प्रदेश की भौगोलिक विविधता को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए औद्योगिक भूखंडों की रिजर्व प्राइस तय की गई है। इसके अंतर्गत मध्यांचल में रुपए 2,500/वर्गमीटर, पश्चिमांचल में 20 प्रतिशत अधिक, यानी रुपए 3,000/वर्गमीटर, बुंदेलखंड व पूर्वांचल में 20 प्रतिशत कम, यानी रुपए 2,000/वर्गमीटर प्राइस निर्धारित किया गया है। इन दरों में हर साल 1 अप्रैल को 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि होगी। यदि किसी औद्योगिक आस्थान में एंकर इकाई स्थापित होने से एमएसएमई इकाइयों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है, तो शासन विशेष दर पर भूखंड आवंटन का निर्णय ले सकेगा।

ई-ऑक्शन में सफल बोलीदाता को आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी देना होगा। शेष राशि एकमुश्त, 1 वर्ष या 3 वर्ष में चुका सकते हैं। वहीं, तत्काल भुगतान पर उन्हें 2 प्रतिशत छूट मिलेगी। इसी तरह किस्त योजना में 12/36 समान मासिक किश्तें देय होंगी, जबकि विलंब पर दंड के रूप में अतिरिक्त ब्याज लगाया जाएगा। नीति के तहत आरक्षण की भी व्यवस्था की गई है। कुल भूखंड/शेड का 10 प्रतिशत एससी/एसटी वर्ग के उद्यमियों को आवंटित होगा। यदि कोई योग्य आवेदक न मिले, तो भूखंड अन्य वर्ग को दिया जा सकेगा ताकि विकास में रुकावट न आए।

सपा और लोकतंत्र नदी के दो छोर : योगी आदित्यनाथ

○ सपा के कार्यकाल में शोषण और गुंडा टैक्स नहीं भूले हैं व्यापारी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा के कार्यकाल में व्यापारियों पर हुए अत्याचार और गुंडा टैक्स को याद करते हुए कहा कि सपा का लोकतंत्र में विश्वास केवल दिखावा है। सीएम योगी ने संभल, बहराइच और गोरखपुर में सपा की नकारात्मक राजनीति पर भी सवाल उठाए।

सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को एक वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि कुछ लोग उनके कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि माता प्रसाद पांडेय जी, आप वरिष्ठ हैं। आपको अनावश्यक रूप से मोहरा बनाकर कुछ लोग आपके कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साध रहे हैं। आपको ऐसा होने नहीं देना चाहिए। उन्होंने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के मुद्दे पर सपा की राजनीति को नकारात्मक

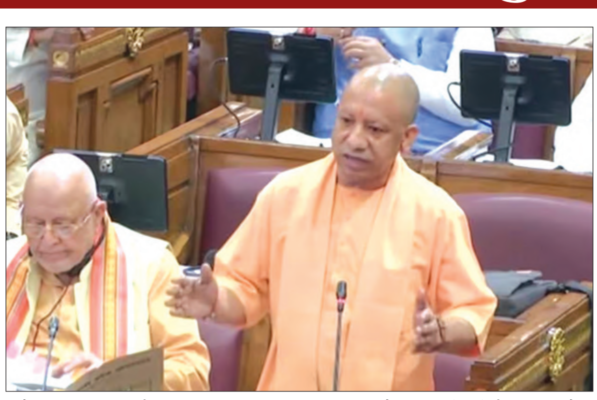

और विकास विरोधी करार दिया। सीएम योगी ने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर गोरखपुर के सबसे पुराने बाजार, घंटाघर और गीताप्रेस जैसे ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने का काम करेगा। सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष से तीन दिन पहले गोरखपुर विरासत कॉरिडोर का निरीक्षण किया था। वहां के एक-एक व्यापारी से बात की। यह गोरखपुर का सबसे पुराना बाजार है, जहां कंजेशन और अवैध कब्जे की समस्या थी। हमने सड़क निर्माण और कंजेशन दूर करने का काम शुरू किया है। सीएम योगी ने बताया कि उन्होंने व्यापारियों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। सरकार सुनिश्चित करेगी कि विकास कार्यों के दौरान किसी का नुकसान न हो।

उन्होंने सपा पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में इस क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सपा के समय में मासूम बच्चे हर साल इन्सेफेलाइटिस से मरते थे। हर साल 700 से 1500 बच्चों की मौत इन्सेफलाइटिस से होती थी। नेता प्रतिपक्ष के विधानसभा क्षेत्र और सिद्धार्थनगर जनपद में सैकड़ों बच्चे मरते थे, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास आपका एजेंडा कभी नहीं रहा। सीएम ने कहा कि गोरखपुर के व्यापारियों ने माता प्रसाद पांडेय के दौरे का विरोध किया था, क्योंकि सपा के कार्यकाल में व्यापारियों को भय और गुंडा टैक्स का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी व्यापारी सपा के कार्यकाल में हुए शोषण को नहीं भूले हैं। व्यापारी इसलिए आशंकित और आक्रोशित थे कि आप बिना बुलाए वहां गए और उनके विकास कार्यों में बाधा डालने की कोशिश की। सीएम योगी ने आगे कहा कि व्यापारियों ने आपका सम्मान पूर्वक विरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा से सुरक्षा और विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती।

सीएम योगी ने संभल में सपा सरकार के दौरान हुए नग्न तांडव का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार वहां शुद्धिकरण अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि सपा ने संभल में जो नकारात्मकता फैलाई, आज हम उसे सुधार रहे हैं। लेकिन सपा अपनी पुरानी आदतों से बाज नहीं आती और विकास को अवरुद्ध करने की कोशिश करती है।

सीएम योगी ने सपा पर विकास विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा हर जगह नकारात्मक राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार विकास कराना चाहती है, लेकिन सपा को यह बुरा लगता है।

अब यूपी के 67.50 लाख बुजुर्गों को मिलेगी वृद्धावस्था पेंशन

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 61 लाख गरीब बुजुर्गों को वृद्धा पेंशन देने के अपने वादे को वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही पूरा कर लिया है। अब योगी सरकार चालू वित्तीय वर्ष में 67.50 लाख पात्र बुजुर्गों तक पेंशन की राशि पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पहले बीते वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही योगी सरकार ने अपने लक्ष्य के अनुरूप 56 लाख गरीब बुजुर्गों के खाते में 1000 रुपए प्रतिमाह की दर से पेंशन की राशि देकर उनका आर्थिक सहायता कर चुकी है।

योगी सरकार ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वर्ष 2025-26 में वृद्धावस्था पेंशन योजना में पेंशनरों का लक्ष्य 61 लाख निर्धारित किया था, जिसे पहले ही वित्तीय वर्ष में प्राप्त कर आगे का नया लक्ष्य तय किया है। इस महत्वपूर्ण फैसले से योगी सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। साथ ही सिंगल नोडल एकाउंट प्रणाली ने पेंशन की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया है, जहां पेंशन सीधे आधार-लिंक्ड खातों में जाती है, बिना किसी मध्यस्थ के। इससे सरकारी धन का सदुपयोग सुनिश्चित होता है और लाभार्थी बिना देरी के लाभ पाते हैं। सिंगल नोडल एकाउंट प्रणाली का इस्तेमाल न केवल वितरण को तेज करता है, बल्कि ऑडिट और ट्रैकिंग को आसान बनाता है। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगता है और हर पैसे का हिसाब रखा जाता है।

वृद्धावस्था पेंशन योजना योगी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रमुख हिस्सा है, जो बुजुर्गों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने पर केंद्रित है। इस योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र के आर्थिक रूप से कमजोर वृद्धजनों को प्रतिमाह 1,000 रुपए की पेंशन प्रदान की जाती है, जिससे उनके जीवन के अंतिम वर्षों में वित्तीय परेशानियां कम होती हैं। योगी सरकार ने इस योजना को शुरू से ही प्राथमिकता दी है। 2017 में जब योजना का विस्तार शुरू हुआ, तब लाभार्थियों की संख्या 37.47 लाख थी, जो आज 67.50 लाख के लक्ष्य तक पहुंच गई है। यह वृद्धि सरकार की सक्रियता का नतीजा है, जहां विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र बुजुर्गों को चिह्नित किया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यदि तय लक्ष्य से अधिक पात्र मिलते हैं, तो उन्हें भी योजना में शामिल किया जाता है।

इस योजना के तहत पिछले कुछ वर्षों में लाभार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2018-19 में 40,71,580 वृद्धजनों को इस योजना का लाभ मिला, जिसमें 187913.10 लाख की धनराशि खर्च की गई। 2019-20 में यह संख्या बढ़कर 47,99,480 हो गई और 269774.45 लाख का व्यय हुआ। 2020-21 में 51,24,155 लाभार्थियों को 369449.13 लाख की पेंशन मिली। 2021-22 में 51,92,779 वृद्धजनों को 427790.56 लाख की पेंशन दी गई। 2022-23 में यह संख्या 54,97,237 तक पहुंच गई, और इस पर कुल 608374.50 लाख खर्च हुए। 2023-24 में 55,68,590 वृद्धजनों को इस योजना का लाभ मिला है और इस पर कुल 646434.06 लाख की धनराशि खर्च हो चुकी है।

15 अगस्त को नन्हें सपनों को नई उड़ान देगी योगी सरकार

3000 से अधिक बालवाटिकाएं सक्रिय की जाएंगी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश 15 अगस्त को प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करने जा रहा है। इस दिन प्रदेश की 3000 से अधिक नव-संचालित बालवाटिकाएं एक साथ पूरी तरह क्रियाशील हो जाएंगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन नव-संचालित बालवाटिकाओं में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और अभिभावक शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करेंगे। कार्यक्रमों में बालवाटिका के महत्व, प्रारंभिक शिक्षा के लाभ और सरकार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला जाएगा। योगी सरकार का यह कदम शिक्षा की मजबूत नींव रखेगा ही, आने वाली पीढ़ी को रचनात्मक, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी मील का पत्थर साबित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को संपूर्ण शिक्षा यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना गया है। इसी दृष्टि से योगी सरकार ने सभी सह-स्थित आंगनवाड़ी केन्द्रों को

बालवाटिका में रूपांतरित करने का निर्णय लिया है। जीवन के पहले आठ वर्ष बच्चों के मस्तिष्क विकास और सीखने की क्षमता के लिए निर्णायक होते हैं और यह बालवाटिकाएं बच्चों को भाषा, संज्ञानात्मक, सामाजिक और रचनात्मक कौशल में सक्षम बनाएंगी। कम नामांकन वाले विद्यालयों को निकटवर्ती विद्यालयों के साथ जोड़कर संसाधनों का समेकन किया गया है। इसके बाद रंगाई-पुताई, सौंदर्यीकरण, बाल-अनुकूल कक्षाओं, प्रिंट-रिच वातावरण और शिक्षण सामग्री की व्यवस्था कर इन विद्यालयों में बालवाटिका संचालन शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गतिविधि-आधारित किट (वंडर बॉक्स), लर्निंग कॉर्नर, आउटडोर खेल सामग्री, बाल-हितैषी फर्नीचर एवं स्टेशनरी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही ईसीसीई शिक्षक, शिक्षामित्र एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, ताकि 3 से 6 वर्ष के बच्चों को स्कूल रेडी बनाया जा सके और उनके पोषण पर पूरा ध्यान रखा जा सके। प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा, हमारी सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारंभिक शिक्षा को सबसे उच्च प्राथमिकता दे रही है। बालवाटिका के माध्यम से हम बच्चों के सर्वांगीण विकास और पोषण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, ताकि वे भविष्य के सशक्त, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। 15 अगस्त को प्रदेश की 3000 से अधिक बालवाटिकाओं को पूरी तरह क्रियाशील कर, हम बच्चों को शिक्षा का मजबूत आधार देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं।

सपा और कांग्रेस की नीति है फूट डालो, हुकूमत करो

दंगामुक्त प्रदेश इन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा नेता अखिलेश यादव पर भ्रामक और समाज को बांटने वाले बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस की फूट डालो, हुकूमत करो की नीति ने दशकों तक देश और प्रदेश को धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर विभाजित किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश अपने बयानों के जरिए केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे प्रदेश का माहौल खराब हो सकता है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि भाजपा कभी भी नफरत फैलाने की राजनीति नहीं करती। भाजपा सरकार का विजन तुष्टिकरण किसी का नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण का है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ प्रदेश के हित में लोक कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के साढ़े आठ साल के शासन में दंगों को पूरी तरह नियंत्रित किया गया है, जो सपा को सहन नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि

अखिलेश और उनके सहयोगी बार-बार ऐसी बयानबाजी करते हैं, जिससे सामाजिक तानाबाना टूटने का खतरा पैदा होता है।

डिप्टी सीएम ने समाजवादी पार्टी पर हिंदू-मुस्लिम विवाद को बढ़ावा देकर वोट बैंक मजबूत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अखिलेश जैसे नेता अफवाहें फैलाकर अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भाजपा समाज को जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का लक्ष्य हर हाल में कानून का राज स्थापित करना और सुशासन को बढ़ावा देना है। डिप्टी सीएम ने भाजपा सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा का पुनर्जागरण हुआ है। उन्होंने बताया कि इस साल के स्कूल चलो अभियान में 27 लाख से ज्यादा नए बच्चों का नामांकन हुआ है। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 11,500 करोड़ के निवेश से 96 प्रतिशत स्कूलों में पेयजल, टॉयलेट, बिजली, ब्लैकबोर्ड, फर्नीचर और क्लासरूम मरम्मत जैसी 19 बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अलावा, अटल आवासीय विद्यालय योजना के तहत सभी 18 मंडलों में विद्यालय शुरू हो चुके हैं, जहां 18,000 से ज्यादा श्रमिक और अनाथ बच्चों को मुफ्त आवासीय शिक्षा, खेल, लैब और स्किल ट्रेनिंग प्रदान की जा रही है। ब्रजेश पाठक ने सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा राज में शिक्षा का पतन हुआ था। उन्होंने 2015 के अखबारों का हवाला देते हुए दावा किया कि सपा सरकार के दौरान 3.45 करोड़ बच्चे स्कूल से वंचित थे। इसके विपरीत, भाजपा सरकार शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार निवेश कर रही है और स्कूलों को आधुनिक बना रही है।

पॉकैट एफएम पर भारतीय महिला आइस हॉकी टीम की अद्भुत कहानी है साउंड ऑफ करेज

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) । दुनिया का सबसे बड़ा ऑडियो सीरीज प्लेटफ़ॉर्म पॉकेट एफएम अपने लोकप्रिय कैंपेन 'इंडिया, कुछ अच्छा सुनो' के तहत भारतीय महिला आइस हॉकी टीम की ऐतिहासिक एशिया कप ब्रॉन्ज जीत को समर्पित ब्रांड फिल्म 'साउंड ऑफ करेज' लेकर आया है। यह सच्ची कहानी जज़्बे, विश्वास और सामाजिक बंदिशों को तोड़ने की मिसाल पेश करती है।

लद्दाख की जमी हुई झीलों से अंतरराष्ट्रीय पोडियम तक का सफर आसान नहीं था। परिवार की मर्ज़ी के खिलाफ जाना, समाज के ताने झेलना और मर्दों का खेल कहे जाने वाले आइस हॉकी में अपना स्थान बनाना मुश्किल था, लेकिन इन सबके बीच टीम ने कभी हार नहीं मानी। इन खिलाड़ियों ने एशिया कप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। टीम की कप्तान त्सेवांग चुस्कित ने कहा, जीत, दृढ़ संकल्प से जन्म लेती है। हमारे सफर में कई शंकाएं थीं, लेकिन हमने अपने भीतर की आवाज़ सुनी और उस पर भरोसा किया। यही 'साउंड ऑफ करेज' का सार है — खुद पर विश्वास करने से सब कुछ बदल सकता है।

आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव और आईआईएचएफ एशिया कमेटी के सदस्य हरजिंदर सिंह 'जिंदी' ने कहा, यह मेडल सिर्फ खेल की जीत नहीं है, बल्कि हौसले और सपनों की जीत है। हमने बाधाओं को तोड़ते हुए यह साबित किया कि जुनून की कोई सीमा नहीं होती।

पॉकेट एफएम के एसवीपी एवं हेड ऑफ ब्रांड मार्केटिंग, कम्युनिकेशन और पार्टनरशिप्स विनीत सिंह ने कहा, नकारात्मकता के दौर में हम ऐसी कहानियां सामने लाना चाहते हैं जो प्रेरणा दें। 'साउंड ऑफ करेज' हर उस व्यक्ति को सलाम है जिसने हालात के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

पद्मश्री मोरुप नामग्याल की आवाज़ से सजी यह फिल्म, केवल आइस हॉकी की कहानी नहीं, बल्कि हर उस भारतीय महिला का प्रतीक है, जिसने अपनी राह खुद चुनी। इसे पॉकेट एंटरटेनमेंट की इन-हाउस क्रिएटिव टीम ने कॉन्सेप्ट से प्रोडक्शन तक तैयार किया है और ब्लैक एंड वाइट फिल्म्स के सहयोग से निर्मित किया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

मैक्सवेल बना सकते हैं दो बड़े रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बचे मैचों में दो बड़े रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। वह डेविड वॉर्नर की जगह सबसे ज्यादा कैच लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 में सबसे ज्यादा कैच वार्नर ने लिए हैं। वॉर्नर ने 62 कैच लिए हैं। वहीं मैक्सवेल ने अब तक 122 मैचों में 61 कैच लिए हैं। अगर दक्षिण अफीका के खिलाफ सीरीज के शेष दो मैचों में मैक्सवेल दो कैच ले लेते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं मैक्सवेल ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक 145 छक्के लगाए हैं। अगर वह अगले 2 मैचों में पांच छक्के लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया की ओर से अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में 150 छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। मैक्सवेल का टी20 करियर काफी अच्छा रहा है वह बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों में ही अपनी टीम के लिए योगदान देते हैं। मैक्सवेल ने 122 मैचों की 112 पारियों में अब तक 5 शतक और 11 अर्धशतक लगाते हुए 2,755 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 145 रन है। इसके अलावा उन्होंने 47 विकेट भी लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 में सबसे ज्यादा रन डेविड वॉर्नर ने 3,277 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर आरोन फिंच हैं उनके 3,120 हैं। वहीं मैक्सवेल तीसरे स्थान पर हैं।

सबालेंका ने राद‌ुकानु को हराकर सिनसिनाटी ओपन जीता

ओहिओ। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका सिनसिनाटी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने एक बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में ब्रिटेन की एम्मा राद‌ुकानु को महिला एकल के फाइनल में 7-6 , 4-6 , 7-6 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस मैच के पहले सेट में राद‌ुकानु ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले नौ अंक जीते पर खेल के आगे बढ़ने के साथ ही वह पिछड़ती रहीं। दूसरी ओर सबालेंका ने जबरदस्त वापसी करते हुए टाई-ब्रेक में पहला सेट 7-6 (3) से जीत लिया। दूसरे सेट में राद‌ुकानु ने 4-6 से जीत के साथ वापसी की। वहीं तीसरा सेट बेहद कठिन था। दोनों ने सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। राद‌ुकानु ने ताकतवर फोरहैंड और बैकहैंड का इस्तेमाल किया और सबालेंका के हमलों को रोका। वहीं सबालेंका ने भी मुकाबले में अपना दबाव बनाये रखा और टाई ब्रेकर में सेट 7-6 (5) से जीत लिया। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, मैं इस कठिन मैच को जीतकर उत्साहित हूं। तीसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए मुझे मुश्किल शॉट खेलने पड़े। मुझे उसके खिलाफ मुकाबले में आनंद आया। राद‌ुकानु ने इस मैच में विजेता खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी।

वॉर्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बने विराट से आगे निकले

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने इंग्लैंड में जारी द हंड्रेड प्रतियोगिता के दौरान

ओरिजिनल्स के खिलाफ अपनी टीम लंदन स्पिरिट्स की ओर से अर्धशतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब वार्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही ही उन्होंने भारत के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। अब 419 टी20 मैचों में वार्नर के 36.80 की औसत और 140 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 13,545 रन हो गये हैं। जिसमें 8 शतक और 113 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। दूसरी ओर भारतीय बल्लेबाज विराट ने 414 मैचों और 397 पारियों में 41.92 की औसत, 134.67 की स्ट्राइक रेट, 9 शतक और 105 अर्द्धशतकों के साथ 13,543 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122 है। टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं जिन्होंने 463 मैच खेले हैं जिनमें 455 पारियों में 36.22 की औसत, 144.75 की स्ट्राइक रेट, 22 शतक और 88 अर्द्धशतक के साथ 14,562 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रहा है। यह वार्नर का पहला द हंड्रेड सीजन है और वह तीन मैचों में 75.00 की औसत, 141.50 की स्ट्राइक रेट और दो अर्धशतकों के साथ 150 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मैच की बात करें तो मैच के दौरान वॉर्नर ने 51 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 71 रनों की शानदार पारी खेली और 139 से ज्यादा की औसत से रन बनाए। हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम मैनचेस्टर द्वारा बनाए गए 164 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी।

रोहित को साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल करें : लाड

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि उन्हें साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। पिछले कुछ समय से ये अटकलें हैं कि रोहित को विश्वकप के लिए टीम में जगह नहीं मिलेगी। एकदिवसीय विश्वकप में अभी दो साल हैं और ऐसे में बढ़ती उम्र के कारण उनकी फिटनेस तब तक कैसी रहती है ये भी देखना होगा। इसी बीच ये भी रिपोर्ट आई कि अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के बाद उनपर एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास का दबाव रहेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का हालांकि अभी तक इस मामले में कोई बयान नहीं आया है।

वहीं कोच लाड के अनुसार रोहित में अभी भी टीम के लिए योगदान देने की भूख है। लाड ने , रोहित को निश्चित रूप से 2027 एकदिवसीय विश्वपकप में खेलना चाहिए। ट्रॉफी जीतना हमेशा से ही उनका सपना रहा है हालांकि वह साल 2011 की विजयी टीम में जगह नहीं बना पाये थे। लाड ने कहा कि उन्हें विश्वकप के लिए टीम में रखा जाना अच्छा रहेगा चाहे वह कप्तान रहें या न रहें क्योंकि अभी भी उनमें काफी क्रिकेट बाकि है। उन्होंने कहा, चाहे वह टीम का नेतृत्व करें या नहीं यह बीसीसीआई और चयनकर्ताओं पर निर्भर है पर उसमें अभी भी रनों की भूख और दृढ़ता है, इसलिए उन्हें 2027 विश्व कप टीम का हिस्सा होना चाहिए। रोहित ने 273 एकदिवसीय मैचों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं. जिसमें 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने इस प्रारुप में तीन दोहरे शतक भी लगाये हैं। इससे पहले रोहित ने कहा था कि उनका लक्ष्य एकदिवसीय विश्वकप जीतना है।

भोपाल के हैदर मिस्टर यूनिवर्स की दौड़ में, प्रतियोगिता के लिए लखनऊ रवाना

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के युवा हैदर मुख्तार खान मिस्टर यूनिवर्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हो गए हैं। वे दिल्ली एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए प्रस्थान कर चुके हैं, जहां 12 अगस्त से 16 अगस्त तक यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। हैदर की नेशनल डायरेक्टर प्रिया तिवारी ने उन्हें तिलक लगाकर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। प्रिया तिवारी का कहना है कि हैदर पूरी तरह तैयार हैं और वह एशिया का नाम रोशन करने की क्षमता रखते हैं। इस मौके पर परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। हैदर के परिधान को मुंबई के प्रसिद्ध डिज़ाइनर विशाल कपूर ने विशेष रूप से डिज़ाइन किया। उन्होंने भी हैदर को शुभकामनाएं दीं और उनके उवल भविष्य की कामना की। हैदर मुख्तार खान की इस उपलब्धि से भोपाल और पूरे मध्य प्रदेश में गर्व का माहौल है। सभी को उम्मीद है कि वह मिस्टर यूनिवर्स प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाएंगे।

डीपीएल : नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 11 रन से हराया

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) । दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-2 के 19वें मुकाबले में सोमवार रात नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 11 रन से मात दी। यह मैच अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज़ सार्थक रंजन ने 42 गेंद में 33 रन की पारी खेली, जबकि अर्जुन रापड़िया ने मात्र 22 गेंदों में 40 रन (3 चौके, 3 छक्के) जड़े। यजस शर्मा ने 15 गेंदों में 23 और यश भाटिया ने 17 गेंदों में 22 रन जोड़े। वेस्ट दिल्ली की ओर से मयंक गुसाईं सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 1 ओवर में मात्र 2 रन देकर 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने 13 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। कप्तान हर्षित राणा और विकास दीक्षित ने शुरुआती झटके दिए। विकेटकीपर क्रिश यादव ने 23 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रन रेट लगातार बढ़ता गया।

इसके बाद हृतिक शोकीन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए 24 गेंद में 51 रन (5 चौके, 3 छक्के) बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 49 रन की साझेदारी की। हालांकि, दीपांशु गुलिया की मिडिल ओवर में तीन अहम विकेट और कप्तान राणा के किफायती अंतिम ओवर ने लायंस की पारी को 154/8 पर रोक दिया।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स - 165/9 (20 ओवर), सार्थक रंजन 42 (33), अर्जुन रापड़िया 40 (22), मयंक गुसाईं 3/2

वेस्ट दिल्ली लायंस - 154/8 (20 ओवर), हृतिक शोकीन 51 (24), मयंक गुसाईं 24 (24), दीपांशु गुलिया 3/44।

विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची दिव्या देशमुख

नई दिल्ली। हाल ही में जॉर्जिया में आयोजित फिडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने सोमवार को चीनी जीएम लेई टिंगजी को 10-3 से हराकर विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। 19 वर्षीय दिव्या ने शुरुआती राउंड में ही लेई पर दबदबा कायम करते हुए शानदार जीत दर्ज की। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैंपियन और चीनी जीएम हाउ यीफान से होगा। यह मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा। भारत की एक अन्य प्रतिभागी आर. वैशाली पहले ही बाहर हो चुकी हैं। उन्हें पिछले हफ्ते अमेरिकी आईएम ऐलिस ली के हाथों 6-8 से हार का सामना करना पड़ा था। विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप एक ऑनलाइन नॉकअड्डाउट टूर्नामेंट है जिसमें 16 खिलाड़ी हिस्सा लेती हैं। इनमें आठ क्वालिफायर और आठ सीधे आमंत्रित खिलाड़ी होती हैं। कुल इनामी राशि 75,000 अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 7,000 डॉलर मिलेंगे। पहले और क्वार्टरफाइनल राउंड में तीन सेगमेंट खेले जाते हैं—पहले 45 मिनट तक 5+1 गेम, फिर 30 मिनट तक 3+1 गेम और अंत में 15 मिनट तक 1+1 गेम। सेमीफाइनल और फाइनल में समय अवधि और बढ़ा दी जाती है। हर जीत पर एक अंक और ड्रॉ पर आधा अंक मिलता है।

द हंड्रेड: मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने दर्ज की पहली जीत, लंदन स्पिरिट को 10 रन से हराया

लंदन,11 अगस्त (एजेंसियां) । मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने सोमवार रात सीजन की पहली जीत दर्ज करते हुए लंदन स्पिरिट को 10 रनों से हराया। ओरिजिनल्स की ओर से शीर्ष चार बल्लेबाजों ने 20 से अधिक रन बनाए, जिससे टीम ने 163 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में लंदन स्पिरिट के लिए डेविड वॉर्नर ने अर्धशतक जड़ा और इस साल के पुरुष वर्ग में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए, लेकिन टीम लक्ष्य से 10 रन दूर रह गई।

ओरिजिनल्स के लिए बेन मैकिनी ने 12 गेंदों पर तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 29 रन की तेज पारी खेली। फिल साल्ट (31) ने उन्हें अच्छा साथ दिया। जोस बटलर (46) और हेनरिक क्लासेन (24) ने पारी को संभाला, लेकिन तेजी से रन नहीं बना सके। फिर भी टीम का स्कोर पुरुष प्रतियोगिता के इस सीजन के संयुक्त रूप से सर्वाधिक 163 रन रहा।

लंदन स्पिरिट की पारी की शुरुआत में सॉनी बेकर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले दस गेंदों में सिर्फ चार रन दिए और वॉर्नर को लगातार परेशान किया। वॉर्नर (71) और कप्तान केन विलियमसन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर 75 तक पहुंचाया, लेकिन रन गति बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा।

जेमी स्मिथ और एश्टन टर्नर ने बड़े शॉट लगाए, पर आखिरी 40 गेंदों में दो रन प्रति गेंद की दर से खेलना टीम के लिए मुश्किल हो गया। जॉश टंग ने तीन विकेट झटके, जिसमें वॉर्नर का अहम विकेट भी शामिल रहा। अंतिम ओवरों में जेमी ओवरटन (19 रन, 7 गेंद) के प्रयास के बावजूद स्पिरिट 153/6 पर सिमट गई।

मैच के मीर्कैट मैच हीरो बने सॉनी बेकर ने कहा, यह एक बड़ी टीम के खिलाफ अहम जीत है। मैं सिर्फ तेज गेंदबाजी करते हुए नई गेंद से स्विंग निकालने की कोशिश कर रहा था, खासकर बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ। वॉर्नर जैसे खिलाड़ी के खिलाफ गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था और जीत से बहुत खुश हूं।

स्कोरकार्ड:

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स - 163/6 (बटलर 46, ओवरटन 2/26, स्टोन 2/27)।

लंदन स्पिरिट - 153/6 (वॉर्नर 71, टंग 3/29)

परिणाम - मैनचेस्टर ओरिजिनल्स 10 रन से विजयी।

मुम्बई के सभी खिलाड़ी कांगा लीग खेलें : सरफराज खान

मुम्बई,11 अगस्त (एजेंसियां) । बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि मुम्बई के सभी बड़े खिलाड़ियों को भी कांगा लीग खेलना चाहिये। सरफराज के अनुसार कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि अगर वे इस टूर्नामेंट में विफल रहते हैं तो इससे उन्हें नुकसान होगा। कांगा लीग मानसून सत्र के दौरान होती है और इसमें महान बल्लेबाज सुनील गावस्वर और सचिन तेंदुलकर ने भी खेला है। इस लीग का आयोजन जुलाई से अक्टूबर के बीच होता है। बादलों से भरे आसमान और नमी से भरी पिचों पर बल्लेबाजों के लिए रन बनाना काफी कठिन होता है। सरफराज ने कांगा लीग में इस्लाम जिमखाना के खिलाफ 42 गेंदों में 61 रन बनाये।

गावस्कर, तेंदुलकर के अलावा संदीप पाटिल और दिलीप वेंगसरकर भी इस लीग में खेलते थे। सरफराज ने कहा, बचपन में मैंने अपने पिता से कई कहानियां सुनीं कि कैसे गावस्कर एक बार इंग्लैंड से स्वेदश लौटते ही कांगा लीग मैच खेलने पहुंच गये। मैं और मेरा छोटा भाई मुशीर इस लीग में खेलते हुए बेहद खुशी का अनुभव करते हैं। इस टूर्नामेंट को खेलने में हमें गर्व होता है।

सरफराज ने कहा, सभी मुंबई के खिलाड़ियों को भी इस लीग में खेलना चाहिये। कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि अगर वे यहां असफल होते हैं, तो यह उनके भविष्य के लिए खराब होगा उन्हें सोचना चाहिये कि अगर गावस्कर और सचिन जैसे महान खिलाड़ियों ने ऐसा ही सोचा होता, तो वे शायद शीर्ष पर नहीं पहुंच पाते। सरफराज पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं और उनका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में वापसी करना रहेगा।

टिम डेविड का कैच एक हाथ से पकड़ने वाले दर्शक की जिंदगी बदली

सिडनी। टिम डेविड की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज में बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में टिम के अलावा एक और व्यक्ति आकर्षण का केन्द्र रहा है। इस व्यक्ति ने एक हाथ में वोदका के दो कैप पकड़े हुए थे। वहीं दूसरे हाथ से उसने टिम के लगाये एक छक्के को पकड़ लिया। टिम ने इस पारी में आठ छक्के लगाये थे। ये मामला 12वें ओवर का कै। टिम ने तब डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री के ऊपर से छक्का लगाया। तभी स्टेडियम में बैठे हैरी गिल नाम के व्यक्ति ने गेंद उसे लगती इससे पहले ही उसे पकड़ लिया। पेशे से पायलट हैरी ने इस कैच को लेकर कहा, मेरे पास थोड़ा समय था, पर गेंद सीधे मेरी तरफ आ रही थी। ऐसे में मेरा इरादा उसे गिराने का था पर गेंद मेरे हाथ में आ गयी। मेरा हाथ थोड़ा दर्द कर रहा था पर इसके बाद ही मेरे पास लगातार लोगों के फोन आ रहे हैं। हैरी ने जब यह कैच पकड़ा, तब उन्होंने फैशन ब्रांड गुड डे की एक टोपी पहनी हुई थी। वहीं कए रिपोर्ट के अनुसार अब, गुड डे उसे आजीवन मुफ्त में अपने उत्पाद देने तैयार है। हैरी ने कहा कि ये कैच पकड़कर वह एक रात में ही प्रसिद्ध हो गये हैं। इसी कारण उन लोगों के भी फोन आ रहे हैं जिनका संपर्क टूट गया था।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए जेप्टो के साथ समझौता किया

नई दिल्ली,12 अगस्त (एजेंसियां)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता हार्डवेयर, आईओटी, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल और जेप्टो के सह-संस्थापक कैवल्य वोहरा ने हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य छह महीने के एकाग्र कार्यक्रम के माध्यम से स्टार्टअप्स की खोज और उनका मार्गदर्शन करना है। यह कार्यक्रम हार्डवेयर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण के क्षेत्रों में तकनीक विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेगा। वे जेप्टो के वितरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करके प्रोटोटाइप से बाजार तक के लिए तैयार समाधानों का विकास कर सकेंगे। मंत्रालय के मुताबिक यह साझेदारी विशेषज्ञों के नेतृत्व में होने वाली कार्यशालाओं और स्टार्टअप इंडिया सहयोग के माध्यम से महिलाओं की मुख्य भूमिका वाले और टियर दो/तीन के स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें मार्गदर्शन और क्षमता निर्माण के संबंध में सहायता प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त जेप्टो अपनी आपूर्ति श्रृंखला में 100 से अधिक भारतीय स्टार्टअप्स को जोड़ेगा, जिससे उन्हें उत्पादों को प्रदर्शित करने बाजार तक पहुंच प्राप्त करने और अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए मंच मिलेगा। डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने इस अवसर पर कहा कि यूनिकॉर्न का समर्थन स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने के सबसे प्रभावशाली तरीकों में से एक है, जो उन्हें सफल उद्यमों की यात्रा के बारे में जानकर सीखने में सक्षम बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके अनुकूल परिवेश में योगदान देना यूनिकॉर्न के लिए न केवल एक अवसर है, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है।

न्यूज ब्रीफ

एप्पल एआई इंडस्ट्री में खेल रहा राजनीति मस्क करेंगे कंपनी पर कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एप्पल से कहा है कि उनकी एआई कंपनी एक्सएआई जल्द ही एप्पल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। मस्क का आरोप है कि ऐपल इस तरह से व्यवहार कर रही है जिससे ओपनएआई के अलावा कोई भी एआई कंपनी ऐप स्टोर में नंबर वन पर नहीं पहुंच सकती। यह विवाद तब बढ़ा जब एक्स, ऐप स्टोर की न्यूज कैटेगरी में नंबर वन और टॉप फ्री ऐप्स की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने सवाल उठाया कि एप्पल ने न तो एक्स और न ही ग्रोक को अपने मस्ट हैव सेक्शन में शामिल किया है। उन्होंने पूछा कि क्या आप राजनीति खेल रहे हैं मामला क्या है जानने की इच्छा है। मस्क ने यह भी कहा कि एप्पल ने सिर्फ तराजू पर अंगूठा नहीं रखा, बल्कि पूरा शरीर रख दिया है। मस्क ने एक्स पर लिखा कि एप्पल ऐसा व्यवहार कर रही है जिससे ओपनएआई के अलावा कोई भी एआई कंपनी ऐप स्टोर में शीर्ष स्थान नहीं हासिल कर सकती। यह साफ तौर पर एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 3.95 फीसदी घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 3.95 फीसदी घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा। कर संग्रह में गिरावट की वजह रिफंड का अधिक होना है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को आंकड़ों के जरिए बताया कि एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 1.87 फीसदी घटकर 7.99 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 8.14 लाख करोड़ रुपये था। इस दौरान शुद्ध कंपनी कर संग्रह लगभग 2.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि गैर-कंपनी कर (जिसमें व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार और कंपनी शामिल हैं) संग्रह 4.12 लाख करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 22,362 करोड़ रुपये रहा। सरकार का चालू वित्त वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो सालाना आधार पर 12.7 फीसदी अधिक है। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ रुपये एकत्र करना है। प्रत्यक्ष कर में कंपनियों, व्यक्तियों, पेशेवरों और अन्य संस्थाओं की आय पर कर शामिल हैं।

मुंबई से दो नई साप्ताहिक उड़ान सितंबर से शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने अपने अंतरराष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करने का ऐलान किया है। इंडिगो ने सितंबर में मध्य एशियाई देशों के लिए मुंबई से दो नई उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। ये उड़ानें सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और कजाकिस्तान के शहर अल्माटी के लिए होंगी। एयरलाइंस ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि वह 01 सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और 02 सितंबर से कजाकिस्तान के अल्माटी के लिए मुंबई से सीधी उड़ानें शुरू करेगी। इंडिगो की ये दोनों उड़ानें सप्ताह में चार दिन होगी। एयरलाइंस ने यह घोषणा हाल ही में मुंबई-त्बिलिसी (जॉर्जिया) मार्ग पर इंडिगो की 02 अगस्त से सीधी उड़ान के शुभारंभ के बाद की गई है, जो भारत की वित्तीय राजधानी से संपर्क को मजबूत करने और इसे एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में विकसित करने की एयरलाइन की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। इंडिगो के ग्लोबल सेल्स प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि नई दिल्ली से त्बिलिसी, अल्माटी और ताशकंद के लिए सफल संचालन के आधार पर अब हमें इन सभी गंतव्यों को मुंबई से जोड़ने की खुशी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हमने मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए अपनी लंबी दूरी की उड़ानें भी शुरू की हैं, जो यूरोप में हमारे प्रवेश का प्रतीक है। मल्होत्रा ने कहा कि इंडिगो देश की वित्तीय राजधानी से भारत के भीतर और साथ ही दुनियाभर के गंतव्यों के लिए कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि ग्राहक भारत की पसंदीदा एयरलाइन के साथ मुंबई से दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लिए उड़ान भरने का आनंद लेंगे। ये नए लॉन्च ग्राहकों को इंडिगो के साथ एक व्यापक नेटवर्क पर अपनी छुट्टियों की योजना बनाने का सही अवसर प्रदान करते हैं। इंडिगो ने कहा कि शुरू होने वाली उड़ान की टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

बाजार की कमजोरी से निवेशकों को 87 हजार करोड़ की लगी चपत

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली,12 अगस्त (एजेंसियां)।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन भर खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होते रही। इसी तरह एनर्जी, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 443.26 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 87 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,204 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,065 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,977 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,698 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,306 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,392 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में

और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 95.57 की कमजोरी के साथ 80,508.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद 393.59 अंक की मजबूती के साथ 80,997.67 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 833.31 अंक लुढ़क कर 439.72 अंक की कमजोरी के साथ 80,164.36 अंक तक गिर गया। कारोबार के अंत में दिन के सौदों के निपटारे की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 70 अंक की रिकवरी करके 368.49 अंक की गिरावट के साथ 80,235.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 21.70 अंक टूट कर 24,563.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद निफ्टी 117.55 अंक की मजबूती के साथ 24,702.60 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई।

लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 236.95 अंक लुढ़क कर 119.40 अंक की गिरावट के साथ 24,465.65 अंक तक आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से 20 अंक से अधिक की रिकवरी करके 97.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,487.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन का कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 1.93 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.90 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 1.82 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.58 प्रतिशत और एनटीपीसी 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

जुलाई में खुदरा महंगाई दर घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी पर

नई दिल्ली,12 अगस्त (एजेंसियां)।

महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ी राहत मिली है। खुदरा महंगाई दर जुलाई महीने में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी पर आ गई है, जो इससे पिछले महीने जून में 2.1 फीसदी रही थी। जनवरी 2019 के बाद यह पहली बार है, जब खुदरा महंगाई दर 2 फीसदी से नीचे आई है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जुलाई महीने में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी रही है। यह 97 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले जून 2017 में खुदरा महंगाई दर 1.54 फीसदी रही थी। जून 2025 में खुदरा महंगाई दर 2.10 फीसदी रही थी। इसी तरह मई 2025 में 2.82 फीसदी और अप्रैल 2025 में यह 3.16 फीसदी पर थी।

आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर में गिरावट आई है। खाद्य महंगाई दूसरी बार निगेटिव रही, जुलाई में यह -1.8 फीसदी रही, जबकि जून महीने में यह -1.1 फीसदी रही थी। ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई जुलाई में 1.18 फीसदी रही है, जून में यह 1.72 फीसदी रही थी। वहीं, शहरी इलाकों में यह 2.56 फीसदी से घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई है।

खुदरा महंगाई दर फरवरी से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के लक्ष्य 4 फीसदी से नीचे है। रिजर्व बैंक ने हाल ही में मौद्रिक समीक्षा में पूरे वित्त वर्ष की महंगाई का अनुमान घटाकर 3.1 फीसदी कर दिया है, जो पहले 3.7 फीसदी था। आरबीआई को उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में औसत महंगाई 2.1 फीसदी रहेगी, जबकि तीसरी तिमाही में 3.1 फीसदी और चौथी तिमाही में यह 4.4 फीसदी रहेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ओड़ीशा, पंजाब, आंध्र प्रदेश...

श्री वैष्णव ने कहा कि ये सेमीकंडक्टर इकाइयां देश में दूरसंचार, ऑटोमोटिव, डेटा केंद्रों, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग को देखते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड, ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित इन्फो वैली में सिलिकॉन कार्बाइड (सिक) आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर की एकीकृत सुविधा स्थापित करने के लिए ब्रिटेन की क्लास-सिक वेफर फैब लिमिटेड के साथ सहयोग कर रही है। यह देश का पहला व्यावसायिक कंपाउंड फैब होगा। इस परियोजना में सिलिकॉन कार्बाइड उपकरणों के निर्माण का प्रस्ताव है।इस कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब की वार्षिक क्षमता 60,000 वेफर और पैकेजिंग क्षमता 960 लाख यूनिट होगी। प्रस्तावित उत्पादों का उपयोग मिसाइलों, रक्षा उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), रेलवे, फ़ास्ट चार्जर, डेटा सेंटर रैक, उपभोक्ता उपकरणों और सौर ऊर्जा इन्वर्टर में किया जाएगा।इसी तरह भवनेश्वर में ही 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड एडवांस्ड पैकेजिंग और एम्बेडेड ग्लास सबस्ट्रेट यूनिट स्थापित करेगी।

यह यूनिट दुनिया की सबसे उन्नत पैकेजिंग तकनीक भारत में लाएगी जो सेमीकंडक्टर उद्योग में अगली पीढ़ी की दक्षता लाती है।इस सुविधा में पैसिव और सिलिकॉन ब्रिज वाले ग्लास इंटरपोज़र और 3डी हेटेरोजेनस इंटीग्रेशन (3डीएचआई) मॉड्यूल सहित कई उन्नत तकनीकें होंगी। इस इकाई की नियोजित क्षमता लगभग 69,600 ग्लास पैनल सबस्ट्रेट्स, 500 लाख असेंबल्ड यूनिट्स और 13,200 3डीएचआई मॉड्यूल प्रति वर्ष होगी।इन उत्पादों का रक्षा, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रेडियो फ्रीक्वेंसी और ऑटोमोटिव, फोटोनिक्स और को-पैकेज्ड ऑप्टिक्स आदि में महत्वपूर्ण उपयोग होगा।एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज (एएसआईपी), दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी कंपनी लिमिटेड के साथ तकनीकी गठजोड़ के तहत आंध्र प्रदेश में एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिसकी वार्षिक क्षमता 960 लाख यूनिट होगी। निर्मित उत्पादों का उपयोग मोबाइल फोन, सेट-टॉप बॉक्स, ऑटोमोबाइल अनुप्रयोगों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में किया जाएगा।कॉन्टिनेंटल डिवाइस (सीडीआईएल) मोहाली, पंजाब में अपनी डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधा का विस्तार करेगी। प्रस्तावित सुविधा में सिलिकॉन और सिलिकॉन कार्बाइड दोनों में उच्च-शक्ति डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर उपकरण जैसे एमओएसएफईटीए, आईजीबीटी, शॉट्की बाईपास डायोड और ट्रांजिस्टर का निर्माण किया जाएगा। इस ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना की वार्षिक क्षमता 15.84 करोड़ यूनिट होगी। इन प्रस्तावित इकाइयों द्वारा निर्मित उपकरणों का उपयोग ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे इलेक्ट्रिक वाहन और उनके चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, विद्युत रूपांतरण अनुप्रयोगों, औद्योगिक अनुप्रयोगों और संचार इंफ्रास्ट्रक्चर में किया जाएगा।इन परियोजनाओं की स्वीकृति से देश में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा क्योंकि इन परियोजनाओं में देश की पहली वाणिज्यिक कंपाउंड फैब के साथ-साथ अत्यधिक उन्नत ग्लास-आधारित सब्सट्रेट सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई भी शामिल है।सरकार ने कहा कि ये क्षमताएं देश में विकसित हो रही विश्व स्तरीय चिप डिज़ाइन क्षमताओं का पूरक होंगी, जो सरकार द्वारा 278 शैक्षणिक संस्थानों और 72 स्टार्ट-अप्स को प्रदान की गई डिज़ाइन इंफ्रास्ट्रक्चर सहायता द्वारा संचालित हैं। इसमें 60,000 से अधिक छात्रों को प्रतिभा विकास कार्यक्रम का लाभ मिल चुका है।

गाय को राष्ट्रीय पशु...

इसे 1973 में 'प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत बाघों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए घोषित किया गया था। भारत के कई राज्यों ने अपने-अपने राज्य पशु घोषित किए हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं: हिमाचल प्रदेश - गाय (2015 में घोषित), उत्तर प्रदेश - बारहसिंगा, राजस्थान - ऊँट, गुजरात और गोवा - गौर (भारतीय बाइसन), असम - एक सींग वाला गैंडा और कर्नाटक और आंध्र प्रदेश - हाथी है।बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार गायों के संवर्धन, संरक्षण और पालन के लिए राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के उठाए कदमों का समर्थन करने के लिए दिसंबर 2014 से राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू कर चुकी है।

दिल्ली-एनसीआर में ...

बचता है, भले ही उनका उपयोग कम हुआ हो।

यह आदेश राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के पिछले निर्देशों के विपरीत है। एनजीटी ने 26 नवंबर 2014 को आदेश दिया था कि 15 साल से अधिक पुराने सभी डीजल या पेट्रोल वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, और इसका पालन न करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश दो-पहिया, तीन-पहिया, चार-पहिया, हल्के और भारी, सभी प्रकार के वाहनों पर लागू होता था, चाहे वे वाणिज्यिक हों या व्यक्तिगत।

एनजीटी ने यह आदेश राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए जारी किया था, खासकर सर्दियों के मौसम में।

दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से आयु-आधारित प्रतिबंधों की जगह उत्सर्जन-आधारित मानदंडों के वास्तविक पर्यावरणीय लाभों का आकलन करने के लिए एक विस्तृत अध्ययन की मांग की है।

एससी ने उम्रकैद ...

पहलवान ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा तय की गई उसकी 20 साल की सजा मार्च 2025 में पूरी हो चुकी है, लेकिन सेंटेंस रिव्यू बोर्ड से मंजूरी न मिलने के कारण उसे अभी तक रिहा नहीं किया गया है।

जस्टिस ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को अदालत द्वारा निश्चित अवधि के लिए (उदाहरण के लिए 20 साल) उम्रकैद की सजा सुनाई गई है, तो उस अवधि को पूरा करने के बाद वह रिहाई का हकदार है। ऐसे मामलों में, उसे उन प्रक्रियाओं का पालन करने की आवश्यकता नहीं है, जो सामान्य उम्रकैद के मामलों में लागू होती हैं।

आमतौर पर, उम्रकैद के मामलों में कैदियों को 14 साल की सजा पूरी करने के बाद ही राज्य सरकार की ओर से सजा में छूट पर विचार किया जाता है। इसके लिए एक रिव्यू बोर्ड और सजा सुनाने वाले ट्रायल कोर्ट के जज की सहमति की जरूरत होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुखदेव पहलवान के मामले में कहा कि उसे 10 मार्च को ही रिहा हो जाना चाहिए था। कोर्ट ने कहा कि सजा पूरी होने के बाद किसी व्यक्ति को जेल में रखना गैरकानूनी है। इस फैसले से देशभर के उन सभी कैदियों को राहत मिली है, जो इसी तरह की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति वर्मा पर...

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में उनके कार्यकाल के समय से संबंधित शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया गया। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत है।

श्री बिरला ने न्यायमूर्ति वर्मा के मामले में कार्रवाई का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इस मामले से जुड़े तथ्य जो भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैं, वे भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के साथ अनुच्छेद 217 और अनुच्छेद 218 के तहत कार्रवाई और प्रक्रिया के योग्य है और संसद को इस विषय में एक स्वर में बोलना चाहिए और देश के प्रत्येक नागरिक को सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता के अपने संकल्प के बारे में एक स्पष्ट संदेश भेजना चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 13 अगस्त, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
निराश्रित गोवंश, गोशालाओं में आपकी
नित्य सेवा का इंतज़ार कर रहा है
आपका छोटा सा सहयोग
गौशालाओ में रह रहे गोवंश का
कष्ट दूर करने में सहायक होगा
नित्य गोसेवा करें...
Scan for
Donation
जय गो माता - जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

राजस्थानी ब्राह्मण सभा ने भव्य रूप से किया श्रावणी उपाकर्म एवं पाँच कुण्डीय यज्ञ का आयोजन

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद ने अपनी 56 वर्षों की परंपरा को जारी रखते हुए, 9 अगस्त 2025, शनिवार को मामडपल्ली स्थित श्री वेंकटेश्वरा बालाजी मंदिर की प्राचीन पुष्करणी में श्रावणी उपाकर्म और पाँच कुण्डीय यज्ञ का भव्य आयोजन किया। यह कार्यक्रम सभाध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाला की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

सुबह 8 बजे से श्री रामनाथ आश्रम, कोलसावाड़ी, बेगम बाजार से भक्तों के लिए बसों की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा, बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने निजी वाहनों से भी आयोजन स्थल पर पहुँचे।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:51 बजे हुई, जिसमें हरिद्वार शांति कुंज के प्रख्यात आचार्यों के सान्निध्य में दश विधि स्नान, गायत्री पूजन, यज्ञोपवीत पूजन और पाँच कुण्डीय यज्ञ जैसे अनुष्ठान संपन्न हुए। इस दौरान 20 से अधिक नए बटुकों ने नूतन यज्ञोपवीत धारण किया।

पूरे आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में विप्र बंधु मौजूद थे, और युवाओं ने जय परशुराम के गगनभेदी नारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विगत वर्षों की तरह इस बार भी इस धार्मिक अनुष्ठान में महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

इस आयोजन के मुख्य यजमानों में गोकुलचंद उपाध्याय, हरीनारायण व्यास, सुकदेव जोशी पारीक, केशव शर्मा, गोपाल शर्मा, राजेश खटोड़ व्यास पारीक, हुक्मीचंद थानवी, दीपक सारस्वत, विष्णुगोपाल ओझा, और गोपाल डोबा (पाल) शामिल थे, जिन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ पूजा में भाग लिया।

गायत्री महायज्ञ के समापन के बाद, दोपहर 1:45 बजे महाआरती हुई, जिसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

कार्यक्रम को भव्य बनाने में अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाला, महासचिव रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष भरत चाण्डा और संयोजक मंडल के रामनिवास पाराशर, सुरेश गांधी, दामोदर लाल जोशी सहित कई अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।संयोजक मंडल के सदस्य दामोदर जोशी ने गायत्री परिवार के सदस्यों, गोकुलचंद उपाध्याय, बालाजी मंदिर के सुभाष तिवारी, अंकित तिवारी और सभी सहयोगी बंधुओं तथा यजमानों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही राजस्थानी ब्राह्मण सभा इस तरह के सफल आयोजन करती आ रही है और भविष्य में भी ऐसे ही सहयोग की अपेक्षा है।

श्री आईजी गौशाला में भव्य जन्माष्टमी महोत्सव 16 को

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद के कापरा बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में इस वर्ष जन्माष्टमी महोत्सव 16 अगस्त को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर गौशाला प्रबंधन ने सभी धर्मप्रेमियों को उत्सव में सम्मिलित होने का न्यौता दिया है।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत रात्रि 8:15 बजे से होगी जब आईमाता जी मण्डली बालाजी नगर द्वारा भक्तिमय भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। मुख्य उत्सव रात्रि 12:05 बजे श्री कृष्ण के जन्म के पारंपरिक समय पर मनाया जाएगा।इस अवसर पर भक्तगणों श्री कृष्ण भगवान के दर्शन, प्रसाद वितरण और गौमाता की सेवा में दान-पुण्य का अवसर प्रदान किया जाएगा।गौशाला प्रबंधन का कहना है कि जन्माष्टमी पर गौमाता की सेवा का विशेष महत्व है क्योंकि श्री कृष्ण स्वयं गोपाल और गौरक्षक थे। इस पुण्य अवसर पर दान-पुण्य करने से भक्तों को दोहरा लाभ प्राप्त होता है। श्री आईजी गौशाला की ओर से सभी धर्मप्रेमियों से अपील की गई है कि वे इस पावन जन्माष्टमी उत्सव और रात्रि जागरण में पधार कर दर्शन-प्रसाद का लाभ उठाएं तथा गौमाता की सेवार्थ अपना योगदान दें।

एनएमडीसी ने पहली तिमाही के वित्तीय निष्पादन की घोषणा की, राजस्व में हुई 23% की वृद्धि

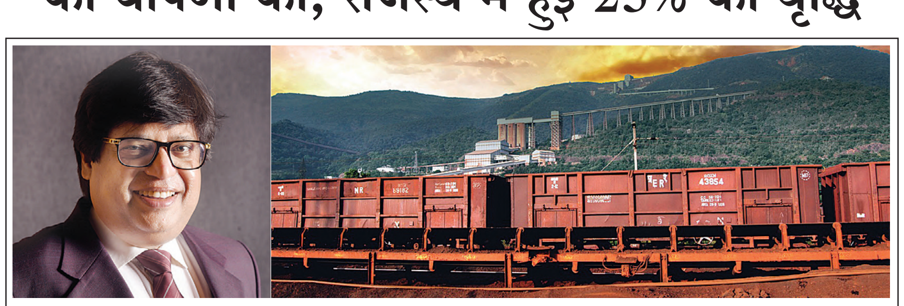

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने आज वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की । वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में कंपनी ने 11.99 एमटी उत्पादन किया, जो 9.19 एमटी से 30% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है और 11.52 एमटी की बिक्री की जो वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के 10.07 एमटी से 14% की वार्षिक वृद्धि है । इन आँकड़ों के साथ एनएमडीसी ने अब तक का पहली तिमाही का अपना सर्वश्रेष्ठ भौतिक प्रदर्शन दर्ज किया ।

वित्तीय मोर्चे पर, राष्ट्रीय खनिक ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में मज़बूत प्रदर्शन दर्ज किया और टर्न ओवर वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के 5,378 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,634 करोड़ रुपये हो गया । वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) बढ़कर 2,644 करोड़ रुपए और ईबीआईटीडीए बढ़कर 2,777 करोड़ रुपये हो गया । कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में टर्नओवर में 23% की उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है ।

इस असाधारण प्रदर्शन पर एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा, लौह अयस्क भारत के इस्पात उद्योग की रीढ़ है और देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक के रूप में, एनएमडीसी देश की खनिज की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है । राजस्व में दोहरे अंकों की वृद्धि के साथ हमारा मज़बूत पहली तिमाही का प्रदर्शन, परिचालन उत्कृष्टता और रणनीतिक निर्णयों के प्रति हमारे निरंतर प्रयासों का प्रमाण है । उन्नत तकनीकों और अत्याधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाकर, हम लगातार उच्च उत्पादन करने में सक्षम रहे हैं और हमने इस वित्तीय वर्ष और अपने 2030 के विजन का आधार बनाया है ।ये परिणाम एनएमडीसी की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता, रणनीतिक निर्णयों और देश में लौह अयस्क की बढ़ती माँग को पूरा करने पर उसके फोकस को दर्शाते हैं । इस मज़बूत प्रदर्शन के साथ, एनएमडीसी अपनी विकास यात्रा जारी रखने और भारत के इस्पात उद्योग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है ।

श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन आज से

शिव महापुराण कथा में पधारने हेतु डीसीपी ट्रैफिक श्री साई मनोहर, डीसीपी राजेंद्रनगर सीएच. श्रीनिवास, आदित्य बिल्डर्स के कोटा रेड्डी, नरेंद्र सुगंधी, अग्रवाल समाज के सदस्यों एवं अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को आमंत्रित करते हुए ब्रिजगोपाल भूतड़ा, अनुप चाण्डक और आलोक भूतड़ा।

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद हाईवे पर स्थित पूरन सन्स् फार्म, गगन पहाड़ के विशाल प्रांगण में पं. प्रदीप मिश्राजी के मुखारविंद से श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन बुधवार दि. 13 से 17 अगस्त तक दोपहर 1:00 बजे प्रारंभ होकर 4:00 बजे समाप्त होगा। उक्त जानकारी भूतड़ा परिवार के ब्रिजगोपाल भूतड़ा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।विज्ञप्ति के अनुसार, इस विशाल पंडाल में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में प्रसिद्ध कथावाचक पं. मिश्राजी अपनी कथाओं के माध्यम से भक्तों को भगवान महादेव को एक लोटा जल अर्पित करने से अपनी समस्याओं का समाधान कैसे प्राप्त किया जा सकता है, यह भी समझाते हैं। कथा स्थल पर वृद्धजनों के लिए वील चेयर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही, बाहर से आने वाले भक्तों के रहने के लिए पंडाल में ही आवास की व्यवस्था भी की गई है।कथा स्थल पर कार से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। उन्हें अपनी कारें सेलेब्रेशन कन्वेंशन हॉल, अनमोल एवलान टावर्स में पार्क करनी होंगी।

इस धार्मिक आयोजन में प्रदेश ही नहीं, बल्कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भक्त भाग लेर हे हैं। सभी भक्तों से आग्रह किया गया है कि कार्यक्रम शुरू होने से 15 मिनट पहले पहुंचकर अपना स्थान ग्रहण करें, ताकि व्यवस्था सुगम बनाए रखी जा सके।

राधे राधे ग्रुप ने बेगम बाजार में किया नित्य अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर ने बेगम बाजार के गौशाला, पुल की माता के पास नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा सुबह 7:31 बजे शुरू हुई। यह आयोजन भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि के पावन अवसर पर किया गया। राधे राधे ग्रुप ने ॐ श्री अन्नपूर्णा देव्यै नमः के मंत्रोच्चार के साथ यह पुण्य कार्य संपन्न किया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रवि अग्रवाल,अनिल अग्रवाल,गोविंद भाई,विनोद तोशनीवाल,रीतेश गुप्ता,सुनील भाई,पन्नालाल जी,अरुण भाई,लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल,मीना अग्रवाल, आशीष, किशन पाल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

इंडोमेंट दफ्तर में आयोजित बोनालू उत्सव में धर्मस्व विभाग की उप सचिव टी. तुलसी कुमारी और बंदोबस्ती धर्मस्व विभाग ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर महंत अमृत दास खाकी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय और विजय कुमार तोतला भी उपस्थित थे।

सत्य शक्ति महिला शाखा ने अनाथ बच्चों के साथ मनाया राखी का पर्व

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा ने एल.बी. नगर स्थित एक अनाथ विद्यार्थी गृह में राखी का कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 110 अनाथ बच्चों को राखी बांधी गई, और उनके साथ मिलकर खुशी मनाई गई।इस अवसर पर केंद्रीय समिति की सह मंत्री श्रीमती सीमा जैन और कोषाध्यक्ष श्री अचल गुप्ता ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अनाथ विद्यार्थी गृह के अध्यक्ष राजेश जी को केंद्रीय समिति के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं, शाखा की उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों को ज़रूरत का सामान वितरित किया गया, जिसमें राशन, स्कूल और कॉलेज बैग, टिफिन बॉक्स, छाता और बेडशीट जैसी वस्तुएँ शामिल थीं। बच्चों के लिए सुरुचि भोज का भी आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल, मानद मंत्री श्रीमती नीति अग्रवाल, सह मंत्री कविता बंसल, कोषाध्यक्ष मीना अग्रवाल, केंद्र समिति सदस्य सुनीता तुलस्यान, सहायता कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, अलका अग्रवाल, सुजाता अग्रवाल, जगदंबा और सुरभि सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

श्री अचलगच्छ जैन संघ में पर्युषण महापर्व 20 से

साध्वीवृंद की निश्रा में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। काचीगुडा स्थित श्री अचलगच्छ जैन संघ द्वारा संचालित श्री शांतिनाथ मंदिर में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व का भव्य आयोजन 20 अगस्त, बुधवार से होने जा रहा है। यह महापर्व 27 अगस्त तक चलेगा, जिसमें साध्वी प.पू. सा.श्री चारूदर्शनाश्रीजी म.सा. और प.पू.सा.श्री कैवल्यदर्शनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 2 की शुभ निश्रा में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।

श्री अचलगच्छ जैन संघ के चेयरमैन रमणीक नागडा और मैनेजिंग ट्रस्टी पोपटलाल छेड़ा ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह आयोजन पूज्य आचार्यों की आज्ञा और आशीर्वाद से हो रहा है।

सभी कार्यक्रम 20 अगस्त से 27 अगस्त तक श्री कच्छी भवन, रामकोट, ईडनबाग में आयोजित होंगे।

दैनिक अनुष्ठान: प्रतिदिन सुबह 9 बजे प्रवचन, दोपहर 11:30 बजे अक्षयनिधि, समवसरण और 14 पूर्व तप एकासणा का आयोजन होगा। शाम 7 बजे प्रतिक्रमण और आंगी एंजस द्वारा प्रभु की भव्य अंगरचना की जाएगी।

भव्य भक्ति: रात्रि 8 बजे से सा.रे.गा.मा.पा. भक्ति ग्रुप के संगीतकार योगेशभाई गोसर और उनकी पार्टी द्वारा भक्ति संध्या का आयोजन होगा।

विशेष कार्यक्रम: 24 अगस्त (रविवार): 14 स्वप्नों के चढ़ावे, भगवान जन्मवाचन और श्रीसंघ स्वामीवात्सल्य होगा। 27 अगस्त (बुधवार): बारसा सूत्र का वाचन किया जाएगा।

28 अगस्त (गुरुवार): तपस्वी पारणा और श्रीसंघ नवकारशी का आयोजन होगा।

पर्युषण महापर्व की तैयारियों के लिए हाल ही में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संघ के चेयरमैन रमणीक नागडा, ट्रस्टी तलकशी गडा, अनीष छेड़ा, विपुल गाला, प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार और अन्य सदस्य उपस्थित थे। पर्व से पहले, जिनालय का शुद्धिकरण किया गया, जिसमें लगभग 50 स्वयंसेवकों ने सेवा दी।

संघ के पदाधिकारियों ने नगर के सभी धर्म प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे इन धार्मिक अनुष्ठानों में पूर्ण भक्ति-श्रद्धा के साथ सम्मिलित होकर लाभ प्राप्त करें।

सीरवी समाज ट्रस्ट का दो दिवसीय सम्मेलन 24 से

श्री आई माताजी का 610वां अवतरण दिवस मनाया जाएगा

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज ट्रस्ट, बालाजी नगर स्थित श्री आई माता मंदिर में, श्री आई माताजी के 610वें अवतरण दिवस और 9वें वार्षिक सम्मेलन के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। यह भव्य आयोजन 24 और 25 अगस्त को समाज बंधुओं की उपस्थिति में होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष जयराम पंवार और सचिव हीरालाल चोयल ने संयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव हर वर्ष की तरह धूमधाम से मनाया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत 24 अगस्त, रविवार को होगी। इस दिन मंदिर को विशेष फूलों और लाइटिंग से सजाया जाएगा।

रात्रि 9:15 बजे से जागरण का आयोजन होगा, जिसमें राजस्थान के पाली से आए भजन गायक हजारीनाथ एंड पार्टी द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही, दोपहर 11:15 बजे से शाम 5 बजे तक महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। इसमें भाग लेने की इच्छुक महिलाएं 18 अगस्त 2025 तक सचिव के पास अपना नाम दर्ज करा सकती हैं।

25 अगस्त, सोमवार को सुबह 9:15 बजे ज्योत प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना और स्वागत कार्यक्रम किया जाएगा। इसके बाद, सुबह 10 बजे से अध्यक्ष जयराम पंवार की अध्यक्षता में धर्मसभा का आयोजन होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करेंगे, और सचिव हीरालाल चोयल समाज में किए गए विकास कार्यों की जानकारी देंगे।

कार्यक्रम के दौरान समाज के बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। धर्मसभा के बाद समाज बंधुओं और भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी समाज बंधुओं से निवेदन किया है कि वे इस बीज महोत्सव में सपरिवार भाग लेने के लिए अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। अध्यक्ष के संबोधन, धन्यवाद प्रस्ताव और महाआरती के बाद कार्यक्रम का समापन होगा।

विप्र फाउंडेशन जोन 16 तेलंगाना द्वारा हिमायत नगर, हैदराबाद में राजस्थानी चैरिटेबल पॉली क्लिनिक एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में फाउंडर सदस्य एवं मुख्य ट्रस्टी गोपाल व्यास (पारीक) का शॉल और पुष्प माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर दक्षिण जोन के महासचिव भगवान व्यास, जोन 16 के महासचिव रामदेव नगला, उपाध्यक्ष लाल पारीक और हैदराबाद चैप्टर के उपाध्यक्ष सुरेश कुमार व्यास (पारीक) उपस्थित थे।

लंदन में जन्माष्टमी पर 25वीं शोभायात्रा

पहली बार खाटू श्याम जी का निशान लहराया

लंदन/हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बड़े हर्ष और उल्लास के साथ इस वर्ष भी श्रीराम मंदिर, साउथॉल, किंग स्ट्रीट, लंदन में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा का आयोजन हुआ। लाखों श्रद्धालुओं की सहभागिता से संपन्न हुई यह शोभायात्रा अपनी 25वीं वर्षगांठ पर एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी।

इस वर्ष की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि लंदन की धरती पर पहली बार, श्रीराम मंदिर के पुजारी पंडित कार्तिक दुबे जी और सभी श्याम प्रेमियों के सहयोग से, खाटू श्याम जी का पावन निशान ध्वज शोभायात्रा में लहराया गया। इसी अवसर पर जय श्री श्याम, जय श्री बालाजी समिति, लंदन यूके का भी औपचारिक गठन किया गया, जिसका उद्देश्य लंदन में बसे सभी श्याम भक्तों को एकजुट करना और धार्मिक आयोजनों को और भी भव्य रूप देना है।

पंडित कार्तिक दुबे ने कहा, बाबा खाटू श्याम जी के आशीर्वाद और श्रीराम मंदिर साउथॉल कमिटी के सहयोग से शीघ्र ही राम मंदिर परिसर में बाबा की मूर्ति स्थापित कर उनकी प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। उन्होंने सभी श्याम प्रेमियों से आह्वान किया कि इस पुण्य कार्य में अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर इसे सफलता तक पहुँचाएं।शोभायात्रा के दौरान भक्ति गीत, कीर्तन और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने बाबा की महिमा का गुणगान किया और भक्ति व भाईचारे का अद्भुत संदेश दिया। आयोजन समिति ने सभी श्याम प्रेमियों और भक्तजनों को इस ऐतिहासिक यात्रा में शामिल होकर इसे सफल बनाने के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

गणेश चतुर्थी पर पहली बार ऐतिहासिक संस्कार प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। इतिहास में पहली बार गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर एक अनोखी संस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। संस्कार फ्यूज़न संस्था द्वारा आयोजित यह भव्य कार्यक्रम युवाओं को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का अभिनव प्रयास है।

सत्य, तप, दया, दान के आदर्श पर आधारित संस्कार फ्यूज़न का यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण शुल्क रु. 1,500 निर्धारित किया गया है।

मंगलवार को आयोजित विशेष बैठक में मुख्य संयोजक निखिल बाहेती ने कहा, यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण है। गणेश चतुर्थी का पर्व लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी के समय से लोगों को एकजुट करने और देशभक्ति की अलख जगाने का माध्यम रहा है।

भरत चान्डा ने अपने संबोधन में कहा, आज के समय में यह अत्यंत आवश्यक है कि हम अपने मूल्य और संस्कारों से जुड़ें। अगर हम अपने मूल्यों से जुड़ रहे, तो हमें विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

प्रतियोगिता की अवधि: 5 दिन (गणेश चतुर्थी के दूसरे दिन से छठे दिन तक) रहेगी।

ग्रैंड फिनाले: आठवें दिन, 2000 से अधिक लोगों की उपस्थिति के साथ होगा।

प्रतियोगिता के दौरान हर दिन प्रतिष्ठित जजों का पैनल प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन करेगा।पुजन अग्रवाल द्वारा घोषित पुरस्कारों में प्रथम पुरस्कार: 1,00,000, द्वितीय पुरस्कार: 50,000, तृतीय पुरस्कार: 25,000 और दैनिक पुरस्कार: 11,000 (पांचों दिनों के लिए) रहेगी।

बैठक में उपस्थित अन्य प्रमुख सदस्यों में भरत चान्डा, निखिल बाहेती, पुजन अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, हितेश अग्रवाल, निखिल गोयल, नितिन लखोटिया, नवीन चांडक, अर्जुन थानवी, सागर चान्डा, चेतन अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, राकेश कौशिक, राकेश व्यास, आनंद बोहरा, अंकित गर्ग, सुमित अग्रवाल, गोविंद कंकानी, विनोद राठी, राजेश थानवी, जोगेन्दर और अनया शामिल थे।संस्कार फ्यूज़न की टीम ने सभी नागरिकों-विशेषकर युवाओं-से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लें और गणेश चतुर्थी के इस विशेष क्षण के साक्षी बनें। यह प्रतियोगिता न केवल व्यक्तिगत प्रतिभा को निखारने का अवसर है, बल्कि सामूहिक सांस्कृतिक चेतना को जगाने का माध्यम भी है।

रविवार को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम हैदराबाद में खेले गए एचसीए एक दिवसीय लीग मैच के दौरान एचसीए के अध्यक्ष दलजीत सिंह ने 10 साल के आरव मोदी के प्रदर्शन की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकमनाएं दी।

अग्र महिला मंच, तेलंगाना द्वारा छात्रा को आर्थिक सहायता प्रदान की गई

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्र महिला मंच, तेलंगाना की अध्यक्षा दीपा गर्ग और मंत्राणी अंजू गोयल ने नगार खाना, बेगम बाजार, हैदराबाद स्थित एकता विद्यालय में दसवीं कक्षा की छात्रा गुंजन व्यास को 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

इस विशेष अनुदान में संतोष गर्ग, सीमा पंसारी, सपना अग्रवाल, अंजू गोयल, सरला जिंदल, और अर्चना अग्रवाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह में विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्याम सुंदर भांगड़िया और विद्या दवे श्रीमाली भी उपस्थित थे। मंच की अध्यक्षा और मंत्राणी ने गुंजन को लगन और मेहनत से पढ़ाई कर जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया और अपने विचार साझा किए।

CHANGE OF NAME

I, PANYAM HYMAVATHI Spouse of Service No. 14444068L Hav (DMT) KANAKA MURALI, R/o.Vill:SKPalli, Teh:Porumamilla, Dist:YSRKadapa, Andhra Pradesh-516505 have changed my name from PANYAM HYMAVATHI to KANAKA HYMAVATHI vide affidavit dt:12-8-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

साँझ के साथी का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन कल

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थापित साहित्यकारों, उदीयमान सृजकों के सशक्त संगठन साँझ के साथी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन गुरुवार, 14 अगस्त को सायंकाल 6.00 बजे से नवजीवन बालिका विद्यालय, रामकोट, हैदराबाद में किया जा रहा है।

साँझ के साथी के सचिव नंदगोपाल भट्टड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नगर की प्रमुख साहित्यिक संस्था साँझ के साथी के तत्वावधान में स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में चेन्नई से गीतकार केवल कोठारी, कानपुर से ग़ज़लकार अजय मदहोश, लखनऊ से हास्य-व्यंग्य कवि श्यामल मजुमदार, कोलकाता से छन्दकार विश्वजीत शर्मा सागर, मुंबई से कवयित्री सुश्री सीमा त्रिवेदी के साथ नगरद्वय के देश भर में ख्याति प्राप्त कवि सर्वश्री वेणुगोपाल भट्टड, नरेंद्र राय, डॉक्टर ऋषभ देव शर्मा, डॉक्टर अहिल्या मिश्र, श्रीमती ज्योति नारायण, वहीद पाशा कादरी काव्य पाठ करेंगे ख कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर ऋषभदेव शर्मा तथा संचालन कवि पंडित रामकृष्ण पांडेय करेंगे।साँझ के साथी के अध्यक्ष अजित गुप्ता, उपाध्यक्ष बिशन लाल संघी, सचिव नंदगोपाल भट्टड, सह सचिव ज्योति नारायण, कोषाध्यक्ष कैलाश भट्टड ने नगर के सभी काव्य प्रेमियों से कार्यक्रम में समयानुसार लेने का आग्रह किया है।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल ने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ से की मुलाकात

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल (डिस्ट्रिक्ट-3150) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री डी. मधुकर नाइक से मुलाकात की। इस बैठक में क्लब और कैंटोनमेंट बोर्ड के संयुक्त सहयोग से कैंटोनमेंट क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं को शुरू करने पर विचार-विमर्श किया गया।इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष चेतन गुडिमाला, मंत्री पारस डोसी, कोषाध्यक्ष भानुप्रसाद और क्लब डायरेक्टर्स अनिल दूंडू, देवेंदर दिल्लीकर, विजय सराधी, रामराज खत्री, महावीर जैन, अमित गुप्ता और दिवाकर उपस्थित थे।क्लब के सदस्यों ने सीईओ के साथ मिलकर उन संभावित परियोजना-ओं पर चर्चा की, जिन्हें कैंटोनमेंट क्षेत्र के निवासियों के कल्याण के लिए शुरू किया जा सकता है।

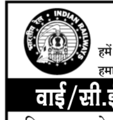

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0979

वाई/सी.ई-नीलामी/एचवाईबी/2025-26. दिनांक 12.08.2025

दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल में पे एंड यूज़ शौचालयों के ठेके प्रदान किए गए। ई-नीलामी की अनुसूची नीचे दी गई है:

क्रम. सं.	श्रेणी	सूची क्रम.	विवरण	नीलामी की तिथि	नीलामी प्रारंभ समय	नीलामी समापन समय
1.	पे एंड यूज़ शौचालय	एचवाईबी-पीएनयू-केसीजी-003	काचीगुडा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर पे एंड यूज़ शौचालयों का संचालन एवं रखरखाव	18.08.25	15:00	15:30

A1212 वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक, हैदराबाद

शेयर मार्केट

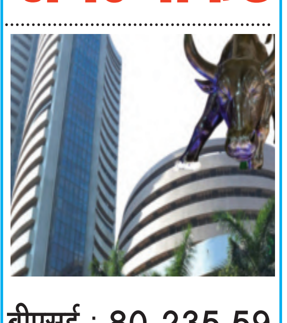

बीएसई : 80,235.59
-368.49 -0.46% ↓

एनएसई :24,487.40
-97.65 (-0.40%) ↓

न्यू भोईगुडा सिकंदराबाद हरिप्रसाद रिणवा के निवास स्थान पर कजरी तीज और चौथ माता की पूजा करती हुई मनीषा रिणवा, भंवरी बाई, सोनू वर्मा।

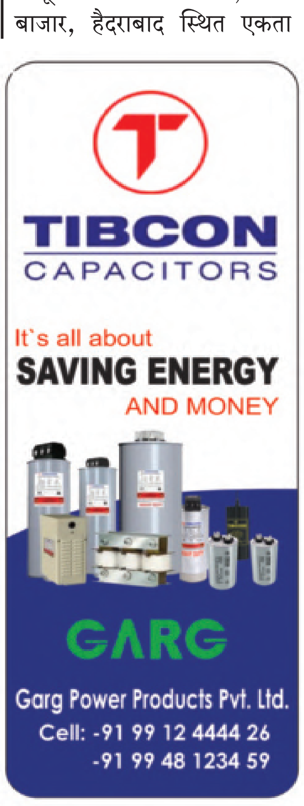

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 23^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 1,02,620/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,16,350/- (प्रति किलोग्राम)

छात्रों को मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन में छात्रों को गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ समय पर मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। सोमवार को जिले के आसिफाबाद मंडल के वट्टीवागु कॉलोनी स्थित आदिवासी प्राथमिक विद्यालय/दिशा आदर्श विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया और भोजन की गुणवत्ता, कक्षाओं, रजिस्टरों और आसपास के वातावरण का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि छात्रों को मध्याह्न भोजन में मेनू के अनुसार पौष्टिकता से भरपूर स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाए और छात्रों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन तैयार करने में ताज़ी सब्ज़ियों और गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुओं का उपयोग किया जाना चाहिए और खाना पकाने वाले कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को छात्रों की समझ में आने वाले तरीके से पढ़ाना चाहिए और कक्षा में पिछड़े छात्रों की पहचान करनी चाहिए और उन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कक्षा 4 के विद्यार्थियों से पर्यावरण विज्ञान विषय पर प्रश्न पूछे गए और उन्हें उत्तर दिए गए। सौरमंडल और ग्रहों के बारे में अंग्रेजी में समझाने के लिए विद्यार्थियों को बधाई दी गई।इस कार्यक्रम में जिला आदिवासी विकास अधिकारी रमादेवी, सहायक आयुक्त पुरका उद्धव, उप-केन्द्रीय ग्रामीण विकास अधिकारी रविन्द्र, विद्यालय के प्रधानाचार्य कुमराम माधव राव, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

मंचेरियाल के कवाल रिजर्व में भारी वाहनों की आवाजाही की अनुमति

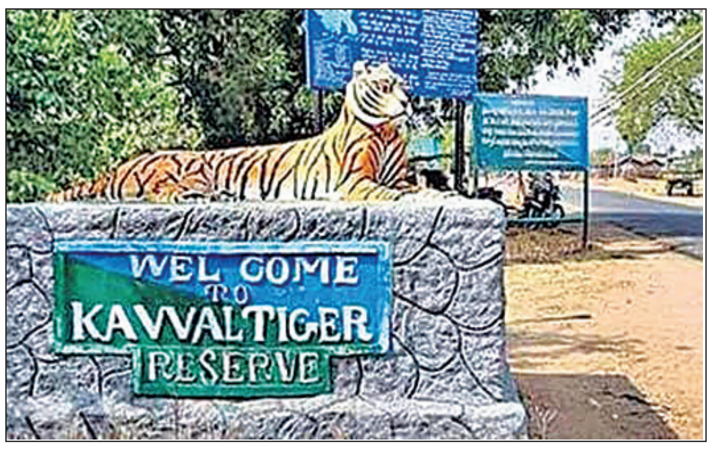

मंचेरियाल, 12 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला कवाल टाइगर रिजर्व में भारी वाहनों की आवाजाही की अनुमति दे दी गई है हाल ही में हैदराबाद में आयोजित वन्यजीव बोर्ड की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया आदेश के अनुसार भारी वाहनों को सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक रिजर्व से गुजरने की अनुमति दी गई है 10 टन से अधिक भार वाले भारी वाहनों के मालिकों से 150 रुपये का पर्यावरण शुल्क लिया जाएगा जबकि इस हिस्से का उपयोग करने की अनुमति देने पर कार मालिकों से 50 रुपये वसूले जाएँगे 2012 में इस अभ्यारण्य के निर्माण के बाद से ही बाघों के संरक्षण के लिए इस अभ्यारण्य में भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया था हालाँकि स्थानीय लोग काफी समय से इस प्रतिबंध को हटाने की मांग कर रहे थे वन अधिकारियों ने अभ्यारण्य में वाहनों की आवाजाही के प्रभाव का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण किया तदनुसार बोर्ड ने इसे मंज़ूरी दे दी इस अभ्यारण्य का मुख्य क्षेत्र 893 वर्ग किलोमीटर और बफर क्षेत्र 1,120 वर्ग किलोमीटर में फैला है जो चार जिलों आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, निर्मल और मंचेरियाल के कुछ जंगलों को कवर करता है यह वनस्पतियों की 675 प्रजातियों का घर है यह देश में स्थापित 41वाँ अभ्यारण्य था और इसे देश का 12वाँ सबसे बड़ा अभ्यारण्य माना जाता है

नाबालिगों को बाइक देने पर माता-पिता के खिलाफ होगा मामला दर्ज : सीआई देवैया

मंचेरियाल, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला तंदूर सर्किल इंस्पेक्टर देवैया ने कहा कि अगर नाबालिग बाइक चलाते पाए गए तो उनके और उनके अभिभावकों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा तंदूर सर्किल कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई ज़्यादातर सड़क दुर्घटनाओं में नाबालिग लड़के शामिल होते हैं नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना कानूनन अपराध है उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ़ उनकी जान के लिए बल्कि दूसरों की जान के लिए भी ख़तरा है नाबालिगों के बाइक चलाने पर उनके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा उन्होंने चेतावनी भी दी कि उनके माता-पिता या अभिभावकों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा माता-पिता और वाहन मालिकों को अपने बच्चों को वाहन देते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए उन्हें 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन नहीं देना चाहिए सीआई ने बताया कि इस मुद्दे पर तंदूर सर्कल के तत्वावधान में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे कार्यक्रम में मदाराम एस. सौजन्या भी उपस्थित थीं

तेलंगाना में बुद्ध विहारों के पुजारियों को मानद वेतन दिया जाए : अशोक

आसिफाबाद, 12 अगस्त(शुभ लाभ ब्यूरो)। बुद्ध विहार समन्वय समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सरस्वती बौद्ध (नागपुर) ने कहा कि सरकार को तेलंगाना राज्य के बुद्ध विहारों के पुजारियों को धूप-दीप अर्पण का मानद वेतन देना चाहिए।

सोमवार को वानकीडी, आसिफाबाद और बुद्ध विहारों का दौरा करने के बाद, उन्होंने वानकीडी में बौद्ध संगम और अंबेडकर संगम के नेताओं से बात की। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में सभी धर्मों को समान अवसर प्रदान किए गए हैं और बौद्ध विहारों के पुजारियों को भी मंदिरों के पुजारियों और मस्जिद के मौलानाओं की तरह मानद वेतन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सभी बौद्ध मठों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएँगे ताकि बौद्ध मठों में बौद्ध श्रद्धाल-ओं को अन्य मंदिरों के समान मानदेय दिया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्यों में बौद्ध मठों से संबंधित विवरण एकत्र करने और तेलंगाना बंदोबस्ती मंत्रालय को प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक माहुलकर, वानकिडी मंडल भारतीय बौद्ध महासभा के अध्यक्ष दुर्गम दुर्गाजी, महासचिव विजय उप्रे, मानद अध्यक्ष जयराम उप्रे, संयुक्त सचिव रोशन उप्रे, आसिफाबाद केंद्र समिति के उपाध्यक्ष दुर्गम तुकाराम, कोषाध्यक्ष दुर्गम यशवंत राव, नेता श्याम राव लाहुजी दुर्गे, राजेश्वर उपरे, श्याम राव दोंडूजी दुर्गे, दुर्गम श्रीनिवास, विठ्ठल नागसेन देवजी और अन्य ने भाग लिया।

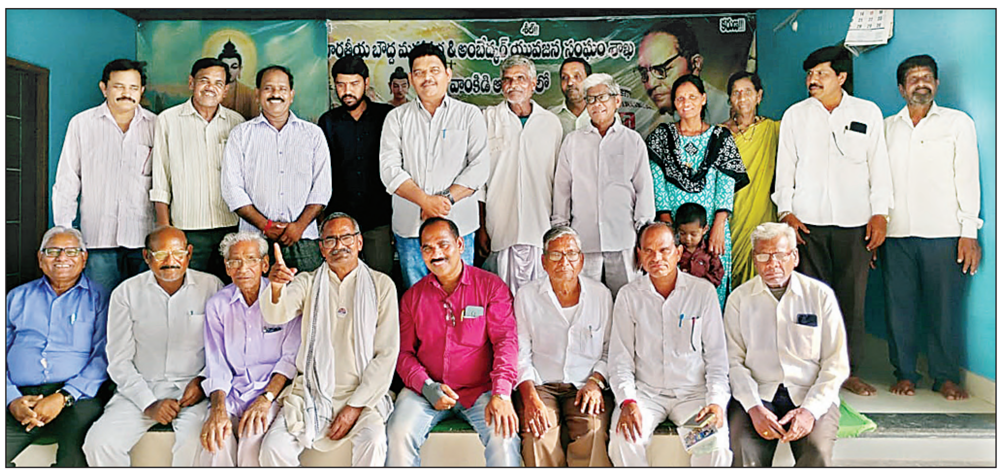

यूरिया पर निगरानी रखी जानी चाहिए : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि जिले में फसलों की खेती के लिए यूरिया की आवश्यकता है और यूरिया की बर्बादी न हो इसके लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए नसपुर स्थित एकीकृत कलेक्ट्रेट में कृषि अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई कलेक्टर ने कहा कि यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा करने और उसे अन्यत्र भेजने जैसे मामलों पर विशेष निगरानी रखी जाए अधिक मात्रा में यूरिया खरीदने वालों पर विशेष ध्यान दिया जाए कृषि विस्तार अधिकारी फसल की खेती और उपज से संबंधित रजिस्टरों का उचित संधारण करे जिले में मक्का की खेती का रकबा 70 एकड़ से बढ़कर 300 एकड़ हो गया है और जहाँ आवश्यक हो वहाँ खरीद केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए किसानों को पाम ऑयल की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए सभी किसानों को किसान बीमा योजना में पंजीकृत कराने के लिए जागरूकता फैलाई जानी चाहिए इस कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी चतरू जिला उद्यान अधिकारी अनीता और कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।

एसीबी के जाल में फंसा जूनियर असिस्टेंट

मंचेरियाल, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने मंगलवार को कोटपल्ली मंडल केंद्र में एक सेवानिवृत्त अधिकारी से कथित तौर पर 5,000 रुपये लेते हुए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत एक कनिष्ठ सहायक को गिरफ्तार किया एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी कनिष्ठ सहायक का नाम गड़ियाराम श्रीहरि है उसे उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी से सरकारी काम के बदले रिश्वत ले रहा था।

शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार मंत्री ने किया हस्तक्षेप

मंचेरियाल, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। एससी, एसटी और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने जगतियाल कलेक्ट्रेट में प्रजावाणी मीटिंग हॉल से शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति राजा गंगाराम को जबरन हटाए जाने की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरडीओ श्रीनिवास को फोन पर बुलाया और घटना की निंदा की उन्होंने आरडीओ को सुबह 11 बजे गंगाराम के घर जाकर जांच करने के बाद 24 घंटे के भीतर उनकी समस्या का समाधान करने के निर्देश दिएलक्ष्मण कुमार ने आरडीओ से समस्या का समाधान होने पर उन्हें सूचित करने को भी कहा उन्होंने श्रीनिवास से कहा कि अगर कोई समस्या हो तो वे उनसे संपर्क करें मंत्री ने अन्य जिला अधिकारियों से बात करके समस्या का समाधान कराने का आश्वासन भी दिया।

गुरु नानक संस्थानों में भारतीय वायु सेना के सहयोग से छड्ऋका अभ्यास सम्पन्न

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु नानक संस्थानों, इब्राहिमपटनम में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के 28 विशेष समग्र समूह ने भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों के साथ मिलकर एक उच्च तीव्रता वाले छत पर स्लाइथिंग अभ्यास का सफलतापूर्वक आयोजन किया।आईएएफ के हेलीकॉप्टरों की भागीदारी से इस अभ्यास में यथार्थवादी स्थिति का अनुभव मिला, जिससे कमांडो को वास्तविक समय में समन्वय और सटीक युद्धाभ्यास का पूर्वाभ्यास करने में मदद मिली।एनएसजी के अधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण के लिए गुरु नानक संस्थानों द्वारा दिए गए सहयोग और बुनियादी ढांचे की सराहना की। संस्थानों के उपाध्यक्ष और गुरु नानक विश्वविद्यालय के चांसलर सरदार गगन दीप सिंह कोहली और प्रबंध निदेशक व कुलपति डॉ. एच. सैनी ने इस राष्ट्रीय स्तर के अभ्यास की मेजबानी करने को सम्मान की बात बताया।

श्रावण पूर्णिमा पर कवि गोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गीत चाँदनी के तत्वावधान में रक्षा बंधन के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित साधना आश्रम में एक श्रावण पूर्णिमा कवि गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ब्रह्मलीन योगानंद महाराज की स्मृति में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की।

इस अवसर पर साधना आश्रम के पदाधिकारियों, लॉयन के. वी. श्रीनिवास और श्री जे. धरम सिंह ने रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता श्री उमेशचंद श्रीवास्तव ने रक्षा बंधन को भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता, प्यार और सुरक्षा का प्रतीक बताया। कवि अशोक दोषी ने इस पर्व को हिंदू धर्म की पौराणिक कथाओं और इतिहास से जुड़ा बताया, जो भाई-बहन के प्रेम और देश की सुरक्षा के बंधन का प्रतीक है।

कार्यक्रम में कवयित्रियों ने कवियों की कलाई पर राखी बांधी और उनके मंगलमय जीवन की कामना की। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव द्वारा कवियों को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाने वाली 1100 की प्रोत्साहन राशि इस बार कवि अशोक दोषी को प्रदान की गई। सभी कवियों को शॉल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

गोष्ठी में नगर के बहुभाषी कवियों और कवयित्रियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। इनमें डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, रत्नकला मिश्र, गोविंद अक्षय, अनिल कुमार गुप्ता, श्रीपूनम जोधपुरी, अंजनी कुमार गोयल, राजकुमार यादव, आरती कुमारी, ममता मिश्रा, अशोक दोषी, अनुज कुमार तिवारी, सुनील मिश्रा, चंपालाल बैद, संतोष कुमार मिश्रा 'माधुर्य' और अरविंद कुमार जयसवाल शामिल थे। इन कवियों ने अपनी कविता, गजल, और देश की समसामयिक परिस्थितियों पर आधारित काव्य पाठ से श्रोताओं का मन मोह लिया।

गीत चाँदनी के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने कहा कि सभी कवियों की प्रेरक कविताओं ने मन को आनंदित कर दिया। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती रत्नकला मिश्र और अन्य कवियों ने इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में प्रसादी की व्यवस्था की गई और श्रीमती रत्नकला मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केशव मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज में मेधावी छात्रा शिप्रा यादव का सम्मान

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केशव मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज के संस्थापक और अध्यक्ष नील गोर्ते ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से ही छात्रों को ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने यह बात कॉलेज की मेधावी छात्रा शिप्रा यादव को सम्मानित करते हुए कही, जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में प्लेसमेंट मिला है।शिप्रा यादव ने मशीन लर्निंग में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उनकी इस उपलब्धि पर कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इस सम्मान समारोह में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी.वी.एन. प्रसाद, शिप्रा यादव के माता-पिता सूरज प्रकाश यादव और संजू यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

जगतियाल जिले कोरुटला मंडल के कल्लूर ग्रामपंचायत में स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के दौरान ड्राईनिज को पानी की सहूलत हो और एक स्याही के छेद का निर्माण करते हुवे मंडल एम् पि डी वो रामकृष्ण की जाँच करते हुवे इन छदो से होने वाले लाभ जनता को वरना किया और पाठशाला में बी इस की जाँच की।

भारी बारिश को देखते हुए तेलंगाना में 24 घंटे निगरानी के आदेश

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में हो रही भारी बारिश के मद्देनज़र, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को अगले 72 घंटों के लिए जिला प्रशासन और अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है।मुख्यमंत्री ने कमांड कंट्रोल सेंटर से राज्य भर के कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से बाढ़ संभावित और निचले इलाकों में त्वरित और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

बैठक में मंत्रियों श्रीधर बाबू, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, तुम्माला नागेश्वर राव, पोन्नम प्रभाकर, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, डीजीपी जितेंद्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ की छुट्टियां रद्द करने और सभी विभागों को चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने का आदेश दिया।

रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया कि जलमग्न इलाकों से लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए, ताकि जान-माल का कोई नुकसान न हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार राहत कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि जारी करने के लिए तैयार है। बिजली विभाग को मोबाइल ट्रांसफॉर्मर और जनरेटर तैयार रखने के लिए कहा गया है, जबकि ड्रेनेज सिस्टम की बारीकी से निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।हैदराबाद में पुलिस को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवाजाही को प्रतिबंधित करने और तीनों पुलिस कमिश्नरेट में यातायात प्रबंधन के लिए कानून-व्यवस्था कर्मियों का उपयोग करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने एफएम रेडियो के माध्यम से अलर्ट जारी करने, आवश्यकता पड़ने पर स्कूलों और कॉलेजों को बंद करने और आईटी कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का भी निर्देश दिया।

खम्मम में दो घंटे में हुई 42 सेंटीमीटर बारिश जैसी पिछली घटनाओं का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रशासन को क्लाउडबर्स्ट जैसी स्थितियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने एक आपातकालीन टोल-फ्री नंबर स्थापित करने, यातायात को न्यूनतम रखने और घबराहट से बचने के लिए मीडिया को सटीक जानकारी देने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री ने कहा, अगले तीन दिनों तक सभी विभागों को समन्वय में काम करना चाहिए और सतर्क रहना चाहिए, और यह भी जोड़ा कि भारी बारिश होने की संभावना वाले क्षेत्रों में अग्रिम चेतावनी जारी की जानी चाहिए।रेवंत रेड्डी ने सभी सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ की अगले तीन दिनों के लिए छुट्टियां रद्द करने का आदेश दिया और शहर में यातायात प्रबंधन के लिए कानून-व्यवस्था पुलिस का उपयोग करने की सलाह दी।उन्होंने जोर देकर कहा कि अचानक बाढ़ की स्थिति में एयरलिफ्ट के लिए हेलीकॉप्टर तैयार रखे जाएं और एनडीआरएफ टीमों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया जाए।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपातकालीन बिजली बहाली के लिए मोबाइल ट्रांसफॉर्मर तैयार रखने और आपात स्थिति के दौरान सार्वजनिक शिकायतों के लिए एक टोल-फ्री नंबर स्थापित करने के निर्देश भी दिए।सभी संबंधित विभागों को सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल, कॉलेज और आईटी क्षेत्र के कर्मचारियों के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए कहा गया है।

रेवंत रेड्डी ने लोगों से भारी बारिश के दौरान बाहर निकलने से बचने का आग्रह किया और अधिकारियों से किसी भी संकट का जवाब देने के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने को कहा, विशेषकर हैदराबाद के निचले और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नामपल्ली में नित्य अन्नप्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर ने नामपल्ली के पब्लिक गार्डन, पिलर--1265 के पास नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा सुबह 7:01 बजे शुरू हुई।यह आयोजन भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि के पावन अवसर पर किया गया। राधे राधे ग्रुप ने ॐ श्री अन्नपूर्णा देव्यै नमः के मंत्रोच्चार के साथ यह पुण्य कार्य संपन्न किया। इस अवसर पर-रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,ई-जगन चम्पापेट, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल,किरण गोयल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश के सीएम ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना के लिए व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया

विजयवाड़ा, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

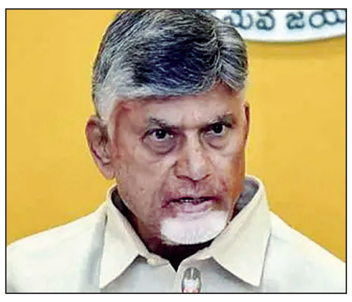

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को राज्य में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया है। यह योजना 15 अगस्त को शुरू की जाएगी।मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अमरावती में सचिवालय में 'स्त्री शक्ति' योजना की तैयारियों की समीक्षा की। यह योजना 15 अगस्त से एपीएसआटीआरसी की बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सभी एहतियाती कदम उठाएं ताकि कोई बाधा न आए।नायडू ने कहा कि योजना शुरू होने के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, इसलिए कुशल यातायात प्रबंधन होना चाहिए, क्षमता को बढ़ाया जाना चाहिए और लोगों की सुरक्षा प्राथमिकता रहनी चाहिए। उन्होंने एप-ीएसआटीआरसी के अधिकारियों और कर्मचारियों को यात्रियों के साथ विनम्रता से पेश आने का निर्देश दिया, ताकि कहीं भी कोई असुविधा न हो।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा, ईपीओएस मशीनों पर जीपीएस अनिवार्य रूप से सक्षम होना चाहिए ताकि यात्रियों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान की जा सके, और सिस्टम को आरटीजीएस के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। बस स्टेशनों को उच्चतम स्तर की स्वच्छता में बनाए रखा जाना चाहिए, जिसमें कचरा नियमित रूप से साफ किया जाए और शौचालयों को हर दो घंटे में निरंतर पर्यवेक्षण के तहत साफ किया जाए।नायडू ने जोर देकर कहा कि यात्रियों को किसी भी बिंदु पर असुविधा का सामना नहीं करना चाहिए।

जीएचएमसी क्षेत्र के स्कूलों में 13 और 14 अगस्त को आधे दिन की छुट्टी

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के स्कूल शिक्षा निदेशक, डॉ. ई. नवीन निकोलस, आईएएस, ने जीएचएमसी (ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन) क्षेत्र में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए एक आदेश जारी किया है।

इस आदेश के अनुसार, मौसम विभाग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए 13-08-2025 और 14-08-2025 को जीएचएमसी क्षेत्र के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में आधे दिन की छुट्टी घोषित की गई है। इन दोनों दिनों में स्कूल केवल मॉर्निंग शिफ्ट में ही संचालित होंगे।

शिहान सैयद इफ्तखार हुसैन कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन के रेफरी कमीशन सदस्य नियुक्त

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य के शिहान सैयद इफ्तखार हुसैन को कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन ने आधिकारिक तौर पर रेफरी कमीशन सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 10 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में की गई।यह प्रतिष्ठित पद शिहान सैयद इफ्तखार हुसैन के कराटे के क्षेत्र में समर्पण और उनके योगदान को दर्शाता है। यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण सम्मान है।इस अवसर पर शिहान हुसैन ने हांशी भरत शर्मा का आभार व्यक्त किया और उन पर दिखाए गए भरोसे के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने का आश्वासन दिया।

इसके साथ ही, उन्होंने कियो के सचिव संजीव कुमार जांगड़ा और टीएसकेडीए के अध्यक्ष बी. महेश गौड़ का भी उनके अटूट समर्थन और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया।

780 दिव्यांगों को मिलेंगे निःशुल्क कृत्रिम अंग

नारायण सेवा संस्थान का महा अभियान, 17 अगस्त को विशाल फिटमेंट कैम्प

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दिव्यांगजनों की सेवा के लिए प्रसिद्ध उदयपुर के नारायण सेवा संस्थान द्वारा तेलंगाना के दिव्यांगों के कल्याणार्थ रविवार 17 अगस्त को एक भव्य निःशुल्क नारायण लिम्ब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक शिविर में 780 से अधिक पूर्व चयनित दिव्यांगों को जर्मन टेक्नोलॉजी से निर्मित कृत्रिम हाथ-पैर निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम मिनर्वा-गार्डन्स, चंपापेट, हैदराबाद में 17 अगस्त 2025 (रविवार) को प्रातः 8:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन: सुबह 11:00 बजेद होगा।

संस्थान के मीडिया एवं जनसंपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने जानकारी देते हुए कहा कि संस्थान विगत 40 वर्षों से विभिन्न राज्यों के दिव्यांग बंधुओं को उनके घर-शहर के नजदीक लाभान्वित करने में प्रयासरत है। इसी श्रृंखला में 6 अप्रैल को आयोजित निःशुल्क नारायण लिम्ब मेजरमेंट कैम्प में 1100 से अधिक रोगी आए थे, जिनमें से 780 का चयन किया गया था।

गौड़ ने बताया कि चयनित 780 व्यक्ति ऐसे हैं जो सड़क दुर्घटना या किसी हादसे से हाथ-पैर खोकर दिव्यांगता का शिकार हो गए थे। संस्थान ने उनके लिए नारायण लिम्ब की कास्टिंग और मेजरमेंट पहले ही पूरी कर ली थी।

हैदराबाद में संस्थान एक साथ सैकड़ों दिव्यांगों को जर्मन टेक्न-ोलॉजी के नारायण लिम्ब पहनाकर उन्हें नई जिंदगी देगा। यह सभी दिव्यांगता के कारण अपने परिवार पर बोझ बन गए थे। संस्थान उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा में ला रहा है, गौड़ ने कहा।

उन्होंने आगे कहा, एक समृद्ध समाज के लिए हमारे दिव्यांग बंधु-बहनों का सशक्त होना जरूरी है। दिव्यांगों के सशक्तिकरण से देश की गति-प्रगति को रफ्तार मिलेगी।

प्रेस वार्ता के दौरान भगवान प्रसाद गौड़ (मीडिया एवं जनसंपर्क निदेशक),अलका चौधरी (स्थानीय संरक्षक), जसमत भाई पटेल (प्रमुख समाज सेवी), रिद्धिश जागीरदार, महेंद्र सिंह रावत (आश्रम प्रभारी) ने शिविर का पोस्टर जारी किया।

संरक्षक अलका चौधरी ने बताया कि नारायण सेवा संस्थान भारत के साथ-साथ विदेशों में भी अपनी सेवाएं पहुंचा चुका है। संस्थान साउथ अफ्रीकी देशों केन्या, युगांडा, मेरु, तंजानिया और नेपाल में भी शिविर आयोजित कर चुका है। वर्तमान में हर माह लगभग 1500 लोगों को कृत्रिम हाथ-पैर लगाए जा रहे हैं।समाज सेवी जसमत भाई पटेल ने जानकारी दी कि शिविर के उद्घाटन और भव्यता के लिए कई लोगों और संस्थान सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। शिविर में आने वाले दिव्यांगों के लिए निम्नलिखित व्यवस्थाएं की गई हैं: नारायण लिम्ब फिटमेंट के बाद चलने की सुव्यवस्थित ट्रेनिंग, 40 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम की सेवा और पूर्व लाभार्थी दिव्यांगों द्वारा अनुभव साझाकरण और प्रेरणा।संस्थान की संरक्षक अलका चौधरी ने बताया कि नारायण सेवा संस्थान भारत के साथ-साथ केन्या, युगांडा, नेपाल जैसे देशों में भी शिविर आयोजित कर चुका है। संस्थान की स्थापना 1985 में श्री कैलाश मानव ने की थी, जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। उनके पुत्र और संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को भी 2023 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह संस्थान अब तक 40,000 से अधिक कृत्रिम अंग लगा चुका है।

अग्रवाल समाज की विशेष साधारण सभा कल

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज के समस्त केंद्रीय समिति सदस्यों और शाखाओं के पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025-27 के लिए द्वितीय विशेष साधारण सभा का आयोजन 14 अगस्त 2025, गुरुवार को किया जा रहा। यह बैठक शाम 7.00 बजे से अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल, पैराडाइज, सिकंदराबाद में होगी।इस सभा की कार्यसूची में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे। जिसमें- महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना और अध्यक्षीय स्वागत संबोधन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। पूर्व सभा के मिनट्स को पारित किया जाएगा।सदस्यता शुल्क में बदलाव पर विचार किया जाएगा। वर्तमान में एक साल का सदस्यता शुल्क 350/- है, जिसे 2 वर्षों के लिए 2100 रुपये करने पर विचार किया जाएगा।केंद्रीय समिति और प्रथम विशेष साधारण सभा में स्वीकृत अग्रवाल समाज के चुनाव में मताधिकार को लेकर चर्चा होगी।केंद्रीय समिति और प्रथम विशेष साधारण सभा में स्वीकृत संविधान में संशोधन पर विचार किया जाएगा।अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित मालिकों को अपने कर्मचारियों के लिए विशेषाधिकार कार्ड जारी करने की अनुमति देने पर विचार किया जाएगा।सदस्यता बढ़ाओ अभियान और अग्रसेन जयंती 2025 पर भी चर्चा की जाएगी।सभा का समापन अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा और धन्यवाद ज्ञापन के साथ होगा।

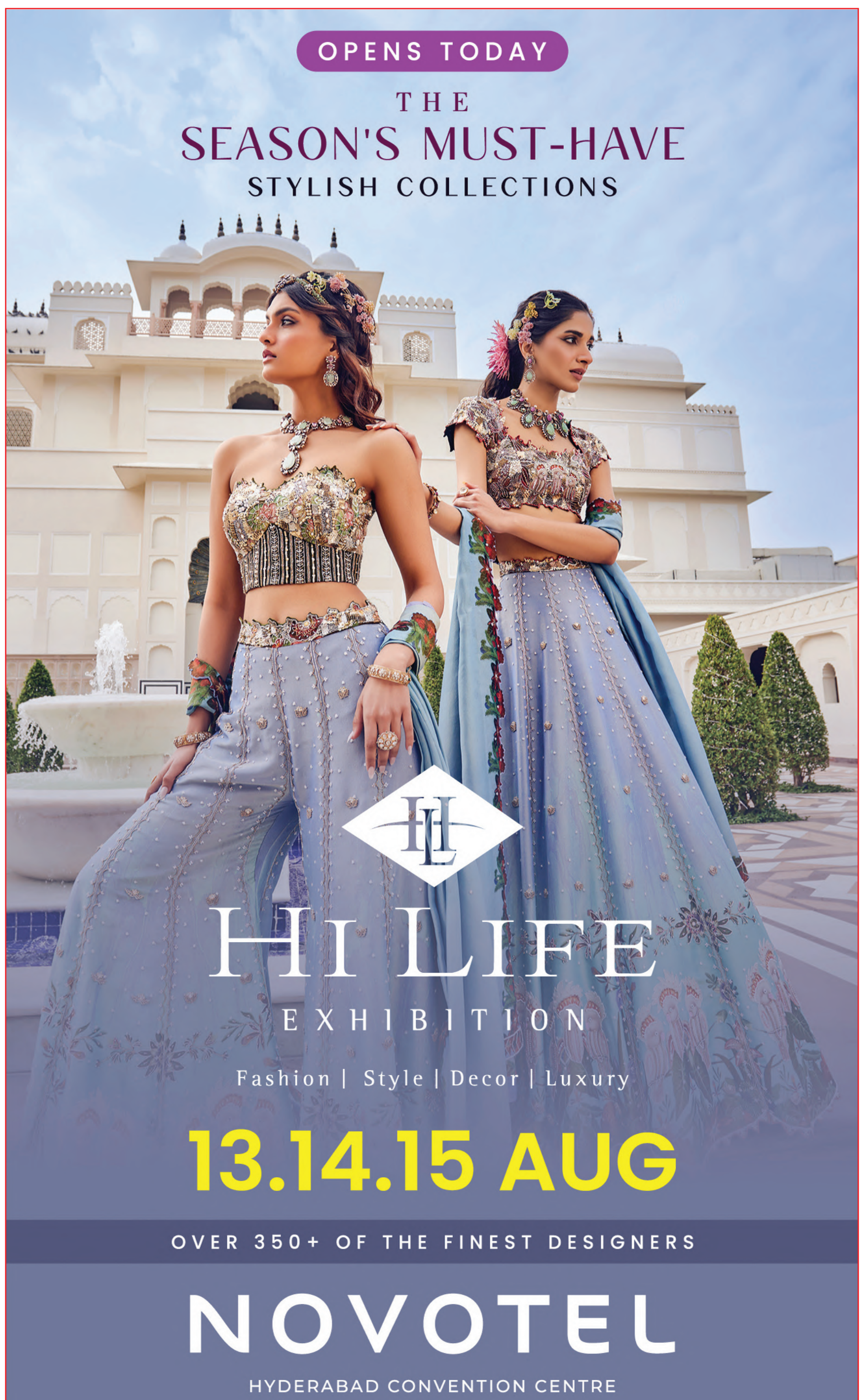

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.